RNI : JHAHIN/2014/54374

हिन्दी दैनिक

राष्ट्रीय मुख्यधारा

Rashtria Mukhyadhara

राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक

बोकारो, शनिवार

13.6.2026

पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/

वर्ष : 12, अंक : 231

https://rashtriyamukhyadhara.com/

mukhyadhara.daily@gmail.com

+91 8873 319 159

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित: देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा में आधुनिक तकनीक का होगा व्यापक उपयोग, अमित शाह ने तैयारियों की समीक्षा की

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा करते हुए श्रद्धालुओं की सुरक्षा और यात्रा के सुचारु संचालन के लिए व्यापक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार अमरनाथ यात्रा के श्रद्धालुओं की सर्वोच्च सुरक्षा और सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। गृहमंत्री शाह ने यहां उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में निर्देश दिया कि यात्रा मार्ग पर केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ), जम्मू-कश्मीर पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के समन्वित प्रयासों से बहुस्तरीय एवं अभेद्य सुरक्षा ग्रिड स्थापित किया जाए। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए ड्रोन, सीसीटीवी निगरानी, सर्विलांस सिस्टम तथा अन्य आधुनिक तकनीकों के व्यापक उपयोग पर जोर दिया। शाह ने कहा कि यात्रा के दौरान विभिन्न केंद्रीय बलों और जम्मू-कश्मीर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी शिविर स्थलों तथा यात्रा मार्ग पर व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी करें। साथ ही श्रद्धालुओं के पंजीकरण, आवास, स्वास्थ्य सेवाओं, संचार व्यवस्था और आपदा प्रबंधन से जुड़ी

सभी आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। बैठक में यात्रा से जुड़े स्थानीय लोगों और पशुओं के पंजीकरण पर भी विशेष बल दिया गया।

निर्देश दिए गए कि संबंधित व्यक्तियों को क्यूआर कोड युक्त पहचान पत्र जारी किए जाएं तथा यात्रा में उपयोग किए जाने वाले पशुओं के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए विशेष शिविर लगाए जाएं। गृह मंत्री ने अधिकारियों को मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान के आधार पर ही श्रद्धालुओं के जत्थों को आगे बढ़ाने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि यात्रा मार्ग के अलावा जम्मू-कश्मीर के अन्य प्रमुख पर्यटन स्थलों पर भी सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि श्रद्धालु और पर्यटक सुरक्षित वातावरण में यात्रा और पर्यटन का आनंद ले सकें। बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, सेना प्रमुख, सीआरपीएफ के महानिदेशक तथा गृह मंत्रालय, सुरक्षा एजेंसियों और प्रशासन के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि हर वर्ष आयोजित होने वाली अमरनाथ यात्रा में देश के विभिन्न हिस्सों से लाखों श्रद्धालु भाग लेते हैं, जिसके मद्देनजर सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए जाते हैं।

केंद्र की पूर्वोत्तर में बड़े बदलाव की तैयारी: 2027 तक हटेगा अफस्पा

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने पूर्वोत्तर भारत के लिए दो महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं, जो क्षेत्र में शांति और विकास की नई दिशा देंगी। उन्होंने बताया कि वर्ष 2027 तक एक-दो राज्यों को छोड़कर पूरे पूर्वोत्तर से सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम (अफस्पा) हटाया जाएगा। इसके साथ ही, केंद्र सरकार, असम और नागालैंड के बीच सीमा विवाद वाले क्षेत्र में लंबे समय से बंद पड़ा तेल और गैस उत्पादन फिर से शुरू करेगी। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने इस निर्णय के पीछे पूर्वोत्तर में सुरक्षा स्थिति में आए उल्लेखनीय सुधार और उग्रवादी गतिविधियों में आई कमी को प्रमुख कारण बताया। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न शांति समझौतों के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं, जिससे क्षेत्र में स्थायी शांति की बहाली संभव हुई है। अफस्पा के दायरे में लगातार की जा रही कटौती इसी प्रगति का प्रमाण है। केंद्रीय गृह मंत्री ने उम्मीद जाहिर की कि यदि कानून-व्यवस्था की वर्तमान स्थिति बनी रहती है, तब अगले वर्ष तक अधिकांश क्षेत्रों से यह कठोर कानून हटा दिया जाएगा। वहीं ऊर्जा क्षेत्र से जुड़ी दूसरी बड़ी घोषणा कर शाह ने बताया कि केंद्र सरकार तथा असम और नागालैंड की सरकारों के बीच सीमा विवाद वाले उस क्षेत्र में तेल और गैस उत्पादन फिर से शुरू करने पर सहमति बनी है, जो लंबे समय से विवाद और प्रशासनिक चुनौतियों के कारण निष्क्रिय पड़ा हुआ था। केंद्र सरकार का अनुमान है कि इस क्षेत्र में 15,000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के तेल और गैस भंडार मौजूद हैं। उत्पादन शुरू होने के बाद, क्षेत्र की तेल उत्पादन क्षमता वर्तमान 1,000-1,500 बैरल प्रतिदिन से बढ़कर करीब दस गुना तक पहुंच सकती है। इस परियोजना से न केवल देश की ऊर्जा आत्मनिर्भरता बढ़ेगी, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर पैदा होने और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

सायोनी घोष ने ममता से बाय-बाय, यूसुफ पठान ने भी छोड़ा साथ

- 19 सांसदों और 64 विधायकों के बागी होने से टीएमसी में संकट

एजेंसी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) इस समय अपने सबसे बड़े राजनीतिक संकट से जूझ रही है। पार्टी के भीतर असंतोष इस कदर बढ़ चुका है कि लोकसभा से लेकर राज्यसभा और विधानसभा तक, ममता बनर्जी के खिलाफ उनके अपने ही नेताओं ने मोर्चा खोल दिया है। शुक्रवार को सामने आई एक सूची ने राज्य की सियासत में हड़कंप मचा दिया है, जिसमें टीएमसी के 19 लोकसभा सांसदों के नाम शामिल हैं। इस सूची में टीएमसी के कई बड़े और चर्चित चेहरे शामिल हैं, जिनमें सायोनी घोष, पूर्व क्रिकेटर यूसुफ पठान, काकोली घोष दस्तीदार, शताब्दी रॉय, बापी हलदार, डॉ. शर्मिला सरकार, प्रसून बंद्योपाध्याय, जगदीश बर्मा बसुनिया, असित कुमार माल, अरूप चक्रवर्ती, रचना बनर्जी, खलीलुर रहमान, अबू ताहेर खान, मिताली बाग, माला रॉय, कालीपद सोरेन, दीपक अधिकारी, जून मलिया और पार्थ भौमिक के नाम बताए जा रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, लंबे समय से 20 सांसदों के अलग गुट बनाने की अटकलें थीं, और केवल एक वरिष्ठ सांसद के फैसले के इंतजार में यह सूची रुकी हुई थी। दावा किया जा रहा है कि इन 19 बागी सांसदों ने मई महीने में ही लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को अपना एक साझा समर्थन पत्र सौंप दिया था। हालांकि, यह अभी पूरी तरह साफ नहीं है कि यह गुट राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में शामिल होगा या अपनी अलग राह चुनेगा। सिर्फ लोकसभा ही नहीं, राज्यसभा में भी ममता बनर्जी की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। उच्च सदन में महज चार दिनों के भीतर पार्टी को बड़ा झटका लगा है, जब कोयल मलिक ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। वह पिछले कुछ दिनों में इस्तीफा देने वालीं चौथी राज्यसभा सांसद हैं। उनसे पहले सुखेंदु शेखर रे, सुष्मिता देव और प्रकाश बरेक भी संसद सदस्यता छोड़ चुके हैं। सुखेंदु शेखर रे ने तो पार्टी के सभी पदों से भी दूरी बना ली है। इन इस्तीफों के बाद राज्यसभा में टीएमसी सांसदों की संख्या घटकर अब सिर्फ 9 रह गई है, जिससे पार्टी की ताकत काफी कमजोर हो गई है। दूसरी ओर, पश्चिम बंगाल विधानसभा के भीतर भी बगावत की आग तेजी से फैल रही है। बागी गुट का नेतृत्व कर रहे रिताब्रता बनर्जी का दावा है कि उनके साथ आने वाले विधायकों की संख्या अब बढ़कर 64 हो चुकी है। गौरतलब है कि टीएमसी ने विधानसभा चुनाव में 80 सीटों पर जीत हासिल की थी। अगर रिताब्रता बनर्जी का यह दावा पूरी तरह सही साबित होता है, तो ममता बनर्जी के साथ केवल 16 विधायक ही रह जाएंगे, जिससे राज्य सरकार के अस्तित्व पर भी संकट मंडराने लगेगा।

दिल्ली-एनसीआर में बदला मौसम, चली तेज आंधी-बारिश, लोगों को मिली राहत

- पाक सीमा से सटे इलाकों में साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना, रेड अलर्ट जारी

एजेंसी, नई दिल्ली

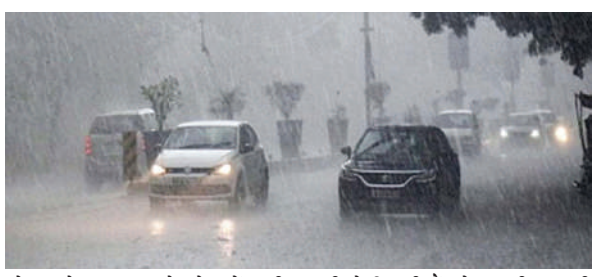

दिल्ली-एनसीआर में गुरुवार रात अचानक मौसम का मिजाज बदल गया है। तेज आंधी, बिजली और धूल भरे तूफान आया। मौसम के इस आक्रामक रूप को देखते हुए भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने दिल्ली-एनसीआर के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक इस समय सेंट्रल पाकिस्तान और उससे सटे इलाकों के ऊपर एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना हुआ है। यह हवाओं का एक ऐसा जाल है जो अपने आसपास के क्षेत्र में भारी वायुमंडलीय अस्थिरता पैदा करता है। इस साइक्लोनिक सर्कुलेशन के मजबूत होने के कारण उत्तर-पश्चिम भारत, खासकर दिल्ली-एनसीआर, पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी यूपी के वायुमंडल में अचानक उथल-पुथल शुरू हो गई है। जब यह पाकिस्तान की तरफ से आ रही गर्म हवाएं भारत के मैदानी इलाकों की नमी से मिलती हैं, तो यह तीव्र आंधी और गरज-चमक वाले बादलों का निर्माण करती हैं। यही कारण है कि दिल्ली-एनसीआर में अचानक 70 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तूफानी हवाएं चलने लगीं, जो कभी-कभी 90 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार को भी छू रही हैं। मौसम विभाग ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए दिल्ली-एनसीआर में रेड अलर्ट जारी किया है। रेड अलर्ट का मतलब होता है- तुरंत कदम उठाएं और सुरक्षित रहें। यह अलर्ट तब जारी किया जाता है जब मौसम इतना खराब हो कि उससे जान-माल के नुकसान का खतरा हो। विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले कुछ घंटों तक दिल्ली और आसपास के इलाकों में तेज आंधी के साथ बिजली, धूल का गुबार और गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इस तूफान और बारिश का एक सकारात्मक पहलू यह है कि इसने दिल्लीवासियों को पिछले कई दिनों से सता रही उमस और भीषण गर्मी से राहत दी है। मौसम विभाग का अनुमान है कि शुक्रवार से यह सिस्टम और मजबूत हो सकता है, जिससे बारिश और तेज हवाओं का दौर आगे भी जारी रहेगा।

केंद्र सरकार ने पेट्रोल पंपों से थोक औद्योगिक पेट्रोल-डीजल की खरीद पर लगाई रोक

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और ईंधन आपूर्ति को लेकर संभावित चुनौतियों के बीच केंद्र सरकार ने पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए अहम कदम उठाया है। सरकार ने औद्योगिक, वाणिज्यिक और संस्थागत उपभोक्ताओं द्वारा पेट्रोल पंपों से पेट्रोल-डीजल की खरीद पर अस्थायी रोक लगा दी है। अब ऐसे उपभोक्ताओं को अपनी जरूरत का ईंधन थोक बिक्री केंद्रों अथवा निर्धारित उपभोक्ता पंपों से ही लेना होगा। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने 11 जून को 'मोटर स्पिरिट एंड हाई स्पीड डीजल (रिटेल आउटलेट्स के माध्यम से आपूर्ति का अस्थायी विनियमन) आदेश, 2026' जारी किया है। इस आदेश के तहत खुदरा पेट्रोल पंपों से थोक स्तर पर ईंधन खरीदने पर अधिकतम 90 दिनों तक रोक लगाने का प्रावधान किया गया है। मंत्रालय के अनुसार यह निर्णय देशभर में पेट्रोल और डीजल की समान उपलब्धता सुनिश्चित करने, जमाखोरी की आशंका को रोकने और निर्बाध आपूर्ति बनाए रखने के उद्देश्य से लिया गया है। मंत्रालय की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि हाल के दिनों में कुछ क्षेत्रों में, विशेषकर डीजल की मांग में असामान्य वृद्धि देखी गई है।

एनसीपी में बगावत, कांग्रेस ने कहा- विलय का रास्ता खुला

- शरद पवार की पार्टी से तीन विधायक हुए बागी

एजेंसी, मुंबई

महाराष्ट्र के राजनीतिक गलियारों से एक बेहद चौंकाने वाली खबर सामने आ रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, कांग्रेस हाईकमान ने शरद पवार को अपनी पार्टी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) का कांग्रेस में पूरी तरह से विलय करने का एक बड़ा प्रस्ताव दिया है। इस बड़े सियासी घटनाक्रम के बीच शरद पवार के नेतृत्व वाले गुट में आंतरिक कलह और फूट भी खुलकर सामने आ गई है, जिसने राज्य की राजनीति में हलचल तेज कर दी है। एक तरफ जहां विलय की चर्चाएं गर्म हैं, वहीं दूसरी तरफ शरद पवार गुट के तीन विधायकों—उत्तमराव जानकर, अभिजीत पाटिल और नारायण पाटिल—ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण से मुलाकात की है। माना जा रहा है कि टिकट वितरण से नाराज ये तीनों विधायक जल्द ही भाजपा में शामिल हो सकते हैं। यह मुलाकात सोलापुर में महायुति के नेताओं की एक बैठक के दौरान हुई, जिसमें सांगोला से शेकप विधायक बाबासाहेब देशमुख भी उपस्थित थे। दरअसल, इस पूरी बगावत की मुख्य वजह सोलापुर विधानसभा सीट पर टिकट का बंटवारा है। यहां भाजपा के राजेंद्र राउत के सामने शरद पवार गुट ने वसंतराव देशमुख को अपना उम्मीदवार बनाया है। वसंतराव देशमुख को सांसद धैर्यशील मोहिते पाटिल का बेहद करीबी माना जाता है। ऐसे में इन तीन विधायकों की नाराजगी और भाजपा उम्मीदवार को समर्थन देने के संकेत मोहिते पाटिल के लिए एक बड़ा राजनीतिक झटका माने जा रहे हैं। इन विधायकों ने उम्मीदवार चयन को लेकर पहले भी सार्वजनिक रूप से अपनी आपत्ति दर्ज कराई थी। इस पूरे घटनाक्रम की पृष्ठभूमि तब तैयार हुई जब शिवसेना के उद्धव गुट के नेता संजय राउत ने सुझाव दिया था कि जो पार्टियां कांग्रेस से अलग होकर बनी हैं, जैसे तृणमूल कांग्रेस और एनसीपी, उन्हें अब वापस कांग्रेस में शामिल हो जाना चाहिए। संजय राउत का मानना है कि आज के दौर में क्षेत्रीय दलों को अपने-अपने राज्यों में अस्तित्व की लड़ाई लड़ने के लिए एक मजबूत राष्ट्रीय मंच की जरूरत है और इसके लिए उन्हें कांग्रेस की मदद लेनी चाहिए। इस सुझाव पर प्रतिक्रिया देते हुए शरद पवार की बेटी और सांसद सुप्रिया सुले ने कहा कि संजय राउत उनके बड़े भाई जैसे हैं और उनका यह सुझाव स्वागत योग्य है, हालांकि भविष्य में क्या होगा यह समय तय करेगा।

असम में आया 4.7 तीव्रता का भूकंप

एजेंसी, गुवाहाटी

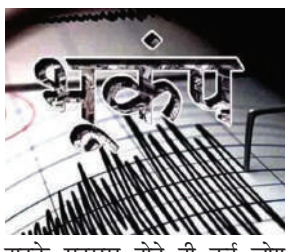

असम के कछार जिले में गुरुवार रात 4.7 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया, जिसके झटके मेघालय सहित पूर्वोत्तर भारत के कई हिस्सों में महसूस किए गए। हालांकि, राहत की बात यह रही कि भूकंप से किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान या बड़े हादसे की कोई सूचना नहीं मिली है। अधिकारियों के अनुसार भूकंप गुरुवार रात करीब 9:10 बजे आया। इसका केंद्र असम के कछार जिले में स्थित था। भूकंप की गहराई जमीन से लगभग 39 किलोमीटर नीचे दर्ज की गई, जिससे इसके झटके आसपास के राज्यों तक महसूस किए गए। भूकंप विज्ञान केंद्र के आंकड़ों के अनुसार, भूकंप का केंद्र 24.941 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 93.007 डिग्री पूर्वी देशांतर पर स्थित था। झटके महसूस होते ही कई लोग एहतियातन अपने घरों और इमारतों से बाहर निकल आए। कुछ क्षेत्रों में लोगों के बीच थोड़ी देर के लिए दहशत का माहौल भी देखा गया। मेघालय के अलावा दक्षिणी असम और पूर्वोत्तर के अन्य हिस्सों में भी कंपन महसूस किए जाने की खबरें सामने आई हैं। हालांकि स्थानीय प्रशासन और आपदा प्रबंधन एजेंसियों ने स्थिति पर लगातार नजर बनाए रखी और किसी बड़े नुकसान की पुष्टि नहीं की।

जिस कोच में संघ प्रमुख सफर कर रहे थे उसी पर हुआ पथराव

- कानपुर से दिल्ली आ रही शताब्दी एक्सप्रेस पर पत्थर कांच टूटे

एजेंसी, नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश से देश की राजधानी दिल्ली आ रही शताब्दी एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 12003) में उस समय अचानक अफरा-तफरी और हड़कंप मच गया, जब कुछ अज्ञात तत्वों द्वारा ट्रेन पर पथराव कर दिया गया। यह हैरान कर देने वाली घटना यूपी के फिरोजाबाद जिले के आउटर इलाके में घटित हुई, जहां तेज रफ्तार से गुजर रही शताब्दी एक्सप्रेस को निशाना बनाकर पत्थर फेंके गए। इस पथराव के कारण ट्रेन की खिड़की का शीशा चकनाचूर हो गया। इस घटना ने सुरक्षा एजेंसियों के कान इसलिए खड़े कर दिए क्योंकि जिस वक्त यह हमला हुआ, उस समय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत उसी प्रभावित कोच में मौजूद थे। संघ प्रमुख कानपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद इसी लखनऊ-दिल्ली शताब्दी एक्सप्रेस से वापस दिल्ली लौट रहे थे। यह पूरी घटना गुरुवार की रात करीब 7.20 से 8 बजे के बीच की बताई जा रही है। जब ट्रेन फिरोजाबाद जिले से गुजरते हुए मक्खनपुर स्टेशन को बिना रुके पार कर चुकी थी, तभी अचानक एक बड़ा पत्थर ट्रेन के ई-1 कोच की खिड़की से आकर टकराया। पत्थर इतनी तेजी से लगा कि खिड़की का शीशा टूट गया और अंदर बैठे सहमे यात्रियों में चिंता व सुरक्षा को लेकर खौफ फैल गया। चूंकि इसी विशेष कोच में संघ प्रमुख मोहन भागवत भी यात्रा कर रहे थे, इसलिए शुरुआती तौर पर यह आशंका भी जताई जा रही है कि कहीं ट्रेन को जानबूझकर तो निशाना नहीं बनाया गया था। गनीमत यह रही कि इस अचानक हुए पथराव में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत समेत ट्रेन में सवार सभी अन्य यात्री पूरी तरह सुरक्षित रहे और किसी को भी किसी तरह की चोट नहीं आई। घटना की गंभीरता को देखते हुए रेलवे प्रशासन और सुरक्षा बल तुरंत हरकत में आ गए। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले के टुंडला जंक्शन पर जैसे ही ट्रेन रुकी, सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) के इंस्पेक्टर शेर सिंह समेत अन्य रेलवे विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भारी सुरक्षा बल के साथ मौके पर पहुंच गए। अधिकारियों और सुरक्षा जांच टीमों ने तुरंत प्रभावित कोच ई-1 का बारीकी से निरीक्षण किया और स्थिति का जायजा लिया। सुरक्षा के लिहाज से सभी जरूरी जांच और औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद शताब्दी एक्सप्रेस को आगे की यात्रा के लिए हरी झंडी दिखाई गई। इसके बाद ट्रेन बिना किसी अन्य बाधा के दिल्ली की ओर रवाना हुई और रात करीब 10.13 बजे राष्ट्रीय राजधानी पहुंच गई।

अब अपने दोस्त रूस को ब्रह्मोस मिसाइल देगा भारत

- रक्षा निर्यात में नई दिल्ली लगा रही बड़ी छलांग

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत और रूस के संयुक्त प्रयासों से विकसित हुई ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल अब वापस रूस को ही बेची जा सकती है। ब्रह्मोस एयरोस्पेस ने स्पष्ट किया है कि यदि मॉस्को की ओर से इस मिसाइल को लेकर कोई ऑर्डर आता है, तो कंपनी उसे पूरा करने के लिए पूरी तरह सक्षम और तैयार है। इसका सीधा मतलब यह है कि जिस अचूक मिसाइल को भारत ने अपनी सैन्य संप्रभुता और सामरिक ताकत का मुख्य स्तंभ बनाया है, वह अब रूस की थलसेना और नौसेना के शस्त्रागार की भी शोभा बढ़ा सकती है। अंतरराष्ट्रीय नौसेना प्रदर्शनी 'फ्लीट-2026' के दौरान ब्रह्मोस एयरोस्पेस के शीर्ष नेतृत्व ने इस बात की पुष्टि की कि उनके पास पर्याप्त उत्पादन क्षमता है और वे रूस की सैन्य आवश्यकताओं को बेहतर ढंग से समझते हैं। यह मिसाइल भारत के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और रूस के एनपीओ मशीनोस्ट्रोयेनिया का एक संयुक्त उपक्रम है। दोनों देशों ने साल 1995 में मिलकर ब्रह्मोस एयरोस्पेस की स्थापना की थी। भारत की ब्रह्मपुत्र और रूस की मॉस्कवा नदी के नाम पर इस घातक मिसाइल का नाम ब्रह्मोस रखा गया था, जिसे आज दुनिया की सबसे तेज और सटीक सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों में गिना जाता है।

जमीन, हवा और समुद्र—तीनों ही प्लेटफॉर्म से दागी जा सकने वाली इस मिसाइल की मारक क्षमता और सटीकता का लोहा पूरी दुनिया मानती है। भारतीय थलसेना, वायुसेना और नौसेना लंबे समय से इसका सफलतापूर्वक संचालन कर रही हैं। पड़ोसी देश पाकिस्तान के खिलाफ एक विशेष सैन्य ऑपरेशन के दौरान भी इस मिसाइल ने अपनी अचूक मारक क्षमता का शानदार प्रदर्शन किया था, जिसके बाद वैश्विक स्तर पर इसकी मांग में भारी उछाल आया है। वर्तमान में भारत एक बड़े रक्षा निर्यातक के रूप में उभर रहा है।

मीनाक्षी नटराजन को सुप्रीम कोर्ट से करारा झटका

एजेंसी, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन को बड़ा झटका देते हुए उनकी याचिका खारिज कर दी है। राज्यसभा चुनाव के लिए उनका नामांकन रद्द किए जाने के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि एक बार चुनावी प्रक्रिया शुरू हो जाने के बाद न्यायालय के हस्तक्षेप की सीमाएं निर्धारित हैं और इस चरण में अदालत चुनाव प्रक्रिया में दखल नहीं दे सकती। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि उसने याचिकाकर्ता की सभी दलीलों पर विचार किया है। याचिका में दावा किया गया था कि रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) ने यह कहते हुए नामांकन खारिज कर दिया कि उम्मीदवार ने अधूरा फॉर्म भरा तथा अपने खिलाफ लंबित शिकायत मामले की जानकारी नहीं दी। याचिकाकर्ता का कहना था कि संबंधित मामले में न तो आरोप तय हुए थे और न ही अदालत ने संज्ञान लिया था, इसलिए ऐसी जानकारी न देने के आधार पर नामांकन रद्द करना मनमाना और अवैध है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

सीसीएल करमा परियोजना में स्वास्थ्य केंद्र का उद्घाटन

कुजः सीसीएल करमा परियोजना के आर. एन.आर. साइट में शुक्रवार को स्वास्थ्य केंद्र का उद्घाटन किया गया । स्वास्थ्य केंद्र ग्रामीणों के दैनिक स्वास्थ्य को लेकर शुरू किया गया है । साथ ही साथ ग्रामीणों के लिए कैंप का भी आयोजन किया गया । जिसमें लगभग 110 लोगों का मुफ्त इलाज सीसीएल के द्वारा किया गया । कार्यक्रम परियोजना पदाधिकारी रामेश्वर मुंडा के अध्यक्षता मैं किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शिक्षक कुजु क्षेत्र के महाप्रबंधक राजीव कुमार सिन्हा के उपस्थिति में हुआ एवं उनके कर कमल से स्वास्थ्य केंद्र का फीता काटकर उद्घाटन किया। महाप्रबंधक ने अपने संबोधन में कहा कि स्वास्थ्य केंद्र को आरआरआर. साइड के ग्रामीणों एवं आसपास के ग्रामीणों के लिए समय-समय पर दैनिक स्वास्थ्य का उपचार होने की बात कही।मौके पर क्षेत्रीय मेडिकल ऑफिसर डॉ मीनू पांडियान, डॉ अजय कुमार मेहता, डॉ मंजु नाथ, वरिय प्रबंधक (मानव संसाधन) अविनाश श्रीवास्तव, स्टाफ ऑफिसर (सिविल), परियोजना अभियंता (सिविल) शुभम कुमार सिंह, परियोजना अभियंता विद्युत एवं आंतरिक अरनव पॉल,पीसीसी सदस्य सह मजदूर नेता राजकुमार महतो, जयनंदन महतो, मोहनलाल महतो नरेश महतो, तरुण कुमार रंजन, राकेश कुमार सत्येंद्र कुमार राय, मनोज कुमार, विनोद कुमार, महतो सुबेदार, अविनाश कुमार सिंह, महतो,तिरती देवी,भारती देवी, सुनीता देवी, प्रीति देवी, विदेशी नायक, जे. के. जॉन, अली मोहम्मद एवं ग्रामीण प्रेमचंद मुंडा, रवि मुंडा, काशी करमाली, रमेश महतो, किशुन महतो आदि मौजूद थे।

जिला भाजपा कार्यालय में मासिक बैठक आयोजित

कुजः रामगढ़ जिला भाजपा कार्यालय हथमारा पोचरा में शुक्रवार को मासिक बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष संजीव कुमार बावला व संचालन जिला महामंत्री जगेश्वर प्रजापति ने किया। धन्यवाद ज्ञापन जिला महामंत्री राजू चतुर्वेदी द्वारा किया गया. बैठक में मुख्य रूप से भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद व जिला प्रभारी सुरेन्द्र महतो शामिल हुए। बैठक में जिला व मंडल स्तर के पदाधिकारी समेत कार्यकर्ता शामिल हुए। इस दौरान संगठन मजबूती, बीएलए-2 की कार्यपद्धति व प्रशिक्षण संबंधी जानकारी, 5 से 23 जून तक चलने वाले वृक्षारोपण अभियान में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने तथा पौधारोपण की जानकारी सरल ऐप पर अपलोड करने का आह्वान किया गया। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लगातार 12 वर्षों से अधिक समय तक प्रधानमंत्री पद पर रहते हुए 4,399 दिनों का ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित करने पर उपस्थित कार्यकर्ताओं ने करतल ध्वनि से उनका अभिनंदन किया। बैठक के अंत में धन्यवाद ज्ञापन जिला महामंत्री राजू चतुर्वेदी ने किया। मौके पर कई वरीय भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

त्रिपक्षीय वार्ता उपरांत केदला विस्थापित मोर्चा का आंदोलन समाप्त

सीसीएल का कोयला ट्रांसपोर्टिंग कार्य चालू, सड़कों पर लगा जाम हटा

घाटोः केदला इलाके केदला विस्थापित मोर्चा के तत्वाधान में बिजली उपलब्ध कराने को लेकर किया जा रहा आंदोलन शुक्रवार को त्रिपक्षीय वार्ता उपरांत समाप्त हो गया। सुबह 11 बजे एलसीएच समीप ग्रामीणों के साथ पुलिस प्रशासन व सीसीएल अधिकारियों के बीच वार्ता हुई। वार्ता में प्रबंधन की ओर से आश्वासन दिया गया कि शाम को ट्रांसफार्मर लगा दिया जाएगा, जिसके बाद शनिवार से ग्रामीणों के बीच बिजली उपलब्ध करा दी जाएगी। वार्ता उपरांत ग्रामीणों ने अपना आंदोलन वापस ले लिया। वार्ता में प्रबंधन की ओर से सीसीएल हजारीबाग एरिया के आपरेशन जीएम, केदला उत्खनन परियोजना के पीओ अखिलेश्वर प्रसाद, गामीणों की ओर से मांडू विधायक तिवारी महतो, मोर्चा के नेता बालेश्वर तुरी, संजय मुर्मू, रामकुमार मांझी, सुनील वास्के, चरका तुरी, मुखिया मदन महतो व पुलिस प्रशासन की ओर से वेस्ट बोकारो ओपी के थाना प्रभारी दीपक कुमार शामिल थे। वही आंदोलन समाप्त होने के बाद केदला नगर मोड़ के पास सड़क पर लगी लंबी जाम से लोगों को राहत मिली वार्ता उपरांत केदला उत्खनन परियोजना व झारखंड उत्खनन परियोजना में तमाम कार्य चालू हो गया।आंदोलन को समाप्त कराने में थाना प्रभारी दीपक कुमार का अहम योगदान रहा।जिसके बाद आंदोलकारियों ने मांगो पर अपनी सहमति दी।

जिप सदस्य सुनीता कुमारी ने वन विश्राम गृह के सुंदरीकरण की मांग की

डुमरीः क्षेत्र की जिला परिषद सदस्य सुनीता कुमारी ने गिरिडीह के वन क्षेत्र पदाधिकारी को पत्र भेजकर डुमरी प्रखंड के जामतारा पंचायत में स्थित वन विश्राम गृह के सुंदरीकरण की मांग की है। अपने पत्र में उन्होंने उल्लेख किया कि जामतारा स्थित वन विश्राम गृह क्षेत्रवासियों एवं आगंतुकों के लिए एक महत्वपूर्ण स्थल है। लेकिन वर्तमान में साफ-सफाई, रंग-रोगन, पेयजल, बैठने की उचित व्यवस्था तथा सौंदर्यीकरण के अभाव में इसकी उपयोगिता और आकर्षण कम हो रहा है। उन्होंने लिखा कि वन विश्राम गृह का समुचित सुंदरीकरण होने से यह पर्यटकों एवं आगंतुकों के लिए अधिक सुविधाजनक और आकर्षक बन सकेगा। इससे क्षेत्र की सुंदरता बढ़ेगी और वन विभाग की सकारात्मक छवि भी मजबूत होगी। जिप सदस्य ने वन विभाग से जनहित एवं पर्यटन विकास को ध्यान में रखते हुए जामतारा वन विश्राम गृह के सुंदरीकरण के लिए आवश्यक पहल करने का आग्रह किया है।

पंचायत सेवक पर संवेदक ने लगाया परेशान करने का आरोप

घाटोंः मांडू प्रखंड अंतर्गत करमा उत्तरी पंचायत के पंचायत सेवक अनुज कुमार पर एक संवेदक ने मनरेगा कार्य में परेशान करने का आरोप लगाया है। बरकठी निवासी संवेदक सिकंदर अंसारी ने मांडू बीडीओ को सूचित करते हुए कहा है कि मनरेगा सहित अन्य कार्य इन दिनों पंचायत के रोजगार सेवक हड़ताल पर है। विगत तीन माह से पंचायत सेवक ही मनरेगा सहित अन्य विकास कार्य देख रहे है, लेकिन बार-बार पैसे की मांग किया जा रहा है। कई बार पैसा भी दे चुका हुं, बावजूद परेशान किया जा रहा है। बार कोड भेजकर पैसे की मांग करने से अन्य संवेदक भी परेशान है। वही इस संबंध में पंचायत सेवक से संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन संपर्क नहीं हो सका। वही मांडू के बीडीओ अमित मिश्रा ने कहा कि इसकी शिकायत सिकन्दर अंसारी ने दिया था, जिसकी जांच किया जा रहा है। अगर शिकायत सही पाया गया, जो पंचायत सेवक पर विभागीय कार्रवाई किया जाएगा।

उपायुक्त ने की धनबाद सदर, पुटकी व धनबाद अंचल में चल रही योजनाओं की समीक्षा, धनबाद सीओ को किया शो-कॉज

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

» धनबाद अंचल के लिपिक एवं कर्मियों का वेतन रोकने का निर्देश
» तीन जेई, एक एई, एक पंचायत सचिव से मांगा स्पष्टीकरण

धनबादः उपायुक्त आदित्य रंजन ने शुक्रवार को पुटकी स्थित धनबाद सदर प्रखंड कार्यालय के सभागार में धनबाद सदर तथा पुटकी अंचल एवं धनबाद अंचल में चल रही राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजना तथा जिले की पेयजलापूर्ति योजनाओं की समीक्षा की।

साथ-साथ सात टीम द्वारा धनबाद सदर के नवाडीह, दामोदरपुर, धोखरा, सियालगुदरी, गोपीनाथडीह, पांडरकनाली एवं पेटिया पंचायत में विभिन्न योजनाओं का औचक निरीक्षण किया गया।

टीम ने पंचायतों में अबुआ आवास, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), जन वितरण प्रणाली, मनरेगा, आंगनबाड़ी केंद्र, आयुष्मान आरोग्य मंदिर व अन्य योजनाओं का औचक निरीक्षण कर उपायुक्त को अपनी रिपोर्ट सौंपी। रिपोर्ट की समीक्षा करने के क्रम में उपायुक्त ने धोखरा, अरलगड़िया एवं दुबराजडीह के कनीय अभियंता (जेई), सियालगुदड़ी के पंचायत सचिव तथा दुबराजडीह के सहायक अभियंता (एई) के कार्य को असंतोष पाए जाने पर स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया।

वहीं धनबाद अंचल की समीक्षा के क्रम में विभिन्न रजिस्टरों की अनुपलब्धता, विभिन्न पंजी में सही संधारण नहीं करने पर कड़ी नाराजगी जताते हुए उपायुक्त ने धनबाद अंचल के लिपिक एवं सभी कर्मियों का तत्काल प्रभाव से वेतन रोकने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने धनबाद अंचल में सरकारी जमीन के अतिक्रमण की भी समीक्षा की। उन्होंने अंचल अधिकारी को अतिक्रमणकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

वहीं धनबाद अंचल की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने धनबाद अंचल के अंचल अधिकारी को शो-कोज किया। दरअसल, बिनोद बिहारी चौक के समीप ग़ैराबाद जमीन पर अवैध कब्जा कर कई दुकानों का निर्माण किया गया है। जिसे लेकर उपायुक्त ने धनबाद सीओ को अतिक्रमण हटाने के आदेश दिए थे। इस कार्य में अपेक्षित प्रगति नहीं होने के कारण उपायुक्त ने कड़ी फटकार लगाते हुए सीओ को शो-कॉज करने के निर्देश दिया। साथ में अंचल अधिकारी को एसएनएमएमसीएच के आसपास से अतिक्रमण हटाने तथा जेसी मल्लिक स्थित मल्लिक तालाब को अतिक्रमण मुक्त करने का भी निर्देश दिया।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने सभी अंचल अधिकारियों को लैंड बैंक बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी अंचल में लैंड बैंक बन जाने से भारत सरकार एवं राज्य सरकार की योजना के लिए सरकारी जमीन आसानी से उपलब्ध होगी। योजनाएं धरातल पर उतरेंगी। जमीन उपलब्ध नहीं होने के कारण कई महत्वपूर्ण योजना छूट जाती है। लैंड बैंक बनने से योजना के लिए सबसे उपयुक्त स्थल का चयन आसानी से किया जा सकेगा।

बैठक में पेयजलापूर्ति, भूमि हस्तांतरण, जल जीवन मिशन, मनरेगा, आवास निर्माण सहित अन्य योजनाओं की समीक्षा की गई।

बैठक के समापन पर उपायुक्त ने कहा कि जिले वासियों की पानी की समस्या का निरंतर समाधान किया जा रहा है। प्रशासन ने विगत तीन महीने में जल मीनार, सोलर जलमिनर व पाइपलाइन से 3000 से अधिक कनेक्शन दिए हैं। जबकि इतनी ही संख्या में जल स्रोतों की मरम्मत की गई है। इसके अलावा 450 से अधिक योजनाएं लंबित है। जिसे स्थानीय जनप्रतिनिधियों के सहयोग से शीघ्र पूरा कर लिया जाएगा। वहीं पुटकी में पेयजल समस्या पर उपायुक्त ने कहा कि रेलवे के आद्रा डिवीजन से अनापत्ति प्रमाण पत्र लेने की प्रक्रिया जारी है। जैसे ही अनापत्ति प्रमाण पत्र मिलेगा, वैसे ही पुटकी अंचल कार्यालय के आसपास के क्षेत्र में निर्बाध पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी।

बैठक में उपायुक्त श्री आदित्य रंजन, उप विकास आयुक्त सन्नी राज, अपर समाहर्ता विनोद कुमार, धनबाद सीओ रामप्रवेश कुमार, पुटकी सीओ विकास आनंद, जिला शिक्षा पदाधिकारी अभिषेक झा, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी स्नेह कश्यप, जिला आपूर्ति पदाधिकारी श्री पंकज कुमार, डीसीएलआर दिलीप कुमार महतो, प्रभारी पंचायती राज पदाधिकारी कालिदास मुंडा, पीएचईडी एक एवं दो के कार्यपालक अभियंता के अलावा विभिन्न विभागों के पदाधिकारी मौजूद थे।

पारस एचईसी हॉस्पिटल रांची में अब मिलेगी विश्वस्तरीय नेत्र चिकित्सा सेवाएं

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांचीः मरीजों को बेहतर और विशेषज्ञ नेत्र चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में पारस एचईसी हॉस्पिटल ने IRIS Hospital के साथ MOU किया. इस पहल का उद्देश्य झारखंड के मरीजों को एक ही स्थान पर उच्च गुणवत्ता वाली और आधुनिक नेत्र चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराना है। अब अस्पताल में नियमित ओपीडी, उन्नत नेत्र जांच सुविधाएं तथा आधुनिक तकनीक से लैस नेत्र सर्जरी की सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। मरीजों को मोतियाबिंद, रेटिना, कॉर्निया, ग्लूकोमा, ओकुलोप्लास्टी समेत विभिन्न जटिल नेत्र रोगों के उपचार के लिए विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं मिलेंगी।

डॉ सुबोध ने कहा कि पारस हॉस्पिटल ने आइरिस आई हॉस्पिटल के साथ एमओयू किया है। जिसके अंतर्गत पारस हॉस्पिटल में नेत्र रोग सेवाएं आइरिस आई हॉस्पिटल के द्वारा प्रदान की जाएगी।

पारस हेल्थ रांची के फैसिलिटी डायरेक्टर डॉ नीतेश कुमार ने कहा कि पारस हेल्थ हमेशा अपने मरीजों को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। आईरिस आई हॉस्पिटल के साथ यह सहयोग नेत्र रोग विभाग को और अधिक मजबूत बनाएगा तथा मरीजों को विशेषज्ञ और समग्र नेत्र देखभाल सेवाएं प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि इस साझेदारी से मरीजों को पारस हेल्थ रांची में ही विशेषज्ञ परामर्श, अत्याधुनिक जांच और सर्जरी की सुविधाएं मिलेंगी, जिससे उन्हें सुविधाजनक एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार प्राप्त होगा। आईरिस आई हॉस्पिटल की विशेषज्ञता और अस्पताल की आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं के समन्वय से झारखंड के मरीजों को विश्वस्तरीय नेत्र चिकित्सा सुविधाओं का लाभ मिलेगा तथा क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को नई मजबूती मिलेगी।

बरनवाल सेवा सदन में समर कैंप का समापन, सेवा सदन के प्रतीक चिन्ह का हुआ अनावरण

राष्ट्रीय मुख्यधारा

डुमरीः बरनवाल सेवा सदन, इसरी बाजार के सभागार में आयोजित साप्ताहिक समर कैंप का समापन हो गया। इस कैंप में 120 बच्चों ने भाग लिया। कैंप के दौरान बच्चों को चित्रकला, आत्मरक्षा, वैदिक शिक्षा और राष्ट्र के प्रति समर्पण जैसे विषयों का प्रशिक्षण दिया गया।कार्यक्रम का उद्घाटन 5 जून की रात्रि को किया गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवा सदन के अध्यक्ष सूरज कुमार ने की, जबकि मंच संचालन पवन कुमार गुप्ता ने किया।इसी अवसर पर बरनवाल सेवा सदन के नए प्रतीक चिन्ह (लोगो) का अनावरण भी किया गया। कार्यक्रम में बरनवाल युवक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवराम निशांत एवं भाजपा नेता सुरेंद्र कुमार साहू विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।कार्यक्रम को सफल बनाने में सचिव सौरव कुमार सानू वर्णवाल का विशेष योगदान रहा। इसके अलावा बरनवाल युवा महिला समिति की सदस्य दीपा बरनवाल, रेखा बरनवाल, नीतू बरनवाल, निर्मला बरनवाल, मीरा बरनवाल, लक्ष्मी बरनवाल, अंजू बरनवाल, अंशु बरनवाल तथा महिला समिति अध्यक्ष संगीता बरनवाल ने सक्रिय भूमिका निभाई।बरनवाल सेवा सदन के संरक्षक आनंद प्रसाद बरनवाल, उमेश बरनवाल, महेंद्र प्रसाद बरनवाल, विजय कुमार बरनवाल, दीपक कुमार बरनवाल, प्रज्ञा केंद्र संचालक बलवंत कुमार बरनवाल, विवेक कुमार, शशिकांत बरनवाल, संजीत कुमार चेतानी, रंजीत सूर्यवंशी, राकेश बरनवाल, विक्रम कुमार, धनंजय कुमार, अमन आर्या और दीपक बरनवाल का भी सराहनीय सहयोग रहा।

एनजीटी की रोक के बावजूद हो रहा है,10 हजार सीएफटी बालू का अवैध कारोबार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

गोलाः नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) की रोक 10 जून से 15 अक्टूबर तक लागू रहेगी। इस रोक के बाद भी बालू कारोबारियों की गतिविधि तेज हो गई है।रोक लगाने के पूर्व ही क्षेत्र में बड़े पैमाने पर बालू का भंडारण किया गया है। ताकि प्रतिबंध लागू होते ही ऊंचे दामों पर इसकी बिक्री कर मुनाफा कमा सकें। थाना के विभिन्न हिस्सों में बालू का अवैध कारोबार किया जा रहा है। जानकारों की मानें तो रोज हाइवा व ट्रैक्टरों से 10 हजार सीएफटी बालू बिक रही है। बालू के दाम भी बढ़ गए हैं। प्रखंड में दो बालू घाट हैं।जिसमे परसाडीह ओर डुमरडीह घाट।लेकिन सरकार द्वारा यहां टेंडर प्रक्रिया शुरू नहीं की गई। गोला थाना क्षेत्र में अवैध कारोबार कोई नई बात नहीं है। गोला और सीमावर्ती बरलंगा थाना क्षेत्र अवैध बालू परिवहन का प्रमुख मार्ग बन चुका है। दामोदर नदी से ट्रैक्टर, टर्बो और हाइवा में बालू लोड कर हेसापोड़ा, कोराम्बे, भूभई, बंदा, रकुवा, सुतरी, रजरप्पा रोड, डीवीसी चौक और मुरी रोड होते हुए रांची व जमशेदपुर तक पहुंचाया जा रहा है। गोला होकर जमशेदपुर जाने वाला अपेक्षाकृत सुगम, बिना टोल टैक्स वाला मार्ग बनने के बाद क्षेत्र में अवैध गतिविधियों में वृद्धि हुई है। बालू कारोबारियों ने भी अपने तौर-तरीके बदल लिए हैं। एनजीटी रोक के बाद धंधा का सिस्टम बदल गया है।अब दिन के बदले शाम ढलते ही ट्रैक्टरों से बालू ढुलाई देखी जा रही है। लोगों का कहना है कि कई बार अवैध बालू लदे वाहन थाना और प्रखंड मुख्यालय के आसपास के मार्गों से भी गुजरते हैं। तस्करी का सबसे सक्रिय समय रात दो बजे से सुबह छह बजे तक माना जाता है।

1000 से 1200 सौ रुपए बढ़ा बालू का रेट – एनजीटी रोक के बाद बालू के रेट में भी इजाफा हुआ है।बताया जाता है कि कुछ दिन पहले एक ट्रेक्टर बालू का रेट 2800 सौ से 3200 सौ रुपए था।जो अब बढ़कर चार हजार से लेकर 4200 सौ रुपए तक पहुंच गया है।इसके बाद भी आपको कई दिनों तक नंबर लगाना पड़ता है।इस धंधे से जुड़े लोग स्थानीय थाना को सेटिंग कर बैखौफ होकर इसे अंजाम दे रहे हैं।

क्या कहते है जवाबदेह- इस संबंध में एसडीपीओ आलोक रंजन से दूरभाष पर पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि हरहाल में बालू का परिचालन नहीं होने दिया जाएगा।इसके लिए उनके द्वारा संबंधित थाना प्रभारी को निर्देश दिया गया है।इसके बाद भी अगर थाना प्रभारी द्वारा कारवाई नहीं किया जाता है तो वे खुद सूचना मिलने पर अवैध ट्रैक्टरों को पकड़ने का काम करेंगे।

यज्ञ में शामिल होने जा रहे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का गोला में स्वागत

राष्ट्रीय मुख्यधारा

गोलाः भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद आदित्य साहू का शुक्रवार को मंडल अध्यक्ष जितेंद्र साहू के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने डीवीसी चौक के समीप पुष्पगुच्छ देकर जोरदार स्वागत किया गया।इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन किया।ओर इसके बाद कोराम्बे में आयोजित पांच दिवसीय यज्ञ में शामिल होने के लिए निकल गए।मौके पर जिला मंत्री बबलू साव, मनोज कुमार महतो, बिकास मणि पाठक हरिश बर्मन, ललन कुशवाहा सुलेखा देवी उज्जवल सुरज प्रसाद चक्रवर्ती उतम कुशवाहा संजय दांगी देवदत्त महतो आदि

बेंगलुरु में सीढ़ियों से गिरकर प्रवासी मजदूर की मौत, गांव में पसरा मातम

राष्ट्रीय मुख्यधारा

डुमरीः थाना क्षेत्र के नगरी पंचायत स्थित नगरी गांव निवासी गोविंद मंडल एवं संतोषी देवी के 31 वर्षीय पुत्र टिंकू मंडल की बेंगलुरु में सीढ़ियों से गिरकर मौत हो गई। यह हादसा 11 जून की रात हुआ। परिजनों के अनुसार टिंकू इसी माह 2 जून की शाम काम के लिए बेंगलुरु गया था। वह विशाल इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड कंपनी में मजदूरी करता था। कंपनी द्वारा सर्वे नंबर 95, वार्ड नंबर 8, करांजीकट्टे पोस्ट, मुदबिद्री, बैलूर तालुका में आर्मी कैंप का निर्माण कार्य कराया जा रहा था, जहां टिंकू कार्यरत था। 11 जून की शाम करीब 6 बजे ड्यूटी खत्म कर टिंकू अपने कमरे पर लौटा था। बाथरूम से निकलने के बाद सीढ़ियों से उसका पैर फिसल गया। सिर में गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई।मृतक की पत्नी सोनी देवी, पुत्र आयुष कुमार (7) व अंश कुमार (5) और छोटा भाई राजेश मंडल का रो-रोकर बुरा हाल है। पिता गोविंद मंडल ने बताया कि टिंकू ने 9 जून की शाम अपनी मां संतोषी देवी से फोन पर बात की थी। अचानक हुई इस घटना से पूरे गांव में शोक की लहर है।घटना की खबर सुनकर क्षेत्र के जिप सदस्य धनंजय प्रसाद, जेएलकेएम पंचायत अध्यक्ष मनोज तुरी, कैलाश तुरी, दीपक रंगरेज, मुकेश पांडेय, देवनंदन प्रसाद, सुनील साव, कोकिल साव, अजय कुमार रजक सहित अन्य लोग मृतक के परिजनों से मिले और ढांढस बंधाया।

थाना मोड़ के दुर्गा मंदिर में गूंजी शिव-पार्वती विवाह की दिव्य कथा, झूम उठे श्रद्धालु

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : नगर के सेक्टर- 3 थाना मोड़ स्थित प्रतिष्ठित दुर्गा मंदिर परिसर में चल रहे शिव महापुराण कथा के दौरान शुक्रवार को शिव-पार्वती विवाह का प्रसंग जीवंत हो उठा। कथा के मुख्य यजमानों और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच पूरा माहौल 'हर-हर महादेव' के जयकारों से गुंजायमान रहा। मंदिर के पुजारी संजय शास्त्री ने बताया कि सुप्रसिद्ध कथावाचक संतोष पांडेय ने भगवान शिव और माता पार्वती के दिव्य विवाह की अत्यंत अलौकिक और संगीतमय कथा का श्रवण कराया। इस धार्मिक अनुष्ठान में त्र्यंबकेश्वर महादेव मंदिर की महिलाओं सहित सैकड़ों की संख्या में स्थानीय श्रद्धालुओं ने भाग लेकर पुण्य लाभ कमाया।

कथाव्यास संतोष पांडेय ने शिव विवाह को हिंदू धर्म में शिव और शक्ति (ब्रह्मांडीय ऊर्जा) के शाश्वत मिलन और अटूट भक्ति का अनुपम प्रतीक बताया। उन्होंने कथा के विभिन्न मुख्य पड़ावों पर प्रकाश डालते हुए माता सती के आत्मदाह, राजा हिमवान के घर माता पार्वती के शैलपुत्री रूप में पुनर्जन्म और भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए की गई उनकी घोर तपस्या का मार्मिक वर्णन किया। कथा में कामदेव दहन, ब्राह्मण रूप में शिव द्वारा ली गई माता पार्वती की कठिन परीक्षा और अंततः भूत-प्रेत, डाकिनी-शाकिनी, ऋषि-मुनि व देवताओं से सजी भगवान शिव की विचित्र बारात के प्रसंग को सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो गए। बारात के डरावने रूप को देखकर माता मैना के मूर्छित होने और फिर माता पार्वती के अनुरोध पर शिव द्वारा अत्यंत मनमोहक स्वरूप धारण कर वैदिक रीति-रिवाज से विवाह संपन्न होने के प्रसंग पर भव्य झांकी प्रस्तुत की गई। इस पूरे धार्मिक आयोजन को सफल बनाने और व्यवस्था बनाए रखने में मंदिर कमेटी के प्रमुख सदस्य संग्राम सिंह, मैनेजर सिंह, पीपी सिंह, लाल बाबू यादव, हरि सिंह और राज कुमार श्रीवास्तव ने अत्यंत सक्रिय और जोरदार योगदान दिया।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

उपायुक्त ने सुनीं आम जनता की समस्याएं, 30 मामलों पर हुई ऑन द स्पॉट सुनवाई

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो समाहरणालय स्थित कार्यालय सभागार में शुक्रवार को हम आपको सुनते हैं (लोक संवाद) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें उपायुक्त अजय नाथ झा ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे आम नागरिकों की समस्याओं और शिकायतों की आमने-सामने सुनवाई की। कार्यक्रम के दौरान कुल 30 गंभीर आवेदनों पर विस्तार से विचार करते हुए उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई एवं समयबद्ध निष्पादन का कड़ा निर्देश दिया।

सुनवाई के दौरान मुख्य रूप से बिजली, जनवितरण प्रणाली (आपूर्ति), भू-अर्जन, ग्रामीण विकास, कल्याण विभाग तथा विभिन्न अंचल कार्यालयों से जुड़े मामलों को प्रमुखता से लिया गया। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी आवेदनों का निष्पादन तय समय-सीमा के भीतर सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम नागरिकों को प्रखंडों और जिला मुख्यालय के अनावश्यक चक्कर न काटने पड़ें। उन्होंने कहा कि जन शिकायतों का त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी निष्पादन प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

जिला प्रशासन के निर्देशानुसार शुक्रवार को जिले के सभी प्रखंड सह अंचल कार्यालयों में भी एक साथ लोक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वहां प्राप्त शिकायतों एवं आवेदनों पर संबंधित बीडीओ और सीओ द्वारा सुनवाई की गई, जिसमें कई जमीनी मामलों का समाधान मौके पर ही कर दिया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम में मुख्य रूप से उप विकास आयुक्त (डीडीसी) शताब्दी मजूमदार, अपर समाहर्ता सुनील चन्द्र, जिला पंचायती राज पदाधिकारी मो. सफीक आलम, प्रभारी पदाधिकारी जन शिकायत हेमलता बून और सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

कसमार एवं खैराचातर में झारखंड ग्रामीण बैंक की दो नई शाखाओं का हुआ शुभारंभ

» खैराचातर में दैनिक वेतनभोगी कर्मी की बहाली पर हुई किचकिच

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कसमार (बोकारो) : ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाओं को सुलभ एवं सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए झारखंड ग्रामीण बैंक ने कसमार एवं खैराचातर में अपनी दो नई शाखाओं का उद्घाटन किया। बैंक के चेयरमैन मदन मोहन बरियार ने दोनों शाखाओं का विधिवत उद्घाटन कर क्षेत्र के लोगों को समर्पित किया। इस अवसर पर बैंक के वरिष्ठ अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। इस दौरान क्षेत्रीय प्रबंधक मनीष कनोंजिया, रीजनल ऑफिस की वरीय अधिकारी प्रतिमा कुमारी भी उपस्थित थीं। हालांकि इस दौरान खैराचातर में शाखा निर्माण से लेकर लगातार चार महीने तक दैनिक वेतनभोगी मजदूर के रूप में कार्य कर रहे युवक रवि घांसी की उपेक्षा पर खूब किचकिच हुई। लोगों ने आरोप लगाया कि किसी भी हाल में दैनिक वेतनभोगी कर्मी कसमार या खैराचातर का ही होना चाहिए। अगर इस पर चैयरमैन ने पहल नहीं की तो व्यापारी भी बैंक की मदद नहीं करेंगे। कसमार एवं खैराचातर दोनों शाखा में दैनिक वेतनभोगी कर्मी के रूप में पेटरवार के ही युवक और महिला की बहाली कर दी है एवं कसमार प्रखंड के युवाओं की उपेक्षा की गई है। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए चेयरमैन मदन मोहन बरियार ने कहा कि झारखंड ग्रामीण बैंक का उद्देश्य ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों तक आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण बैंकिंग सेवाएं पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि कसमार और खैराचातर जैसे क्षेत्रों में नई शाखाओं के खुलने से स्थानीय लोगों को बैंकिंग सुविधाओं के लिए लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी। इससे समय और धन दोनों की बचत होगी तथा लोगों की बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच और अधिक आसान बनेगी। लोगों ने उम्मीद जताई कि बैंक की नई शाखाएं क्षेत्र के आर्थिक विकास और स्वरोजगार को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। मौके पर जिला परिषद सदस्य अमरदीप महाराज, कसमार थाना प्रभारी कुंदन कुमार, खैराचातर शाखा प्रबंधक तापस कुमार, कसमार शाखा प्रबंधक पम्पा कुंडू, मुखिया विजय जायसवाल, विमल कुमार जायसवाल, रामसेवक जायसवाल, कपिल कुमार चौबे, विष्णुचरण महतो, ज्ञानेश जायसवाल, मनोज जायसवाल, पीएस मुखर्जी, सुशील कुमार जायसवाल, राजेश कुमार राय, विष्णु कुमार जायसवाल, अभिमन्यु जायसवाल, बबलू अंसारी, अमित जयसवाल, परमेश्वर नायक, दिवाकर महतो, समीर जायसवाल, धर्मेन्दु शेखर मुखर्जी, बासुदेव पाल व अन्य ग्रामीण मौजूद थे।

10 बोर्ड परीक्षा में वेदांता एएएस विद्यालय का शानदार प्रदर्शन, 73% छात्र प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण

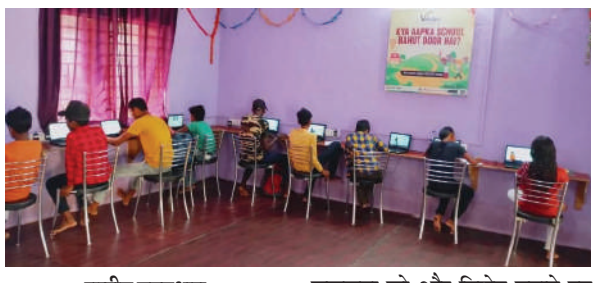

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को सशक्त बनाने के अपने संकल्प को आगे बढ़ाते हुए वेदांता एएएस विद्यालय ने शैक्षणिक सत्र में एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। इस वर्ष बिजुलिया हाई स्कूल, योगीडीह हाई स्कूल, मधुनिया हाई स्कूल तथा चंदनकियारी हाई स्कूल में संचालित चार डिजिटल एएएस विद्यालय कैफे के माध्यम से कक्षा 6 से 10 तक के 1,000 से अधिक विद्यार्थियों का नामांकन किया गया था। इनमें से 164 विद्यार्थियों ने कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षा में भाग लिया और सभी 164 विद्यार्थी सफल रहे, जिससे विद्यालय ने शत-प्रतिशत परिणाम प्राप्त किया। इस ऐतिहासिक सफलता को और विशेष बनाते हुए कुल उत्तीर्ण छात्रों में से 73 प्रतिशत ने प्रथम श्रेणी हासिल की है।

इस बड़ी उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए ईएसएल स्टील लिमिटेड के सीईओ एवं पूर्णकालिक निदेशक रवीश शर्मा ने कहा कि शिक्षा सामाजिक परिवर्तन का सबसे सशक्त माध्यम है। हमारे एएएस विद्यालय के विद्यार्थियों की यह शानदार सफलता इस बात का जीवंत प्रमाण है कि सही अवसर, मार्गदर्शन और संसाधन मिलने पर ग्रामीण प्रतिभाएं भी नई ऊंचाइयों को छू सकती हैं। उन्होंने कहा कि ईएसएल स्टील गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के माध्यम से भविष्य के नेतृत्वकर्ताओं को तैयार करने और समाज में स्थायी सकारात्मक बदलाव लाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

आजसू ने संगठन विस्तार और आगामी कार्यक्रमों को लेकर बनाई रणनीति

बीएलए टू गठन, महिला अधिवेशन और स्थापना दिवस की तैयारियों पर चर्चा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कसमार (बोकारो) : आजसू पार्टी के कसमार प्रखंड (दक्षिणी क्षेत्र) की बैठक शुक्रवार को मां मंगलचंडी मंदिर परिसर में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष महेंद्र नाथ महतो ने की, जबकि संचालन प्रखंड सचिव उमेश कुमार महतो ने किया। बैठक में संगठन विस्तार, बीएलए-2 गठन और आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों को सफल बनाने की रणनीति पर चर्चा की गई।

बैठक में बीएलए-2 प्रभारी राजेश कुमार तथा जिला प्रवक्ता उमेश कुमार जायसवाल ने कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक जिम्मेदारियों से अवगत कराया। नेताओं ने निर्धारित समय सीमा के भीतर बीएलए-2 गठन की प्रक्रिया पूरी करने और संबंधित प्रपत्र जमा कराने का आह्वान किया। बैठक में आगामी 22 जून को धनबाद में आयोजित पार्टी स्थापना दिवस समारोह, 5 जुलाई को रांची में प्रस्तावित महिला अधिवेशन तथा 8 अगस्त को शहीद निर्मल महतो की शहादत दिवस पर आयोजित कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए

व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। प्रत्येक बूथ से महिला कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि संगठन को गांव और बूथ स्तर तक मजबूत बनाने के लिए सदस्यता विस्तार अभियान तेज किया जाएगा। बैठक में रीखीलाल महतो, मनोज महतो, कपिल महतो, गुड्डू महतो, सुमित कुमार महतो, सपन ठाकुर, सिद्धेश्वर महतो, संजय जायसवाल, रामकिशुन महतो और वीरेंद्र करमाली सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कसमार पीएम श्री स्कूल के टॉपर विद्यार्थी सम्मानित, छुट्टियों में बच्चों को पढ़ाने के लिए मिली सराहना

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : पीएम श्री एसएस +2 उच्च विद्यालय कसमार के पूर्ववर्ती टॉपरों समेत अन्य मेधावी विद्यार्थियों को शुक्रवार को विद्यालय की प्रार्थना सभा में विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इन टॉपर छात्र-छात्राओं ने गर्मी की छुट्टियों के दौरान अपने-अपने क्षेत्रों के गरीब व ग्रामीण विद्यार्थियों को सुबह-शाम नियमित रूप से पढ़ाकर समाज में शिक्षा की अलख जगाने में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका अदा की थी।

शंख सदन के तत्वावधान में आयोजित इस सम्मान कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य फारुक अंसारी, कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अवनीश कुमार झा, वरीय शिक्षक डॉ. रणजीत कुमार झा एवं दामोदर सदन समन्वयक रामबाबू शुक्ल ने इस उत्कृष्ट शैक्षणिक गतिविधि के लिए पूर्ववर्ती टॉपर छात्राओं पायल मुखर्जी व पलक मुखर्जी, टॉपर छात्र प्रमोद कपरदार एवं पूर्व छात्रा संध्या

कुमारी को अंगवस्त्र, पेन (लेखनी) और मिठाई भेंट कर सम्मानित किया।

शिक्षकों ने इन युवाओं को भविष्य में भी इस सराहनीय और पुण्य कार्य को निरंतर जारी रखने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य फारुक अंसारी ने युवा छात्र-छात्राओं के इस निस्वार्थ सेवा भाव और कुशल कार्यों के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। नोडल शिक्षक डॉ. अवनीश कुमार झा ने कहा कि प्रत्येक युवा के शिक्षित और जागरूक होने से ही कसमार प्रखंड में शिक्षा की अविरल धारा बहेगी। वहीं, वरीय शिक्षक डॉ. रणजीत कुमार ने शिक्षा दान को महादान बताते हुए युवाओं के प्रयासों की खुलकर सराहना की। इस अवसर पर सम्मानित टॉपरों ने भी अपने इस शिक्षा मिशन को आगे जारी रखने का दृढ़ संकल्प लिया। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी मुख्य रूप से उपस्थित थे।

प्रख्यात ध्रुपद गायक पंडित कृष्ण मोहन पाठक को मिलेगा प्रतिष्ठित संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : ध्रुपद गायन की प्राचीन एवं प्रतिष्ठित परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने वाले प्रख्यात ध्रुपद गायक पंडित कृष्ण मोहन पाठक का चयन वर्ष 2025 के प्रतिष्ठित संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार के लिए किया गया है। हिंदुस्तानी वोकल ध्रुपद के क्षेत्र में उनके अतुलनीय योगदान को देखते हुए संगीत नाटक अकादमी द्वारा उन्हें इस राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित किए जाने की घोषणा की गई है। उल्लेखनीय है कि संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार भारत सरकार द्वारा संगीत, नृत्य एवं रंगमंच के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले कलाकारों को प्रदान किया जाने वाला देश के सर्वाधिक प्रतिष्ठित सम्मानों में से एक है।

बोकारो व झारखंड के प्रसिद्ध तबला वादक पं राम वचन पाठक (पं बच्चन जी महाराज) के बड़े भाई व वरिष्ठ संगीतज्ञ पं कृष्ण मोहन पाठक को प्रतिष्ठित संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार देने की घोषणा से संगीतज्ञों व कला जगत से जुड़े लोगों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है। ध्रुपद के महानायक पंडित कृष्ण मोहन पाठक को प्रतिष्ठित संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार के लिए चयनित होना भारतीय शास्त्रीय संगीत जगत के लिए अत्यंत गौरव का क्षण है।

पंडित कृष्ण मोहन पाठक गया घराने के वरिष्ठ संगीतज्ञ हैं और पिछले चार दशकों से ध्रुपद संगीत की साधना में निरंतर समर्पित हैं। अपनी विलक्षण गायकी, गंभीर आलाप, सशक्त लयकारी तथा ध्रुपद की पारंपरिक शैली के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए उन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट पहचान बनाई है। संगीत प्रेमियों और विशेषज्ञों का मानना है कि पंडित पाठक ने ध्रुपद जैसी प्राचीन विधा को नई ऊर्जा प्रदान करते हुए इसे देश-विदेश के श्रोताओं तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने भारत के अनेक प्रतिष्ठित संगीत समारोहों के साथ-साथ विदेशों में भी भारतीय शास्त्रीय संगीत का सफल प्रतिनिधित्व किया है। उनकी प्रस्तुतियों ने न केवल पारंपरिक संगीत प्रेमियों को प्रभावित किया, बल्कि युवा पीढ़ी को भी ध्रुपद संगीत की ओर आकर्षित किया है।

सम्मान की घोषणा के बाद पंडित पाठक ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि उनके गुरुओं, परिवार तथा भारतीय शास्त्रीय संगीत की समृद्ध परंपरा का सम्मान है। पंडित कृष्ण मोहन पाठक के सुपुत्र पं शैलेन्द्र कुमार पाठक भी ध्रुपद-धमार के जाने-माने गायक हैं।

एसआईआर अभियान के तहत 13 और 14 जून को बोकारो के सभी मतदान केंद्रों पर लगेगा शिविर

» दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक बूथों पर मुस्तैद रहेंगे बीएलओ

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत जिले के सभी मतदान केंद्रों पर आगामी 13 जून (शनिवार) एवं 14 जून (रविवार) को दो दिवसीय विशेष कैंप का आयोजन किया जाएगा। राष्ट्र-हित के इस महत्वपूर्ण अभियान के दौरान संबंधित सभी बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) दोपहर 12 बजे से शाम 04 बजे तक अपने-अपने निर्धारित मतदान केंद्रों पर अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे और मतदाताओं की मैपिंग के कार्य को संपन्न करेंगे। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त अजय नाथ झा ने जिले के तमाम अनमैप्ड मतदाताओं से अपील की है कि वे आवश्यक पहचान संबंधी विधिक दस्तावेजों के साथ अपने निकटतम मतदान केंद्र पर समय से पहुंचकर इस विशेष मैपिंग प्रक्रिया में भाग लें और अपनी नागरिक जिम्मेदारी को निभाएं।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने इस संबंध में विस्तृत तकनीकी जानकारी देते हुए बताया कि मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय, रांची (झारखंड) के प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुसार सभी बीएलओ को उनके संबंधित मतदान केंद्रों के अंतर्गत आने वाले अनमैप्ड मतदाताओं की एक आधिकारिक सूची पहले ही उपलब्ध करा दी गई है। यह सूची विशेष कैंप के संचालन के दौरान संबंधित मतदान केंद्रों पर आम जनता के अवलोकन के लिए उपलब्ध रहेगी। मतदाता सूची में शामिल जिन मतदाताओं की डिजिटल मैपिंग अभी तक किसी कारणवश नहीं हो सकी है, वे अपने बूथ पर पहुंचकर सूची में अपना नाम आसानी से जांच सकते हैं तथा आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर अपनी मैपिंग सुनिश्चित करा सकते हैं, ताकि भविष्य में एसआईआर के समय किसी तरह की कोई प्रशासनिक या तकनीकी परेशानी का सामना न करना पड़े।

डीईओ सह डीसी अजय नाथ झा ने अभियान के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि इस विशेष एसआईआर अभियान का मुख्य उद्देश्य पूरी मतदाता सूची को अद्यतन, शुद्ध, त्रुटिहीन एवं पारदर्शी बनाना है। इसी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए वर्तमान में मतदाताओं के व्यक्तिगत विवरण का भौतिक सत्यापन एवं मैपिंग का कार्य युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। उन्होंने सभी छूटे हुए और अनमैप्ड मतदाताओं से विशेष रूप से आग्रह किया कि वे 13 एवं 14 जून को आयोजित होने वाले इस संक्षिप्त प्रशासनिक अवसर का पूरा लाभ उठाएं और अपनी मैपिंग अवश्य कराएं। इसके साथ ही जिला प्रशासन ने जिले के प्रबुद्ध नागरिकों से अपने परिवार, मित्रों, सगे-संबंधियों एवं आसपास के लोगों को भी इस मैपिंग अभियान के संबंध में जागरूक करने तथा अधिक से अधिक संख्या में इन विशेष कैंपों में भाग लेकर इसे सफल बनाने की अपील की है।

कसमार में कॉंग्रेस नेता बिमल चौबे की मनी दूसरी पुण्यतिथि

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कसमार (बोकारो) : स्वतंत्रता सेनानी काशीश्वर प्रसाद चौबे के पुत्र वरीय कॉंग्रेस नेता स्व बिमल कृष्ण चौबे की द्वितीय पुण्यतिथि कसमार स्थित उनके आवासीय परिसर में शुक्रवार को मनाई गयी। इस दौरान उपस्थित लोगों ने स्व बिमल कृष्ण चौबे की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि स्व बिमल कृष्ण चौबे ने आजीवन कॉंग्रेस पार्टी के हित में कार्य कर क्षेत्र के लोगों की खूब सेवा की। कहा कि अपने पिता स्वतंत्रता सेनानी काशीश्वर प्रसाद चौबे के नक्शे कदम पर चलकर उन्होंने समाजसेवा की जो उत्कृष्ट मिसाल पेश की, उससे हम सबों को प्रेरणा लेने की जरूरत है। इस दौरान उपस्थित सभी लोगों ने दो मिनट का मौन रहकर उनके रास्ते पर चलने का संकल्प लिया। मौके पर विमला चौबे, मनीषा तिवारी, गरिमा चौबे, सुनील चौबे, अविनाश चौबे, रतन चौबे, अनुज शर्मा, पिंकू शर्मा, रमेश महाराज, ब्रजकिशोर मिश्रा, मीना राय, अशोक रजक, अख्तर अंसारी, मकिम अंसारी, अरशद अंसारी, कुंवर, पवन पांडेय, बबलू पांडेय, चंदू, भागीरथ, राजाराम, मान्या, धान्या, श्रेष्ठ पांडेय, समरेश, राहुल मिश्रा व अन्य ग्रामीण मौजूद थे।

सहयोगिनी में उद्यम कैंप का आयोजन, ग्रामीणों को स्वरोजगार से जोड़ने की पहल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कसमार (बोकारो) : उद्योग निदेशालय, झारखंड सरकार के निर्देश पर शुक्रवार को सहयोगिनी कार्यालय बहादुरपुर में प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के तहत एक दिवसीय उद्यम कैंप का आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य प्रसंस्करण से संबंधित उद्योगों को बढ़ावा देना और स्थानीय युवाओं व महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना था। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चैंबर ऑफ कॉमर्स, जैनामोड़ के अध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने कहा कि ग्रामीण इलाकों में विभिन्न प्रकार के उत्पादों से जुड़े उद्योग स्थापित कर रोजगार के नए अवसर पैदा करने के लिए यह सरकार की एक अत्यंत सराहनीय और बेहतरीन योजना है। स्थानीय स्तर पर उद्योगों के लगने से पलायन थमेगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

जिला उद्योग केंद्र के प्रबंधक विकास प्रकाश ने इस अवसर पर कहा कि सरकार की इस महत्वपूर्ण योजना के तहत खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में असीम संभावनाएं मौजूद हैं। उन्होंने उपस्थित लोगों को आधुनिक तकनीकों को अपनाकर अपने उत्पादों की गुणवत्ता सुधारने के लिए प्रेरित किया। वहीं, मुख्य अतिथि जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक राजेन्द्र प्रसाद ने योजना की तकनीकी बारीकियों और इसकी विस्तृत रूपरेखा से सभी को अवगत कराया।

सहयोगिनी की सचिव कल्याणी सागर ने योजना के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत सरकार द्वारा असंगठित खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को मजबूती प्रदान करने के लिए केंद्र प्रायोजित योजना है। इस कार्यक्रम में जिला उद्यमी समन्वयक किशोर रजक, नावाडीह ब्लॉक के प्रखंड उद्यमी समन्वयक मोहन प्रसाद, संजय कुमार दास, नरेंद्र शेखर, राजेश कुमार बहादुर, सुभाष चंद्र सिंह, अबुतलहा कमर , सहयोगिनी के गौतम सागर, कुमारी किरण, रवि कुमार राय, अभय सिंह, सूर्यमणि देवी, प्रकाश महतो, सोनी कुमारी, पुष्पा देवी, मंजू देवी, अनिल हेंब्रम, संगीता देवी, रेखा देवी, दशमी देवी, विनीता देवी, सहित स्थानीय ग्रामीण और भावी उद्यमी उपस्थित थे।

बोकारो में वेतन को तरस रहे राष्ट्र निर्माता शिक्षक, समाहरणालय में सौंपे मांग-पत्र

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो जिले के प्रतिष्ठित सरकारी उच्च विद्यालयों के पीजीटी और टीजीटी शिक्षकों के समक्ष वेतन न मिलने के कारण भुखमरी और गंभीर आर्थिक तंगी की स्थिति उत्पन्न हो गई है। पूरे ग्रीष्मावकाश में अपनी छुट्टियां गंवाकर जनगणना कार्य में मुस्तैद रहने वाले इन शिक्षकों को अप्रैल और मई माह का वेतन अब तक नहीं मिल सका है। इस नारकीय स्थिति और मानसिक प्रताड़ना से तंग आकर संयुक्त समन्वय समिति के तत्वावधान में शुक्रवार को सैकड़ों की संख्या में पीड़ित शिक्षक-शिक्षिकाएं समाहरणालय पहुंचे। उच्चाधिकारियों के आवश्यक बैठक में व्यस्त होने के कारण शिक्षकों ने संबंधित कार्यालयों में मांग पत्र सौंपकर अपना सामूहिक दर्द साझा किया।

शिक्षकों ने बताया कि पिछले महीने लंबी मिन्नत के बाद केवल मार्च का वेतन मिला था, जिससे नियमित भुगतान की आस जगी थी, परंतु स्थिति फिर वही ढाक के तीन पात जैसी हो गई है। समय पर वेतन न मिलने के कारण बैंकों की ईएमआई बाउंस हो रही है और शिक्षकों को धमकी भरे फोन कॉल आ रहे हैं। घर में बीमार परिजन इलाज के अभाव में दम तोड़ रहे हैं। जिले के आला अधिकारियों के दफ्तरों के चक्कर काटकर थक चुके ये शिक्षक अब मजबूर होकर विभागीय सचिव के समक्ष अपनी गुहार लगाने की रणनीति बना रहे हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे अन्य विभागों का वेतन नियमित जारी है, लेकिन देश का भविष्य संवारने वाले शिक्षकों के जीवन से खिलवाड़ किया जा रहा है। इस मौके पर झारखंड +2 शिक्षक संघ के अध्यक्ष पंकज कुमार सिंह, सचिव डॉ. अवनीश कुमार झा, झारखंड राज्य माध्यमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष बासुदेव सिंह चौधरी, सचिव मुफीद आलम, डॉ. अजय कुमार पाठक, बिनोद कुमार महतो, डॉ. शशिकांत पांडेय, डॉ. अशरफ हुसैन और भरत कुमार महतो सहित सैकड़ों शिक्षक उपस्थित थे।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

सिंगापुर कार्निवल में अवैध पार्किंग वसूली पर नगर निगम की कार्रवाई, लगाया 25 हजार का जुर्माना

राजीव रंजनः धनबादः गोल्फ ग्राउंड में आयोजित सिंगापुर कार्निवल फेस्टिवल में पार्किंग के नाम पर अवैध वसूली का मामला सामने आने के बाद धनबाद नगर निगम ने सख्त कार्रवाई की है। निगम ने अवैध रूप से पार्किंग शुल्क वसूलने वालों पर 25 हजार का जुर्माना लगाया है। साथ ही कुछ लोगों के साथ पार्किंग वसूली के दौरान दुर्व्यवहार किए जाने की शिकायत भी मिली है।

मेयर संजीव सिंह ने बताया कि सिंगापुर कार्निवल में आने वाले लोगों से बिना अनुमति पार्किंग शुल्क वसूला जा रहा था। इसकी सूचना मिलने के बाद नगर निगम ने मामले की जांच कर कार्रवाई की। उन्होंने कहा कि नगर निगम क्षेत्र में पार्किंग संचालन का अधिकार केवल निगम द्वारा टेंडर प्रक्रिया के माध्यम से दिया जाता है, जबकि गोल्फ ग्राउंड में की जा रही पार्किंग वसूली पूरी तरह अवैध है।

मेयर ने कहा कि अवैध वसूली करने वालों पर 25 हजार का जुर्माना लगाया गया है और भविष्य में ऐसी गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। उन्होंने बताया कि आम लोगों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नगर निगम स्वयं वहां पार्किंग की समुचित व्यवस्था करेगा। आवश्यकता पड़ने पर स्थानीय थाना पुलिस का भी सहयोग लिया जाएगा ताकि फेस्टिवल में आने वाले लोगों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

बिना लाइसेंस संचालित होटल ट्रायोटेल पर नगर निगम की कार्रवाई, किया सील

राजीव रंजनः धनबादः नगर निगम द्वारा बिना वैध अनुज्ञप्ति (लाइसेंस) संचालित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में सरायढेला स्थित होटल ट्रायोटेल (Hotel Triotel) के विरुद्ध कार्रवाई की गई है।

निगम अभिलेखों के अनुसार वार्ड संख्या 24 के लक्ष्मी कॉम्प्लेक्स, मेन रोड, सरायढेला में संचालित होटल ट्रायोटेल के संचालक/मालिक भानु खत्री को लाइसेंस प्राप्त करने हेतु सार्वजनिक सूचना एवं नोटिस के माध्यम से पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था। इसके बावजूद निर्धारित अवधि के भीतर अनुज्ञप्ति हेतु आवेदन प्रस्तुत नहीं किया गया। फलस्वरूप उक्त प्रतिष्ठान को नियमों के विरुद्ध संचालित पाया गया। आदेश के अनुसार झारखंड नगर पालिका अधिनियम के प्रावधानों के तहत होटल ट्रायोटेल के संचालन पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाते हुए परिसर को सील करने का आदेश जारी किया गया है।

धनबाद नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि नगर निगम क्षेत्र में बिना वैध लाइसेंस संचालित होटल, लॉज, बैंक्वेट हॉल, धर्मशाला एवं अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के विरुद्ध कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। सभी संचालकों से अपील की गई है कि वे निर्धारित नियमों के अनुरूप आवश्यक अनुज्ञप्ति प्राप्त कर ही प्रतिष्ठान का संचालन करें, अन्यथा विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

सत प्रतिशत दिव्यांग सलमा खातून को मिला डालसा का सहारा, सरकारी योजनाओं से जोड़ने की पहल तेज

समाज के हर वर्ग का उत्थान हो इसके लिए डालसा तत्परः न्यायाधीश

राजीव रंजनः धनबादः सरकारी दफ्तरों का चक्कर लगाते थक गई शत प्रतिशत दिव्यांग सलमा खातून को आज डालसा ने जीवन जीने की नई उम्मीद दी है। धनबाद के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण निकेश कुमार सिन्हा के निर्देश पर शत प्रतिशत दिव्यांग सलमा खातून को दिव्यांगता प्रमाण पत्र उपलब्ध करा दिया गया है दिव्यांग प्रमाण पत्र मिलने के बाद सलमा काफी खुश नजर आई। वहीं इस संबंध में जानकारी देते हुए अवर न्यायाधीश सह सचिव डालसा मयंक तुषार टोपनो ने बताया कि सलमा खातून के दिव्यांग होने एवं सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित रहने की सूचना प्राप्त होते ही मामले को गंभीरता से लिया गया। क्षेत्र के अधिकार मित्र ओमप्रकाश दास को आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया गया। उनके प्रयास तथा संबंधित चिकित्सा पदाधिकारी के सहयोग से सलमा खातून का दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनवाकर उपलब्ध करा दिया गया। न्यायाधीश ने बताया कि प्रमाण पत्र मिलने के बाद अब उन्हें विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके अतिरिक्त सलमा खातून के तीन बच्चों को भी विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए कार्रवाई शुरू हो गई है।

गोदभराई कार्यक्रम में 20 गर्भवती महिलाओं को मिला पोषण किट

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

सिंदरी (धनबाद): सिंदरी के शहरपुरा स्थित विद्यापति परिसर कॉन्फ्रेंस हॉल में शुक्रवार को हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड (HURL) के सीएसआर सहयोग से एचएलएफपीपीटी संस्था द्वारा संचालित "सेहत साथी" कार्यक्रम के तहत गोदभराई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 20 गर्भवती महिलाओं की गोदभराई कर उन्हें न्यूट्रिशन किट वितरित किया गया तथा सुरक्षित मातृत्व और संतुलित आहार के प्रति जागरूक किया गया।

कार्यक्रम में एचयूआरएल के एचआर हेड विक्रांत कुमार, प्रबंधक आशा सिंह, उपप्रबंधक अरिंदम मुखर्जी, आकाश एवं प्रतुक सिंह के अलावा शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. रूपक बनर्जी उपस्थित थे।

इस अवसर पर विक्रांत कुमार ने कहा कि स्वस्थ महिला ही स्वस्थ एवं उज्ज्वल भविष्य वाले बच्चों का निर्माण करती है। उन्होंने गर्भवती महिलाओं से गर्भावस्था के दौरान पौष्टिक भोजन लेने, नियमित स्वास्थ्य जांच कराने और स्वयं की उचित देखभाल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि सही पोषण मां और शिशु दोनों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए अत्यंत आवश्यक है।

वहीं डॉ.रूपक बनर्जी ने गर्भावस्था के दौरान नियमित जांच, स्व-देखभाल तथा उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था की पहचान और उससे बचाव के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी।

एचएलएफपीपीटी संस्था के प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर प्रशांत कुमार सिंह ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए बताया कि न्यूट्रिशन किट में भुना चना, गुड़, दलिया, मूंगफली, खजूर एवं काजू शामिल किए गए हैं, जो गर्भवती महिलाओं को आवश्यक पोषण उपलब्ध कराने में सहायक हैं। उन्होंने महिलाओं को आयरन और कैल्शियम की गोलियों के नियमित सेवन, समय पर स्वास्थ्य जांच और संतुलित आहार के महत्व के बारे में भी जानकारी दी।

कार्यक्रम में संस्था के समीर कुमार, गणेश झा, स्वास्थ्य केंद्र के फार्मासिस्ट, एएनएम, सहिया कार्यकर्ता, गर्भवती महिलाएं एवं उनके परिजन मौजूद थे।

विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) जागरूकता प्रचार वाहन को उपायुक्त ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR)-2026 के प्रति आम नागरिकों को जागरूक करने के उद्देश्य से आज समाहरणालय परिसर से दो जागरूकता प्रचार वाहन को उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी आदित्य रंजन, उप विकास आयुक्त सन्नी राज तथा उप निर्वाचन पदाधिकारी कालिदास मुंडा द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत योग्य नागरिकों का नाम मतदाता सूची में जोड़ने, त्रुटियों के सुधार तथा मतदाता सूची को अद्यतन बनाने का कार्य किया जा रहा है। सभी पात्र मतदाताओं से इस अभियान में सक्रिय भागीदारी करने और निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने की अपील की गई है।

प्रचार वाहन जिले के विभिन्न प्रखंडों, पंचायतों तथा शहरी क्षेत्रों में भ्रमण कर विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम, विशेष कैंपों की तिथियों तथा मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने एवं संशोधन से संबंधित जानकारी आमजनों तक पहुंचाएगा। वाहन के माध्यम से लोगों को मतदान के अधिकार और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में उनकी भागीदारी के महत्व के प्रति भी जागरूक किया जाएगा।

बाल मजदूरी के खिलाफ चलाया जनजागरूकता अभियान

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः विश्व बाल श्रमिक निषेध दिवस के अवसर पर शुक्रवार को झारखण्ड ग्रामीण विकास ट्रस्ट ने बाल मजदूरी के खिलाफ जनजागरूकता अभियान चलाया। रेलवे स्टेशन धनबाद में रेलवे सुरक्षा बल, राजकीय रेल पुलिस एवं चाइल्ड लाइन, बस स्टैंड बरटांड आदि स्थानों में जगरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। सहायक श्रमायुक्त कार्यालय, बाल कल्याण समिति में बैठक कर जून माह में सघन रेस्कीयू कार्यक्रम चलाने का निर्णय लिया गया।

झारखण्ड ग्रामीण विकास ट्रस्ट के निदेशक शंकर रवानी ने कहा कि जून महीने को बाल श्रम के खिलाफ 'एक्शन मंथ' के तौर पर मनाया जाता है। बच्चों की ट्रैफिकिंग बाल मजदूरी का मुख्य कारण है, इसलिए नागरिक, समाज संगठन इस दौरान पुलिस व प्रशासन के साथ मिलकर दुर्व्यापारियों और उनके गठजोड़ की शिनाख्त के लिए कड़ी नजर रखते हैं।

इस मौके पर कानून लागू करने वाली एजेंसियों और जिला प्रशासन को हरसंभव सहयोग का वादा करते हुए कहा कि शोषण व मजदूरी से मुक्त कराए गए हर बच्चे के शिक्षा के अधिकार, सुरक्षा व गरिमा की आज एक बार फिर बहाली हुई है। बाल श्रम बच्चों को उनके बचपन और मूल अधिकारों से महरूम कर देता है। इस समस्या से तत्काल निपटने की जरूरत है। बच्चों की जगह ढाबों और फैक्ट्रियों में नहीं बल्कि स्कूल में है। हर बच्चे की देखभाल, समुचित पुनर्वास और सभी सुविधा उपलब्ध कराना दायित्व है।

मौके पर सहायक श्रमायुक्त प्रवीन कुमार, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी साधना कुमारी, बाल कल्याण समिति के ममता अरोड़ा, संध्या, नीतू कुमारी, सब इंस्पेक्टर मनीषा कुमारी, जीव लाल राम, मो.सहजाद, मन्नु कुमार, झारखण्ड ग्रामीण विकास ट्रस्ट के बिनोद महतो, सीता कुमारी, नइमुद्दीन अंसारी, दीपा रवानी, गुलनाज बानो एवं बेबी प्रियंका आदि उपस्थित थे।

कोयलांचल सुपर किंग्स की लगातार दूसरी जीत, छोटानागपुर रॉयल्स को 5 विकेट से हराया

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः जेएससीए द्वारा आयोजित टी-20 क्रिकेट लीग में कोयलांचल सुपर किंग्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए छोटानागपुर रॉयल्स को 5 विकेट से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। रांची स्थित जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टीम ने 191 रनों के लक्ष्य को 19.1 ओवर में हासिल कर लिया।

इससे पहले कोयलांचल सुपर किंग्स ने अपने पहले मैच में जमशेदपुर स्टीलर्स को 122 रनों के बड़े अंतर से हराया था। शुक्रवार को खेले गए दूसरे मुकाबले में छोटानागपुर रॉयल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.4 ओवर में 190 रन बनाकर ऑलआउट हो गई।

कोयलांचल सुपर किंग्स की ओर से गेंदबाजों ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया। शुभ शर्मा ने 3 विकेट झटके, जबकि उत्कर्ष सिंह, हर्ष राज और अमित कुमार ने 2-2 विकेट हासिल किए। राहुल प्रसाद को 1 सफलता मिली।

191 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी कोयलांचल सुपर किंग्स को कप्तान उत्कर्ष सिंह और शरणदीप सिंह ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 122 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की। कप्तान उत्कर्ष सिंह ने 32 गेंदों में 53 रन बनाए, जबकि पिछले मैच में शतक जड़ने वाले शरणदीप सिंह ने 50 गेंदों पर 79 रनों की बेहतरीन पारी खेली।

मध्यक्रम में शुभ शर्मा ने नाबाद 31 रन बनाकर टीम को जीत तक पहुंचाया। लक्ष्य ने 16 रन, योगेश ने 1 रन और सन्नी ने नाबाद 8 रन का योगदान दिया। कोयलांचल सुपर किंग्स ने 19.1 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 192 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

टीम की लगातार दूसरी जीत पर 99 ग्रुप ऑफ कम्पनीज के सीएमडी एवं फ्रेंचाइजी ऑनर श्याम पांडेय, सीईओ राम प्रताप सिंह, डायरेक्टर महेश मोदी, टीम मैनेजर अमित रंजन, ब्रांड हेड नितिन कुमार, भानु प्रताप सोनी समेत समूह के सभी पदाधिकारियों और कर्मियों ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए आगामी मुकाबलों के लिए शुभकामनाएं दीं।

KOYLANCHAL SUPER KING 192/5 (19.1 Ov)

Batters	R	B	4s	6s	SR	Min.
UTKARSH SINGH (c) c †MD NAZIM SIDDIQUI b SUPRIEYO CHAKRABORTY	53	32	3	4	165.6	61
SHARANDEEP SIN... c SONU KR SINGH b SUPRIEYO CHAKRABORTY	79	50	11	2	158.0	75
ROBIN MINZ (wk) c VIKASH SINGH b SUPRIEYO CHAKRABORTY	0	1	0	0	0.00	1
SHUBH SHARMA* not out	31	15	2	2	206.6	42
Lakshya c HIMANSHU DWIVEDI b SUPRIEYO CHAKRABORTY	16	9	0	2	177.7	19
YOGESH BHASKAR b SUPRIEYO CHAKRABORTY	1	3	0	0	33.33	3
SUNNYSACHIN TI... not out	8	5	0	1	160.0	7
Extras					4 (wd 3, lb 1)	
Total					192/5 (19.1 Ov) CRR 10.02	

To bat: Rahul Prasad, Harsh Raj, Amit Kumar, Satyam Singh

8-लेन सड़क पर स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर गौतम मंडल ने खोला मोर्चा, फुट ओवर ब्रिज निर्माण की उठाई मांग

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः सामाजिक कार्यकर्ता एवं ह्यूमैनिटी हेल्पिंग हैंड्स के संस्थापक अध्यक्ष गौतम कुमार मंडल ने हीरक ब्रांच स्थित 8-लेन सड़क पर स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताते हुए स्थानीय जनप्रतिनिधियों और प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने सांसद, विधायक, मेयर, उपायुक्त और नगर आयुक्त को पत्र भेजकर इस जानलेवा समस्या का शीघ्र समाधान करने की अपील की है।

गौतम मंडल ने कहा कि धनबाद पब्लिक स्कूल (हीरक ब्रांच) के समीप प्रतिदिन बड़ी संख्या में स्कूल बसें और वैन मुख्य सड़क पर खड़ी रहती हैं। उनके अनुसार लगभग 100 से अधिक बसों एवं वाहनों की अव्यवस्थित पार्किंग के कारण 8-लेन सड़क पर यातायात प्रभावित होता है और यह क्षेत्र बच्चों के लिए खतरे का केंद्र बन गया है।

उन्होंने बताया कि स्कूल की छुट्टी के समय हजारों छात्र-छात्राएं सड़क पार करने को मजबूर होते हैं। फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) की अनुपस्थिति और सड़क क्रॉसिंग की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण बच्चों को तेज रफ्तार वाहनों के बीच से गुजरना पड़ता है, जिससे किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है।

गौतम मंडल ने कहा कि पिछले दो वर्षों से इस मुद्दे को स्थानीय विधायक विधानसभा में उठाते रहे हैं, लेकिन अब तक प्रशासन की ओर से कोई ठोस पहल नहीं की गई है। उन्होंने इसे प्रशासनिक उदासीनता बताते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों की मांगों की लगातार अनदेखी की जा रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि स्कूल बसों की सड़क किनारे पार्किंग के कारण अक्सर लंबा ट्रैफिक जाम लगता है, जिससे आम लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है। स्थानीय नागरिकों ने भी बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है।

गौतम मंडल ने प्रशासन से मांग की कि स्कूल बसों की मुख्य सड़क पर पार्किंग पर तत्काल रोक लगाई जाए तथा छात्रों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए शीघ्र फुट ओवर ब्रिज का निर्माण कराया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो बच्चों की सुरक्षा और भविष्य को ध्यान में रखते हुए सामाजिक संगठनों एवं स्थानीय लोगों के साथ आंदोलन किया जाएगा।

एडीएम लॉ एंड ऑर्डर ने सुनी आमजनों की समस्याएं

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः उपायुक्त आदित्य रंजन के निर्देशानुसार शुक्रवार को समाहरणालय के सभागार में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इसमें एडीएम लॉ एंड ऑर्डर श्रीमती हेमा प्रसाद ने आमजनों की समस्या सुनी।

जनता दरबार में कतरास, राजगंज, बलियापुर, कुसुंडा, गोविंदपुर, कलियासोल, झरिया, सिंदरी, तोपचांची, महुदा, धैया, टुंडी, बाघमारा, बरवाअड्डा समेत जिले के विभिन्न ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याओं एवं शिकायतों के साथ पहुंचे।

जनता दरबार में फर्जी तरीके से दाखिल-खारिज करने, जबरन चहारदीवारी निर्माण, पति द्वारा भरण-पोषण नहीं दिए जाने, खाता एवं प्लॉट से संबंधित त्रुटियों के संशोधन, विस्थापन, जबरन भूमि पर कब्जा, विद्यालय द्वारा अधिक शुल्क लेने, नियोजन, पेंशन, अवैध अतिक्रमण, म्यूटेशन सहित विभिन्न प्रकार के आवेदन प्राप्त हुए।

एडीएम लॉ एंड ऑर्डर हेमा प्रसाद ने सभी आवेदनों को गंभीरता से सुना तथा संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करते हुए नियमानुसार शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

आईटीआई गोविंदपुर में भर्ती कैंप आयोजित, 51 युवाओं का चयन

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग के तत्वावधान में अवर प्रादेशिक नियोजनालय, धनबाद द्वारा आज राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), गोविंदपुर परिसर में एकदिवसीय भर्ती कैंप का आयोजन किया गया।

इस भर्ती कैंप में निजी क्षेत्र की कंपनी नुटजेन कॉरपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड, पश्चिम बंगाल शामिल हुई। कंपनी के माध्यम से धूत ट्रांसमिशन लिमिटेड दिल्ली, जया हिंद इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड पुणे एवं लाइफलोंग मेडिटेक प्राइवेट लिमिटेड दिल्ली में रोजगार के अवसर प्रदान किए गए। भर्ती कैंप में कुल 51 अभ्यर्थियों का चयन किया गया, जिन्हें विभिन्न औद्योगिक प्रतिष्ठानों में काम करने का अवसर मिला है। इस पहल का उद्देश्य 10वीं, डिप्लोमा, आईटीआई तथा बी.टेक योग्यताधारी युवाओं को रोजगार से जोड़कर उनके करियर को नई दिशा प्रदान करना है।

सहायक निदेशक (नियोजन), धनबाद, पदमा कुमारी ने बताया कि अवर प्रादेशिक नियोजनालय, धनबाद द्वारा समय-समय पर रोजगार मेला एवं भर्ती कैंप का आयोजन कर निबंधित बेरोजगार युवाओं को अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि रोजगार के अवसर से जुड़ने के इच्छुक उम्मीदवार रोजगार पोर्टल https://jharniyojan.jharkhand.gov.in पर अपना निबंधन स्वयं कर सकते हैं या अवर प्रादेशिक नियोजनालय, धनबाद में उपस्थित होकर अपना पंजीकरण करा सकते हैं।

इस अवसर पर सहायक निदेशक (नियोजन) पदमा कुमारी, प्रभारी प्राचार्य आईटीआई गोविंदपुर राकेश कुमार, उच्च वर्गीय लिपिक सूरज कुमार, प्रशांत गोयल, विवेक कुमार साव सहित कार्यालय के अन्य कर्मी उपस्थित थे।

आईआईटी (आईएसएम) में युवा संगम का आगाज, झारखंड की संस्कृति और विरासत से होंगे रूबरू

» पद्मश्री जामुना टुडू का हुआ सम्मान

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः भारत सरकार की युवा संगम फेज-6 पहल के तहत मध्य प्रदेश से आए 56 सदस्यीय युवा प्रतिनिधिमंडल के झारखंड भ्रमण की शुरुआत शुक्रवार को आईआईटी (आईएसएम) धनबाद में हुई। इस अवसर पर पेनमैन ऑडिटोरियम में आयोजित उद्घाटन समारोह में प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. एमके सिंह, डीन (एकेडमिक), आईआईटी (आईएसएम) धनबाद ने की। इस दौरान वन संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली पद्मश्री जामुना टुडू को संस्थान की ओर से सम्मानित किया गया। जामुना टुडू को जंगलों की रक्षा और पर्यावरण संरक्षण के लिए किए गए उनके लंबे संघर्ष के कारण देशभर में विशेष पहचान मिली है। कार्यक्रम में झारखंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाती आकर्षक छऊ नृत्य की प्रस्तुति भी दी गई, जिसे युवा प्रतिनिधियों ने काफी सराहा।

इस अवसर पर प्रो.एसके गुप्ता, डीन (स्टूडेंट्स वेलफेयर); प्रो. संजय मंडल, एसोसिएट डीन, स्टूडेंट्स एक्टिविटीज (स्टूडेंट्स वेलफेयर); प्रो.मधुलिका गुप्ता; प्रो.निप्तिका जाना; प्रो.यू.बंसल; मृत्युंजय शर्मा; ए.कुमार; एमके मंगलम तथा शिवजी पांडेय भी उपस्थित थे।

आईआईटी इंदौर के पांच समन्वयकों के साथ आया यह प्रतिनिधिमंडल शुक्रवार को धनबाद पहुंचा, जहां आईआईटी (आईएसएम) परिवार ने पारंपरिक तरीके से उनका स्वागत किया। यह दल 20 जून तक झारखंड में रहेगा और इस दौरान राज्य के शैक्षणिक, सांस्कृतिक, औद्योगिक तथा धार्मिक स्थलों का भ्रमण करेगा।

यात्रा के दौरान प्रतिभागी मैथन डैम एवं हाइड्रो पावर प्लांट, मां कल्याणेश्वरी मंदिर, आईआईटी (आईएसएम) का जियोलॉजिकल म्यूजियम एवं लॉन्गवॉल गैलरी, देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम एवं बासुकीनाथ मंदिर, बोकारो स्टील प्लांट, राजभवन रांची, बीआईटी मेसरा, रॉक गार्डन, बिरसा मुंडा संग्रहालय, पारसनाथ पहाड़, तोपचांची डैम तथा आईआईटी (आईएसएम) के आई2एच भवन स्थित इनोवेशन सेंटर और एआई-रोबोटिक्स सुविधाओं का अवलोकन करेंगे। कार्यक्रम के अंतिम चरण में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, संवाद सत्र और समापन समारोह का आयोजन किया जाएगा।

यह यात्रा युवा संगम फेज-6 के तहत होने वाले पारस्परिक आदान-प्रदान कार्यक्रम का हिस्सा है। इससे पहले आईआईटी (आईएसएम) धनबाद के समन्वय में झारखंड का 42 सदस्यीय युवा दल 26 मई से 4 जून तक मध्य प्रदेश और आईआईटी इंदौर के भ्रमण पर गया था। वहां प्रतिभागियों को राज्य की संस्कृति, प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों, औद्योगिक गतिविधियों और नवाचार से जुड़ी पहलों को करीब से जानने का अवसर मिला।

एक भारत श्रेष्ठ भारत के अंतर्गत संचालित युवा संगम कार्यक्रम का उद्देश्य देश के विभिन्न राज्यों के युवाओं के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देना, आपसी समझ को मजबूत करना और राष्ट्रीय एकता की भावना को सशक्त बनाना है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

दुमका के सिटी गार्डन में आयोजित किया गया प्रतिभा सम्मान समारोह 2026

शिक्षा ही किसी भी समाज की प्रगति और विकास का सबसे सशक्त माध्यम है:बसंत सोरेन

दुमकाः दुमका के सिटी गार्डन में आयोजित वार्षिक माध्यमिक परीक्षा 2026 के प्रतिभा सम्मान समारोह में शुक्रवार को दुमका के विधायक बसंत सोरेन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। यह समारोह पहाड़िया जनजाति के उन छात्र-छात्राओं को सम्मानित करने के लिए आयोजित किया गया था जिन्होंने वार्षिक माध्यमिक परीक्षा 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर समाज और जिले का गौरव बढ़ाया है। कार्यक्रम में पहाड़िया जनजाति समाज के प्रतिनिधियों ने विधायक को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका भव्य स्वागत एवं सम्मान किया।अपने संबोधन में विधायक बसंत सोरेन ने सभी सफल छात्र-छात्राओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षा ही किसी भी समाज की प्रगति और विकास का सबसे सशक्त माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर मेहनत, अनुशासन और लगन के साथ अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि आज के विद्यार्थी ही कल के भविष्य निर्माता हैं और उनकी सफलता से पूरे समाज को नई दिशा और प्रेरणा मिलती है। विधायक ने विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा प्राप्त कर अपने परिवार, समाज, जिला और राज्य का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया।इस अवसर पर परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को पुस्तक, कलम एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मान प्राप्त कर विद्यार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे। वहीं अभिभावकों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाने और उन्हें आगे बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करने का कार्य करते हैं।कार्यक्रम में दुमका के उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान , पुलिस अधीक्षक पीताम्बर सिंह खेरवार , झामुमो जिला अध्यक्ष ,सचिन ,जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला परिवहन पदाधिकारी (डीटीओ), शिक्षकगण, छात्र-छात्राएं, अभिभावक तथा पहाड़िया समाज के गणमान्य लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। समारोह का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों को सम्मानित कर उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ने और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करना था।

जिला स्तरीय टेलीकॉम समिति (डीटीसी) की बैठक

जामताड़ा : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आलोक कुमार की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में जिला स्तरीय टेलीकॉम समिति (डीटीसी) की बैठक आयोजित की गई। बैठक के क्रम में उपायुक्त ने जिले में अवस्थित कुल संचार मीनार, नए संचार मीनार हेतु प्राप्त आवेदनों एवं स्वीकृति हेतु विभागीय नियम एवं प्रक्रिया के अनुरूप विस्तृत समीक्षा की। उपायुक्त संचार मीनार से जुड़े ऑनलाइन प्राप्त आवेदन के निष्पादन हेतु समयबद्धता के साथ आवेदन पत्रों का निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, उन्होंने कहा कि पूर्व में जितने भी आवेदन डीम्ड स्वीकृत हुए हैं सभी को री-वेरिफाई कराएं, साथ ही नए आवेदन डीम्ड स्वीकृत न हो इसके लिए विभिन्न स्तरों पर जांच करते हुए सम्बद्ध निष्पादन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि आवेदन का डीम्ड स्वीकृत नहीं हों, इसमें तुरंत सुधार लाएं। इसके अलावा उपायुक्त ने मीनार (टावर) अधिष्ठापन करने हेतु क्षेत्र की व्यवहार्यता का सत्यापन सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने सुरक्षा के दृष्टिकोण से सरकार द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देश एवं मार्गदर्शिका के आधार पर टावरों को अधिष्ठापित करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने जिले में विभिन्न टेलीकॉम कंपनियों के द्वारा खराब नेटवर्क क्वालिटी, स्लो इंटरनेट को लेकर नाराजगी जाहिर करते हुए सर्विस प्रोवाइडर को तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण से लेकर शहरी क्षेत्रों में खराब इंटरनेट नेटवर्क के कारण जहां एक तरफ उपभोक्ताओं को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, वहीं सरकारी कार्यों के संपादन में भी बाधा उत्पन्न होती है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में सरकार की योजनाओं से जुड़े विभिन्न कार्यों के लिए बेहतर नेटवर्क कवरेज की अनिवार्यता महत्वपूर्ण है। उन्होंने बैठक के माध्यम से सभी सर्विस प्रोवाइडर कंपनियों को सभी गंभीरता पूर्वक लेने और सुधार हेतु अपेक्षित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। वहीं उन्होंने संचार मीनार के अधिष्ठापन को लेकर विभिन्न पहलों पर विभागीय नियमों के अनुरूप सभी मानकों विशेषकर स्वास्थ्य मानक का भी बेहतर ख्याल रखने का निर्देश दिया।

इस मौके पर जिला पंचायत राज पदाधिकारी पंकज कुमार रवि, डीपीओ यूआईडीएआई राजीव कुमार, सहायक अभियंता, विभिन्न टेलीकॉम कंपनियों के प्रतिनिधियों सहित अन्य संबंधित उपस्थित रहे।

वनांचल एक्सप्रेस से 174 संदिग्ध मोबाइल फोन बरामद, लगभग 59 लाख कीमत वाले फोन के साथ दो युवक गिरफ्तार

बरहरवा/साहिबगंज। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) बरहरवा ने गुप्त सूचना के आधार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए वनांचल एक्सप्रेस से भारी मात्रा में संदिग्ध मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इस दौरान दो युवकों को हिरासत में लेकर आगे की कार्रवाई के लिए रेल थाना बरहरवा को सौंप दिया गया। जानकारी के अनुसार, 11 जून को आरपीएफ पोस्ट बरहरवा के निरीक्षक संजीव कुमार को सूचना मिली थी कि ट्रेन संख्या 13403 अप वनांचल एक्सप्रेस के जनरल कोच में दो व्यक्ति बड़ी संख्या में संदिग्ध चोरी के मोबाइल फोन लेकर यात्रा कर रहे हैं। सूचना के बाद निरीक्षक संजीव कुमार के नेतृत्व में आरपीएफ एवं सीपीडीएस टीम ने गुमानी स्टेशन से बरहरवा रेलवे स्टेशन तक विशेष जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान जनरल कोच संख्या ई आर - 104464 में दो संदिग्ध व्यक्ति पिट्ठू बैग के साथ पाए गए। छापामारी दल को देखकर दोनों चलती ट्रेन से उतरने का प्रयास करने लगे, लेकिन आरपीएफ जवानों ने तत्परता दिखाते हुए उन्हें पकड़ लिया। पूछताछ में दोनों की पहचान मोहम्मद नासरुद्दीन शेख (28 वर्ष) एवं मोहम्मद रहमत शेख (23 वर्ष), दोनों निवासी कलियाचक, जिला मालदा (पश्चिम बंगाल) के रूप में हुई। बरहरवा स्टेशन पर बैगों की तलाशी लेने पर कुल 174 पुराने एवं प्रयुक्त एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद किए गए। इनमें 85 मोबाइल फोन मोहम्मद नासरुद्दीन शेख तथा 89 मोबाइल फोन मोहम्मद रहमत शेख के कब्जे से मिले। बरामद मोबाइल फोनों की अनुमानित बाजार कीमत 58,95,878 रुपया आंकी गई है। आरपीएफ अधिकारियों के अनुसार पूछताछ के दौरान दोनों युवक मोबाइल फोनों के स्वामित्व संबंधी कोई वैध दस्तावेज अथवा संतोषजनक जवाब प्रस्तुत नहीं कर सके। इसके बाद भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) के तहत सभी मोबाइल फोन जब्त कर आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी की गई। आरपीएफ ने दोनों आरोपियों एवं बरामद मोबाइल फोनों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए रेल थाना बरहरवा के सुपुर्द कर दिया है। मामले की जांच जारी है।

योग्य मतदाताओं के नाम हटाने की हो रही साजिश, लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करेगी झामुमोः विनोद पांडेय

पाकुड़ के रविंद्र भवन में गरजे झामुमो नेता, कार्यकर्ताओं को दिया बूथ प्रबंधन और मैपिंग का मंत्र

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पाकुड़ः झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता विनोद कुमार पांडेय ने कहा कि लोकतंत्र और संविधान की रक्षा में पार्टी के हर कार्यकर्ता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने चुनाव आयोग की विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े करते हुए आरोप लगाया कि इसके माध्यम से जानबूझकर योग्य मतदाताओं के नाम हटाने की कोशिश की जा रही है। श्री पांडेय ने स्पष्ट किया कि झामुमो इस तरह के किसी भी प्रयास का लोकतांत्रिक तरीके से पुरजोर विरोध करेगा और हर पात्र नागरिक के मताधिकार की रक्षा सुनिश्चित करेगा।वे शुक्रवार को स्थानीय रविंद्र भवन में झामुमो जिला समिति के तत्वावधान में आयोजित जिला स्तरीय एक दिवसीय विशेष गहन प्रशिक्षण कार्यशाला सह प्रशिक्षण शिविर को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता झामुमो जिलाध्यक्ष अजीजुल इस्लाम ने की।केंद्रीय महासचिव ने कार्यकर्ताओं व बीएलए-2 से अपील की कि वे अपने-अपने बूथ क्षेत्रों में जाकर मतदाता सूची का सघन सत्यापन करें। छूटे हुए योग्य नामों को जोड़ने और साजिश के तहत हटाए गए नामों को पुनः शामिल कराने में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने मंत्र देते हुए कहा कि मजबूत बूथ ही मजबूत संगठन की नींव है।

संगठन विस्तार और सरकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाएंः पंकज मिश्रा- विशिष्ट अतिथि पार्टी के केंद्रीय सचिव पंकज मिश्रा ने उपस्थित कार्यकर्ताओं व बीएलए-2 को मतदाता सूची पुनरीक्षण, बूथ प्रबंधन, सदस्यता अभियान और चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों की विस्तृत तकनीकी जानकारी दी। उन्होंने संगठन विस्तार पर जोर देते हुए कहा कि हेमंत सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना ही हमारा मुख्य लक्ष्य होना चाहिए।

योग्य मतदाताओं का सहयोग करें पार्टी पदाधिकारीः सांसद- राजमहल लोकसभा क्षेत्र के सांसद विजय हांसदा ने अपने संबोधन में कहा कि बूथ स्तर के पदाधिकारी ही पार्टी की असली ताकत हैं। वे लगातार क्षेत्र भ्रमण करें और योग्य मतदाताओं का सहयोग करते हुए उनके नाम मतदाता सूची में दर्ज कराना सुरक्षित करें, ताकि हमारे वोटरों के अधिकार सुरक्षित रह सकें।

हर बूथ पर मैपिंग कराने का निर्देशः हेमलाल- लिट्टीपाड़ा विधानसभा क्षेत्र के विधायक हेमलाल मुर्मू ने विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) की बारीकियों को समझाया। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को सक्रिय रहकर हर बूथ पर मैपिंग कार्य में मतदाताओं का पूरा सहयोग करने का निर्देश दिया।

आदिवासी परंपरा के अनुसार हुआ भव्य स्वागत- इससे पूर्व, रविंद्र भवन पहुँचने पर केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पांडेय, केंद्रीय सचिव पंकज मिश्रा, सांसद विजय हांसदा और विधायक हेमलाल मुर्मू का पार्टी कार्यकर्ताओं ने माला पहनाकर तथा आदिवासी परंपरा के अनुसार भव्य स्वागत किया। मंच पर मुख्य अतिथियों को बुके देकर और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। मंच का सफल संचालन जिलाध्यक्ष अजीजुल इस्लाम ने किया।इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष हाजी समद अली, हरिवंश चौबे, पीटर मरांडी, जिला सचिव माईकिल मुर्मू, पूर्व जिलाध्यक्ष श्याम यादव, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष सुनील टुडू, जिला परिषद अध्यक्षा जुली ख्रीस्टमुनी हेम्ब्रम, केंद्रीय सदस्य उपासना मरांडी, विकास मुर्मू, उमर फारूक, पिंकू शेख, मिथिलेश घोष, जिला मीडिया प्रभारी आफताब आलम सहित सभी प्रखंडों के अध्यक्ष, सचिव, विभिन्न मोर्चों के पदाधिकारी और भारी संख्या में बीएलए-2 व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जिला प्रशासन के सहयोग से श्रमिक बच्चों को श्रम मुक्त कराया गया

राष्ट्रीय मुख्यधाराः साहिबगंजः विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर श्रम अधीक्षक महफूज अहमद के नेतृत्व में जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी पूनम कुमारी श्रम प्रवर्तन अधिकारी,चाइल्ड हेल्पलाइन एवं मंथन संस्था द्वारा सदर प्रखंड अंतर्गत विभिन्न इलाकों में जागरूकता कार्यक्रम कर बाल श्रम मुक्त जिला बनाने को लेकर कैंपेन भी चलाया गया।शुक्रवार को धावा दल टीम द्वारा साहिबगंज के स्टेडियम रोड, गोराबाड़ी हटिया,पश्चिम फाटक, सब्जी मंडी, एल.सी रोड, बरतल्ला, पुरानी साहिबगंज, पूर्वी फाटक जैसे विभिन्न इलाकों में श्रम अधीक्षक द्वारा प्रतिष्ठानों में काम कर रहे श्रमिक बच्चों को श्रम मुक्त कराया और प्रतिष्ठा मलिक को कड़ी हिदायत दिया गया कि अगर दोबारा नाबालिक बच्चों से श्रम कराते हुए पाए जाने पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी और जुर्माना भी किया जाएगा। शहर के विभिन्न प्रतिष्ठानों में बाल श्रम से संबंधित पोस्टर बैनर भी लगा कर लोगों को जागरूक करने का काम किया गया। विदित हो कि विश्व बाल श्रम निषेध दिवस की शुरुआत अंतर्राष्ट्रीय संगठन द्वारा वर्ष 2002 में की गई थी।इसका मुख्य उद्देश्य बाल श्रम की वैश्विक सीमा पर ध्यान केंद्रित करना और बाल श्रम को पूरी तरह से खत्म करने के लिये आवश्यक प्रयास करना है।अभियान में गठित धावादल टीम में श्रम प्रवर्तन अधिकारी बासुदेव मृधा, मोहम्मद इरशाद अंसारी, राहुल कुमार, शुभभ सौरव, मंथन संस्था से जिला समन्वयक अमन वर्मा,चाइल्ड हेल्पलाइन से सुमन कुमार,संजीव कुमार आदि मौजूद रहे।

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर ग्राम साथी द्वारा व्यापक जागरूकता अभियान का आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

दुमकाः विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर बाल श्रम, बाल तस्करी एवं बाल अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु ग्राम साथी द्वारा दुमका जिले के विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व ग्राम साथी के निदेशक देवानंद कुमार के मार्गदर्शन में किया गया।अभियान के अंतर्गत ग्राम साथी के सामुदायिक सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा गांव-गांव जाकर लोगों को बाल श्रम, बाल तस्करी तथा बच्चों की सुरक्षा से संबंधित कानूनों की जानकारी दी गई। लोगों को बताया गया कि किसी भी बच्चे के शोषण, बाल श्रम अथवा संकट की स्थिति में तत्काल चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर सूचना दें।दुमका रेलवे स्टेशन पर रेलवे सुरक्षा बल एवं चाइल्ड हेल्प डेस्क के सहयोग से विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान रेलवे विभाग के सहयोग से स्टेशन परिसर एवं ट्रेनों में यात्रियों को बाल श्रम एवं बाल तस्करी के प्रति जागरूक किया गया। ग्राम साथी की टीम द्वारा रेलवे कंट्रोल रूम से कई बार उद्घोषणा (अनाउंसमेंट) कर यात्रियों को 1098 हेल्पलाइन के बारे में जानकारी दी गई।अभियान के दौरान यात्रियों एवं आम नागरिकों के बीच जागरूकता पंपलेट वितरित किए गए तथा विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर पोस्टर लगाकर बाल संरक्षण संबंधी संदेशों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया। इसके अतिरिक्त होटल, ढाबा, दुकान, फैक्ट्री एवं अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में जाकर बाल श्रम निषेध कानूनों की जानकारी दी गई तथा बच्चों को काम पर न रखने की अपील की गई।इस अभियान के अंतर्गत 11 जून 2026 को श्रम विभाग, दुमका में एक समन्वय बैठक का आयोजन भी किया गया, जिसमें विभिन्न विभागों एवं संबंधित हितधारकों ने भाग लिया। बैठक में बाल श्रम उन्मूलन, बाल तस्करी की रोकथाम, संयुक्त निरीक्षण, शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई तथा बच्चों के पुनर्वास संबंधी विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। सभी विभागों ने आपसी समन्वय को मजबूत करते हुए बाल संरक्षण के लिए संयुक्त रूप से कार्य करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।इस अवसर पर ग्राम साथी के निदेशक देवानंद कुमार ने कहा, "हर बच्चे को सुरक्षित बचपन, शिक्षा और सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अधिकार है। बाल श्रम और बाल तस्करी समाज के लिए गंभीर चुनौती हैं। इन समस्याओं के समाधान के लिए समुदाय, प्रशासन, पुलिस, श्रम विभाग तथा नागरिक समाज संगठनों को मिलकर कार्य करना होगा। ग्राम साथी भविष्य में भी बच्चों के अधिकारों की रक्षा एवं जनजागरूकता के लिए निरंतर प्रयास करता रहेगा।"ग्राम साथी द्वारा चलाया गया यह अभियान लोगों के बीच बाल अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा बाल श्रम एवं बाल तस्करी के विरुद्ध सामुदायिक सहभागिता को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

संथाल परगना पुलिस मीटः पाकुड़ पुलिस का ऐतिहासिक प्रदर्शन, सभी जिलों को पछाड़ बनी ओवरऑल चैंपियन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पाकुड़ः संथाल परगना क्षेत्रीय पुलिस ड्यूटी मीट-2026 में पाकुड़ जिला पुलिस ने ऐतिहासिक व शानदार प्रदर्शन करते हुए पूरे संथाल परगना में प्रथम स्थान हासिल किया है। पाकुड़ की टीम ने अपने उत्कृष्ट कौशल की बदौलत सभी जिलों को पछाड़कर ओवरऑल डिस्ट्रिक्ट चैंपियन का खिताब अपने नाम कर लिया है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि से जिले के पुलिस महकमे में हर्ष का माहौल है।

छह जिलों के पुलिसकर्मियों ने दिखाया दम- साहेबगंज पुलिस केंद्र में 10 से 12 जून तक आयोजित इस तीन दिवसीय प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में संथाल परगना प्रमंडल के दुमका, पाकुड़, साहेबगंज, गोड्डा, जामताड़ा और देवघर जिले के पुलिस पदाधिकारियों व जवानों ने हिस्सा लिया था। प्रतियोगिता के दौरान पुलिसिंग और अनुसंधान से जुड़े विभिन्न कड़े इवेंट आयोजित किए गए। इनमें मुख्य रूप से फॉरेंसिक साइंस, मेडिको लीगल, क्राइम इन्वेस्टिगेशन, कानून व न्यायालय प्रक्रिया, फिंगर प्रिंट, फोटोग्राफी, ऑब्जर्वेशन टेस्ट, पुलिस पोर्ट्रेट और कंप्यूटर अवेयरनेस शामिल रहे।

पाकुड़ के 14 जाबांजों ने मनवाया लोहा- प्रतियोगिता में पाकुड़ जिले के 14 पुलिस प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। टीम के सभी सदस्यों ने हर इवेंट में बेहतरीन और सधा हुआ प्रदर्शन करते हुए पाकुड़ को ओवरऑल चैंपियन बनाया।पुलिस निरीक्षक प्रयाग दास ने मेडिको लीगल (ओरल) में प्रथम स्थान। क्राइम इन्वेस्टिगेशन और लॉ एंड कोर्ट जजमेंट में द्वितीय स्थान। इसके साथ ही उन्होंने ओवरऑल रेंज चैंपियन (इंडिविजुअल) में भी दूसरा स्थान पाकर जिले का मान बढ़ाया।पुलिस अवर निरीक्षक नागेंद्र कुमार ने मेडिको लीगल में तीसरा स्थान प्राप्त किया।आरक्षी राकेश कुमार सरकार ने ऑब्जर्वेशन टेस्ट में दूसरा और पुलिस पोर्ट्रेट में तीसरा स्थान हासिल किया।आरक्षी पिंटू कुमार साहा ने कंप्यूटर अवेयरनेस प्रतियोगिता में बाजी मारते हुए प्रथम स्थान पाया।आरक्षी तोपेश कुमार मंडल ने कंप्यूटर अवेयरनेस में ही बेहतर प्रदर्शन कर तीसरा स्थान हासिल किया।

पुलिस विभाग ने थपथपाई पीठ- पाकुड़ पुलिस टीम की इस अभूतपूर्व सफलता और उत्कृष्ट प्रदर्शन पर पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने सभी विजेता प्रतिभागियों की जमकर सराहना की है। अधिकारियों ने कहा कि इस जीत से जिला पुलिस का मनोबल बढ़ेगा और अनुसंधान कार्य की गुणवत्ता में और निखार आएगा।

आधुनिकता की चकाचौंध पर भारी पड़ी सांस्कृतिक विरासतः पालकी पर सवार होकर ससुराल पहुंचा आदिवासी दूल्हा

डीजे नहीं मांदर की थाप, गाड़ी नहीं पालकीः लिट्टीपाड़ा में दिखा आदिवासी संस्कृति का गौरव

राष्ट्रीय मुख्यधाराः मो0 काजीरुल शेख

पाकुड़ः आज के आधुनिक दौर में जहां शादी-विवाह समारोहों में महंगी लग्जरी गाड़ियों और वीआईपी साजो-सामान का चलन तेजी से बढ़ रहा है, वहीं झारखंड की माटी से जुड़ा आदिवासी समाज अपनी सदियों पुरानी परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को आज भी पूरी निष्ठा के साथ संजोए हुए है। आधुनिकता की इस अंधी दौड़ के बीच लिट्टीपाड़ा प्रखंड से परंपरा और जड़ों से जुड़ाव की एक बेहद खूबसूरत तस्वीर सामने आई है, जिसने हर किसी का दिल जीत लिया।

कंधों पर पालकी और थिरकते कदम- लिट्टीपाड़ा प्रखंड क्षेत्र के आदिवासी गांवों में विवाह के अवसर पर दूल्हे को पालकी पर बैठाकर बारात ले जाने की परंपरा अब भी पूरी तरह जीवंत है। हाल ही में क्षेत्र के एक गांव में संपन्न हुए आदिवासी विवाह समारोह में ऐसा ही पारंपरिक नजारा देखने को मिला। अपनी पारंपरिक वेशभूषा में सजे-धजे दूल्हे को जब पालकी पर बैठाकर बारात निकाली गई, तो पूरा माहौल उत्सव के रंग में सराबोर हो गया। गांव के उत्साही युवकों और परिजनों ने अपने कंधों पर पालकी उठाई और आगे बढ़े।

मांदर और ढोल की थाप पर झूमे बारातीं- इस अनोखी बारात का मुख्य आकर्षण यहां की लोक संस्कृति रही। बारात के दौरान मांदर, ढोल और अन्य पारंपरिक वाद्य यंत्रों की गूंज से पूरा इलाका गुंजायमान हो उठा। वाद्य यंत्रों की थाप पर पारंपरिक वेशभूषा में सजे महिला और पुरुष बाराती झूमते और नृत्य करते हुए नजर आए। आधुनिक डीजे के शोर से दूर, लोक धुनों पर थिरकते बारातियों का यह दृश्य हर राहगीर और ग्रामीण के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहा।

पूर्वजों की अमूल्य धरोहर है यह रस्म- ग्रामीणों और स्थानीय बुजुर्गों के अनुसार, पालकी पर दूल्हे को ले जाने की यह परंपरा उनके पूर्वजों की अमूल्य धरोहर है। समाज के प्रबुद्ध जनों का कहना है बदलते समय और आधुनिकता के प्रभाव के बावजूद हमारे समाज के लोग अपनी संस्कृति और रीति-रिवाजों को जीवित रखने का निरंतर प्रयास कर रहे हैं। हमारे लिए विवाह केवल दो व्यक्तियों या परिवारों का मिलन नहीं है, बल्कि यह अपनी समृद्ध परंपरा, संस्कृति और विशिष्ट पहचान को अगली पीढ़ी तक आगे बढ़ाने का एक पावन अवसर भी है।"

विकास के साथ विरासत को सहेजना जरूरी- स्थानीय बुजुर्ग बताते हैं कि आदिवासी समाज में विवाह समारोहों के दौरान हर एक पारंपरिक रस्म का अपना विशेष और गहरा महत्व होता है। यही कारण है कि आज भी कई अंदरूनी गांवों में शादी के दौरान पालकी, मांदर और पारंपरिक नृत्य जैसी सांस्कृतिक झलकियां अनिवार्य रूप से देखने को मिलती हैं। आधुनिकता के इस दौर में भी अक्षुण्ण बनी हुई ये परंपराएं देश और दुनिया को यह बड़ा संदेश देती हैं कि विकास की ऊंचाइयों को छूने के साथ-साथ अपनी संस्कृति और विरासत को सहेजकर रखना भी उतना ही जरूरी है। लिट्टीपाड़ा क्षेत्र में दिखी यह जीवंत बारात आदिवासी समाज की सांस्कृतिक समृद्धि और अपनी जड़ों से अटूट जुड़ाव की एक बेमिसाल मिसाल पेश करती है।

एसआईआर को लेकर कार्यकर्ताओं को दिया गया प्रशिक्षण, पात्र मतदाताओं का नाम न कटने देने पर जोर

राष्ट्रीय मुख्यधारा

जामताड़ाः स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी के कोर्ट रोड स्थित आवास पर बीएलओ-2 एवं एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) को लेकर कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। बैठक में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में एसआईआर प्रक्रिया के संबंध में कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण देने तथा मतदाता सूची के पुनरीक्षण के दौरान पात्र मतदाताओं का नाम नहीं कटे, इस विषय पर विस्तृत चर्चा की गई। मंत्री ने कार्यकर्ताओं से घर-घर जाकर मतदाताओं की समस्याओं को समझने और उनके समाधान में सहयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ता यह सुनिश्चित करें कि किसी भी योग्य नागरिक का नाम मतदाता सूची से न हटे।

बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए डॉ. इरफान अंसारी ने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि एसआईआर भाजपा के राजनीतिक प्रोपेगेंडा का हिस्सा है। साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कार्यशैली की आलोचना करते हुए कहा कि भले ही नरेंद्र मोदी लंबे समय से देश के प्रधानमंत्री हैं, लेकिन उनकी तुलना देश के प्रथम प्रधानमंत्री स्वर्गीय जवाहरलाल नेहरू से नहीं की जा सकती।

डॉ. अंसारी ने कहा कि नेहरू के कार्यकाल में देश के विकास के लिए जो आधारभूत कार्य किए गए, वैसा योगदान वर्तमान सरकार नहीं दे सकी है। उन्होंने दावा किया कि केंद्र सरकार के 12 वर्षों के कार्यकाल में ऐसा कोई एक बड़ा कार्य नहीं है, जिसे भाजपा गर्व से उपलब्धि के रूप में गिना सके। बैठक में पूर्व सांसद फुरकान अंसारी, जिलाध्यक्ष दीपिका बेसरा समेत अन्य मौजूद थे।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, शनिवार, 13 जून, 2026

कर्म से बना है वर्ण

मेरे द्वारा चार वर्णों की रचना गुण और कर्मों के हिसाब से की जाती है, फिर भी तू मुझे कभी न खत्म होना वाला और कर्मों के बंधन से मुक्ति ही जान ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र ये चार वर्ण हैं, अब ऐसा मान लेते हैं कि जो जिस घर में जन्म लेता है, वह उसी वर्ण का कहलाता है। जबकि वर्ण व्यवस्था गुण और कर्म के आधार पर शुरू हुई थी। पहले जब बच्चे को पढ़ाई के लिए गुरुकुल भेजा जाता था, तब तक वह किसी वर्ण का नहीं कहलाता था। वहां गुरु अपने शिष्यों की रुचि को जानकर उसके हिसाब से उन्हें पढ़ाते थे।

वेदों को पढ़ने में रुचि लेने वालों को ब्राह्मण, युद्ध कला में महारथी को क्षत्रिय, व्यापार में रुचि वाले को वैश्य और सेवा भाव वाले को शूद्र की उपाधि दी जाती थी। इसके बाद वे समाज में उसी के हिसाब से काम करते थे। यही भगवान कह रहे हैं कि मैंने गुणों और कर्मों के आधार पर चार वर्णों की रचना की हैं, जिससे सभी मनुष्य कर्मों में लगे रहें। ये सब करते हुए भी तुम मुझे कभी न खत्म होने वाला और कुछ न करने वाला जानो। सब कुछ करते हुए भी भगवान कह रहे हैं कि मैं कुछ भी नहीं करता।

नामांकन निरस्तीकरण की अस्पष्टता और लोकतंत्र की चुनौती

भूपेन्द्र गुप्ता

क्या चुनाव लड़ने का अधिकार प्रशासनिक विवेक पर निर्भर हो सकता है?

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहाँ अंतिम निर्णय जनता के हाथ में होता है। जनता अपने प्रतिनिधियों को चुनती है, सरकारें बनाती है और उन्हें बदलती भी है। किंतु लोकतांत्रिक प्रक्रिया का यह मूल सिद्धांत तब प्रश्नों के घेरे में आ जाता है जब किसी उम्मीदवार को चुनाव लड़ने से पहले ही नामांकन निरस्त कर प्रक्रिया से बाहर कर दिया जाता है। हाल के वर्षों में नामांकन पत्रों और शपथपत्रों (फार्म 26) से जुड़े विवादों ने एक महत्वपूर्ण संवैधानिक प्रश्न खड़ा किया है—क्या चुनाव लड़ने का अधिकार स्पष्ट कानूनी मानकों से संचालित हो रहा है, या फिर यह अधिकारियों की व्याख्या और विवेक पर निर्भर होता जा रहा है? यह प्रश्न किसी एक दल या व्यक्ति का नहीं है। यह भारतीय लोकतंत्र की निष्पक्षता और विश्वसनीयता से जुड़ा प्रश्न है।

कानून का उद्देश्य क्या है?: जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 36 नामांकन पत्रों की जांच की प्रक्रिया निर्धारित करती है। इस धारा का मूल उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि केवल वही उम्मीदवार चुनाव लड़ें जो कानून द्वारा निर्धारित योग्यता रखते हों और जिनके नामांकन में कोई गंभीर कानूनी दोष न हो। साथ ही यह धारा स्पष्ट रूप से यह भी संकेत देती है कि तकनीकी या मामूली त्रुटियों के आधार पर उम्मीदवार को चुनाव लड़ने से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। लोकतंत्र की भावना भी यही कहती है कि जहाँ संदेह हो, वहाँ निर्णय चुनाव के पक्ष में होना चाहिए, न कि बहिष्कार के पक्ष में।

यही कारण है कि न्यायालयों ने समय-समय पर रिटर्निंग आफीसर की भूमिका को सीमित बताया है। रिटर्निंग आफीसर कोई न्यायालय नहीं है और न ही वह विस्तृत तथ्यात्मक जांच करने वाली एजेंसी है। उसका कार्य प्रारंभिक परीक्षण करना है, न कि जटिल कानूनी विवादों का अंतिम निपटारा करना।

शपथपत्र और मतदाता का अधिकार:

सर्वोच्च न्यायालय ने एडीआर तथा बाद के अनेक निर्णयों में मतदाता के जानने के अधिकार को लोकतंत्र का महत्वपूर्ण अंग माना है। इसी सोच के आधार पर उम्मीदवारों के लिए संपत्ति, देनदारियों, आपराधिक मामलों और शैक्षणिक योग्यता का खुलासा अनिवार्य किया गया। फार्म 26 इसी पारदर्शिता का साधन है। लेकिन यहीं से एक जटिल प्रश्न उत्पन्न होता है। यदि कोई उम्मीदवार शपथपत्र प्रस्तुत करता है, किंतु उसके खुलासों की पर्याप्तता या पूर्णता पर विवाद उठता है, तो क्या रिटर्निंग अधिकारी उसी समय यह तय कर सकता है कि जानकारी पर्याप्त है या नहीं?: सर्वोच्च न्यायालय के कई निर्णयों का संकेत यही रहा है कि शपथपत्र की सत्यता और पर्याप्तता का अंतिम परीक्षण न्यायिक मंच पर होना चाहिए, न कि स्क्रूटनी की सीमित प्रक्रिया में।

परिमल नाथवानी और मीनाक्षी नटराजन के प्रकरण: इसी संदर्भ में दो चर्चित प्रकरण विशेष महत्व रखते हैं—झारखंड में परिमल नाथवानी का मामला और मीनाक्षी नटराजन से जुड़ा विवाद। परिमल नाथवानी के मामले में आरोप लगाया गया कि कुछ जानकारियों का पूरा खुलासा नहीं किया गया। इसके बावजूद नामांकन को वैध माना गया। इसके पीछे प्रमुख तर्क यह था कि शपथपत्र दाखिल किया जा चुका है और उसकी पर्याप्तता अथवा सत्यता का विस्तृत परीक्षण स्क्रूटनी के दौरान नहीं किया जा सकता। दूसरी ओर मीनाक्षी नटराजन के मामले में शपथपत्र संबंधी आपत्तियों के आधार पर नामांकन निरस्तीकरण का प्रश्न सामने आया। यहाँ मूल प्रश्न यह नहीं है कि कौन-सा उम्मीदवार सही था और कौन-सा गलत। वास्तविक प्रश्न यह है कि क्या दोनों मामलों में समान कानूनी सिद्धांत लागू किए गए?: यदि एक मामले में कथित अपूर्ण खुलासे को नामांकन निरस्तीकरण का आधार नहीं माना जाता और दूसरे मामले में समान प्रकृति की कमी को गंभीर दोष मान लिया जाता है, तो स्वाभाविक रूप से विधिक समानता और न्यायिक स्थिरता पर प्रश्न उठेंगे। कानून की विश्वसनीयता केवल उसके अस्तित्व से नहीं बनती। उसकी विश्वसनीयता इस बात से बनती है कि वह समान परिस्थितियों में समान रूप से लागू हो।

लोकतंत्र के लिए वास्तविक खतरा: बहस का केंद्र किसी विशेष उम्मीदवार का भाग्य नहीं होना चाहिए। वास्तविक चिंता इससे कहीं बड़ी है। यदि अपूर्ण खुलासा, अपर्याप्त जानकारी और सारभूत दोष की स्पष्ट परिभाषा नहीं होगी, तो भविष्य में कोई भी उम्मीदवार विवादों और व्याख्याओं के आधार पर चुनाव लड़ने से रोका जा सकता है। लोकतंत्र में चुनाव लड़ने का अधिकार केवल उम्मीदवार का व्यक्तिगत अधिकार नहीं है। यह मतदाताओं का भी अधिकार है कि वे अधिकतम विकल्पों में से अपना प्रतिनिधि चुन सकें। जब किसी उम्मीदवार का नामांकन निरस्त किया जाता है, तब केवल एक व्यक्ति प्रक्रिया से बाहर नहीं होता बल्कि मतदाताओं के सामने उपलब्ध एक विकल्प भी समाप्त हो जाता है। इसलिए नामांकन निरस्तीकरण की शक्ति को अत्यंत सावधानी से प्रयोग किया जाना चाहिए।

क्या झूठी जानकारी को अनदेखा किया जाए?: इस तर्क का यह अर्थ नहीं है कि उम्मीदवारों को गलत जानकारी देने की छूट मिल जानी चाहिए। यदि कोई उम्मीदवार जानबूझकर तथ्य छिपाता है या झूठा शपथपत्र देता है, तो उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। चुनावी पारदर्शिता लोकतंत्र की बुनियादी आवश्यकता है।

लेकिन प्रश्न यह है कि उस कार्रवाई का मंच कौन-सा होना चाहिए?: क्या सीमित समय में कार्यरत, रिटर्निंग अधिकारी जटिल तथ्यों की जांच कर अंतिम निष्कर्ष निकाले, या फिर न्यायालय साक्ष्यों और विस्तृत सुनवाई के आधार पर निर्णय करे?

लोकतांत्रिक न्यायशास्त्र का सामान्य झुकाव दूसरे विकल्प की ओर रहा है। इसका कारण यह है कि गलत जानकारी देने वाले उम्मीदवार के विरुद्ध बाद में कार्रवाई की जा सकती है, किंतु अनुचित रूप से निरस्त किए गए नामांकन की क्षति अक्सर अपूरणीय होती है। इसीलिए आज आवश्यकता इस बात की है कि निर्वाचन आयोग और न्यायपालिका मिलकर स्पष्ट दिशानिर्देश विकसित करें।

यह स्पष्ट होना चाहिए कि कौन-सी त्रुटि केवल तकनीकी त्रुटि है, कौन-सी कमी अपूर्ण खुलासा मानी जाएगी, कौन-सी स्थिति सारभूत दोष होगी, और किन परिस्थितियों में नामांकन निरस्त किया जा सकता है। जब तक यह स्पष्टता नहीं आएगी, तब तक विभिन्न राज्यों और विभिन्न मामलों में अलग-अलग व्याख्याएँ सामने आती रहेंगी। परिमल नाथवानी और मीनाक्षी नटराजन के प्रकरण हमें एक महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक प्रश्न की ओर ले जाते हैं। क्या भारत में चुनाव लड़ने का अधिकार पर्याप्त रूप से संरक्षित है, या वह अभी भी प्रशासनिक विवेक और कानूनी अस्पष्टता के बीच झूल रहा है?

लोकतंत्र में सबसे बड़ा खतरा यह नहीं है कि कोई विवादित उम्मीदवार चुनाव लड़ ले। सबसे बड़ा खतरा यह है कि कोई वैध उम्मीदवार अस्पष्ट नियमों और असंगत व्याख्याओं के कारण चुनाव लड़ने से ही वंचित कर दिया जाए।

आख़िरकार लोकतंत्र का मूल सिद्धांत यही है कि उम्मीदवारों का अंतिम निर्णय जनता करे। कानून का उद्देश्य चुनावी प्रतिस्पर्धा को सीमित करना नहीं, बल्कि उसे निष्पक्ष, पारदर्शी और समान अवसरों पर आधारित बनाना है। यदि यह सिद्धांत कमजोर पड़ता है, तो केवल किसी एक उम्मीदवार का अधिकार नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा भी संकट में पड़ जाती है।एक ही परिस्थिति में एक पुरुस्कृत और दूसरा तिरस्कृत हो यह न्याय चेतना को अपाहिज बनाता है।

(लेखक स्वतंत्र विश्लेषक हैं)

हमे भूत के बारे में पछतावा नही करना चाहिए, ना ही भविष्य के बारे में चिंतित होना चाहिए, विवेकवान व्यक्ति हमेशा वर्तमान में जीते है। - चाणक्य

हम सभी एक दुसरे की मदद करना चाहते है, मनुष्य ऐसे ही होते है, हम एक दुसरे के सुख के लिए जीना चाहते है दुःख के लिए नहीं। - चार्ली चेपलिन

शुभ संवत 2083, शाके 1948, सौम्य गोष्ठ, द्वितीय ज्येष्ठ, कृष्ण पक्ष, ग्रीष्म ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय, पश्चिमे तिथि, त्रियोदशी, शनिवार, कृतिका नक्षत्रे, शुभ योगे, वल करणे, वृष की चंद्रमा, भद्रा 20/34 चर्तुदर्शी व्रत, सर्वार्थ सिद्ध योग 46/41तथापि दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ उत्तम फलप्रद होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल...

आज जन्म लिया बालक बड़ा ही बुद्धिमान, योग्य, बुद्धिमान पंडित, लेखक, कवि, उत्तम प्रकृति, विद्या-बुद्धि का दाता, शिक्षक, लेक्चरार, प्रोफेसर, नीति निपुर्ण, सामाजिक कार्यकर्ता, पार्टी संगठक, बड़ा कलाकार, उद्यमी होगा।

मेष राशि :- इष्ट मित्र सुख वर्धक होंगे, प्रयत्नशीलता तथा सफलता से लाभ होगा।

वृष राशि :- समय पर सोचे कार्य बनेंगे, कार्य तत्परता से लाभ अवश्य ही होगा।

मिथुन राशि :- मनोबल उत्साह वर्धक होगा, व्यावसायिक क्षमता में वृद्धि अवश्य होगी।

कर्क राशि :- परिश्रम में सफलता सम्भव है, सोच-समझ कर कार्य करें।

सिंह राशि :- कार्य वृत्ति में सुधार, चिन्ताऐं कम हों, सफलता के साधन अवश्य बनेंगे।

कन्या राशि :- परिश्रम करने पर भी सफलता दिखायी न देवे, कार्य स्थगित रखना ठीक होगा।

तुला राशि :- कुछ लोगों से मेल-मिलाप सम्भव, कार्य क्षमता अनुकूल अवश्य होगी।

वृश्चिक राशि :- स्वास्थ नरम, चोटादि का भय होगा, मनोबल उत्साहवर्धक होगा।

धनु राशि :- कार्य कुशलता से संतोष, दैनिक कार्यवृत्ति में सुधार होगा, ध्यान रखें।

मकर राशि :- मनोबल उत्साहवर्धक हो, इष्ट मित्रों से परेशानी, धोखे से बचें।

कुंभ राशि :- कार्य-व्यावसाय गति मंद होते हुए भी साधन सम्पन्नता बनकर कार्य होगा।

मीन राशि :- विघटनकारी तत्व परेशान करें, अनायास कुछ बाधायें बन जायेंगी।

खत्म हुआ निष्पक्षता का दौर: चुनाव आयोग की बची-कुची साख का अंतिम संस्कार

दिलीप कुमार पाठक

भारत में एक दौर वह भी था जब चुनाव आयोग का नाम सुनते ही बड़े से बड़े राजनेताओं के पसीने छूट जाते थे, पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त टी.एन. शेषन के ज़माने में जनता को यह अटूट भरोसा था कि व्यवस्था चाहे जितनी भी रसूखदार हो, लोकतंत्र का यह पहरेदार किसी के आगे नहीं झुकेगा। लेकिन आज वह भरोसा इतिहास की धूल में मिल चुका है।

हालिया मध्य प्रदेश और झारखंड के राज्यसभा चुनाव के दौरान जो कुछ भी हुआ, उसने यह साफ कर दिया है कि चुनाव आयोग अब अपनी निष्पक्षता और विश्वसनीयता को पूरी तरह खो चुका है। यह संस्था अब लोकतंत्र की रक्षक नहीं, बल्कि सत्ता की सहूलियत के हिसाब से पर्चियां काटने वाला एक सरकारी महकमा बनकर रह गई है। इस संस्था की साख खत्म होने का सबसे ताजा और पुख्ता सबूत मध्य प्रदेश में कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन के नामांकन का रद्द होना है, एक ऐसे मामले में, जो कानूनी तौर पर पूरी तरह से एक सामान्य नोटिस था और जिस पर अदालत ने संज्ञान तक नहीं लिया था, आयोग के रिटर्निंग ऑफिसर ने महज़ 15 मिनट के भीतर उनका पर्चा खारिज कर दिया। विपक्ष के किसी उम्मीदवार की ज़रा सी तकनीकी चूक या तथाकथित खामी पर आयोग का यह सुपरफास्ट एक्शन उसकी नीयत को जगजाहिर कर देता है। लोकतंत्र का तकाजा कहता है कि हर उम्मीदवार को अपनी बात रखने और गलती सुधारने का मौका मिलना चाहिए, लेकिन यहाँ विपक्ष के लिए नियम पत्थर की लकीर बना दिए गए। असली खेल तब समझ में आता है, जब हम इसी आयोग का दूसरा चेहरा ठीक उसी समय झारखंड में देखते हैं। झारखंड में एनडीए और भाजपा समर्थित एक बड़े कॉरपोरेट उम्मीदवार परिमल नाथवानी के नामांकन पत्र में जब विपक्ष ने पाँच से अधिक गंभीर खामियों और अधूरी जानकारियों की लिखित शिकायत दर्ज कराई, तब आयोग के नियम अचानक मोम की तरह पिघल गए। जहां मध्य प्रदेश में विपक्ष के उम्मीदवार को 15 मिनट की मोहलत नहीं मिली, वहीं झारखंड में सत्ता समर्थित रसूखदार उम्मीदवार को अपनी गलतियां सुधारने और नया हलफनामा दाखिल करने के लिए बकायदा 24 घंटे से अधिक का समय दे दिया गया। एक ही देश में, एक ही राज्यसभा चुनाव के लिए, एक ही चुनाव आयोग के दो अलग-अलग राज्यों में ये दो अलग-अलग कानून इस बात की गवाही हैं कि आयोग का दोहरा मापदंड अब अपनी चरम सीमा पर पहुंच चुका है। एक तरफ बिना किसी ठोस कानूनी आधार के पर्चा तुरंत खारिज कर दिया जाता है ताकि सत्ता पक्ष को वॉकओवर मिल सके, और दूसरी तरफ रसूखदारों की कमियों को छुपाने और सुधारने के लिए पूरी व्यवस्था पलकें बिछाए खड़ी रहती है। इसे आप क्या कहेंगे? क्या यह निष्पक्षता है? या फिर सत्ता की हुज़ूरी में लोकतंत्र का खुला चीरहरण?

एक आम वोटर के नजरिए से देखें तो यह स्थिति बेहद डरावनी है। कोई भी नागरिक इस उम्मीद के साथ वोट देता है कि वह देश की व्यवस्था को तय कर रहा है। लेकिन जब मीनाक्षी नटराजन जैसे उदाहरण सामने आते हैं, जहां नियमों का इस्तेमाल केवल एकतरफा कार्रवाई के लिए किया जाता है, तो जनता के भीतर की उम्मीद पूरी तरह दम तोड़ देती है। लोगों के मन में यह बात पत्थर की तरह बैठ चुकी है कि वे चाहे जिसे भी चुनें, चुनाव आयोग और पूरी मशीनरी अंत में वही करेगी जो सत्ता में बैठे लोग चाहेंगे। जनता का यह घोर अविश्वास ही इस बात की आखिरी मुहर है कि आयोग अपनी बची-कुची साख भी पूरी तरह गंवा चुका है। अब यह सवाल पूछने का वक्त खत्म हो चुका है कि चुनाव आयोग अपनी साख कैसे बचाएगा। हकीकत यह है कि वह साख अब बची ही नहीं है। नियम अब सबके लिए बराबर नहीं रहे; वे इस बात से तय होते हैं कि उम्मीदवार सत्ता के करीब है या विपक्ष में। इतिहास जब भी भारत के लोकतंत्र के इस दौर को दर्ज करेगा, तो चुनाव आयोग को एक निष्पक्ष पहरेदार के रूप में नहीं, बल्कि सत्ता के इशारों पर लोकतंत्र की रीढ़ तोड़ने वाले एक मूकदर्शक के रूप में याद रखेगा।

(लेखक पत्रकार हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

फिर सुलग़ रही खाड़ी: होर्मुज जलडमरूमध्य बंद, दुनियाँ में हड़कंप

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

-भारत की ऊर्जा सुरक्षा, महंगाई और अर्थव्यवस्था पर मंडराता संकट?

-व्यापक समग्र विश्लेषण

ईरान नें होर्मुज जलडमरूमध्य बंद से ऊर्जा सुरक्षा, वैश्विक व्यापार मुद्रास्फीति और आर्थिक स्थिरता को लेकर नई चिंताएं पैदा कर दी हैं

होर्मुज जलडमरूमध्य बंद से केवल क्षेत्रीय नहीं वैश्विक अर्थव्यवस्था को झटका की संभावना?, इस जलमार्ग में व्यवधान का असर सीधे अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजारों पर दिखाई देता है

वैश्विक स्तरपर पश्चिम एशिया एक बार फिर वैश्विक भू-राजनीतिक उथल-पुथल का केंद्र बन गया है। 11 जून 2026 को स्थिति तब और गंभीर हो गई जब ईरान ने अमेरिका के साथ बढ़ते सैन्य टकराव के बीच दुनियाँ के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्गों में से एक, होर्मुज जलडमरूमध्य, को सभी वाणिज्यिक जहाजों और तेल टैंकरों के लिए बंद करने की घोषणा कर दी। ईरानी सैन्य नेतृत्व ने चेतावनी दी है कि जलडमरूमध्य से गुजरने की कोशिश करने वाले किसी भी जहाज को निशाना बनाया जाएगा। यह कदम कथित रूप से अमेरिका और ईरान के बीच समुद्री टकराव तथा अमेरिकी सैन्य कार्रवाइयों के बाद उठाया गया है। इसके साथ ही वैश्विक ऊर्जा बाजारों में भारी बेचैनी फैल गई है। ब्रेंट क्रूड की कीमत लगभग 95.40 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकी डब्ल्यूटीआई लगभग 92.6 डॉलर प्रतिबैरल तक पहुंच गया है। दुनियाँ की लगभग 20 प्रतिशत तेल और गैस आपूर्ति इसी मार्ग से गुजरती है, इसलिए इस घटनाक्रम ने ऊर्जा सुरक्षा, वैश्विक व्यापार, मुद्रास्फीति और आर्थिक स्थिरता को लेकर नई चिंताएं पैदा कर दी हैं। संयुक्त राष्ट्र में भारत ने भी खाड़ी क्षेत्र में व्यापारिक जहाजों पर बढ़ते हमलों और भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताव्यक्त की है। वर्तमान घटनाक्रम केवल क्षेत्रीय संघर्ष नहीं बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़े झटके के रूप में देखा जा रहा है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि यह बिल्कुल सही है क़ि होर्मुज जलडमरूमध्य विश्व ऊर्जा व्यवस्था की धुरी माना जाता है। फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ने वाला यह संकरा समुद्री मार्ग सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत, कतर, इराक और ईरान जैसे प्रमुख ऊर्जा उत्पादक देशों के निर्यात का मुख्य रास्ता है। सामान्य परिस्थितियों में प्रतिदिन करोड़ों बैरल तेल और विशाल मात्रा में एलएनजी इसी मार्ग से दुनिया के विभिन्न हिस्सों तक पहुंचती है। यही कारण है कि जब भी इस जलमार्ग में व्यवधान आता है, उसका असर सीधे अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजारों पर दिखाई देता है। वर्तमान संकट में भी निवेशकों और ऊर्जा कंपनियों ने आपूर्ति बाधित होने की आशंका को देखते हुए तेल खरीदना शुरू कर दिया,जिसके परिणामस्वरूप कच्चे तेल की कीमतों में तत्काल उछाल देखने को मिला।

साथियों, अंतरराष्ट्रीय बाजारों की पहली प्रतिक्रिया तेल कीमतों में तेजी के रूप में सामने आई है। ब्रेंट क्रूड लगभग 95 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच गया है जबकि डब्ल्यूटीआई भी 92 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार कर रहा है। ऊर्जा विश्लेषकों का मानना है कि यदि जलडमरूमध्य लंबे समय तक बंद रहता है या सैन्य संघर्ष और बढ़ता है तो तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर भी जा सकती हैं। वैश्विक वित्तीय बाजारों में भी अस्थिरता बढ़ने की आशंका है क्योंकि ऊर्जा लागत लगभग हर आर्थिक गतिविधि को प्रभावित करती है।

साथियों, भारत के लिए यह संकट विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि देश अपनी आवश्यकता का 80 प्रतिशत से अधिक कच्चा तेल आयात करता है। भारत की ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा खाड़ी क्षेत्र से पूरा होता है और उसका एक बड़ा भाग होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते आता है। इसलिए इस मार्ग में किसी भी प्रकार की रुकावट का सीधा असर भारतीय ऊर्जा सुरक्षा पर पड़ता है। यदि तेल की आपूर्ति प्रभावित होती है तो भारत का आयात बिल बढ़ेगा,चालू खाता घाटा बढ़ सकता है और रुपये पर दबाव पड़ सकता है। ऊर्जा आयात पर बढ़ती लागत अंततः उपभोक्ताओं तक पहुंचती है और महंगाई को बढ़ावा देती है।सबसे पहला प्रभाव पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर दिखाई दे सकता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल महंगा होने से भारतीय तेल विपणन कंपनियों की लागत बढ़ जाती है। यदि मौजूदा तनाव कुछ और दिनों या सप्ताहों तक बना रहता है तो पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। विशेषज्ञों का अनुमान है कि लंबी अवधि तक ऊंचे तेल मूल्य बने रहने पर ईंधन की कीमतों में कई रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी हो सकती है। इसका सीधा असर आम नागरिकों, किसानों, उद्योगों और परिवहन क्षेत्र पर पड़ेगा।पेट्रोल और डीजल केवल वाहन चलाने का साधन नहीं हैं बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा हैं। डीजल की कीमत बढ़ने का अर्थ है कि ट्रकों, बसों और मालवाहक वाहनों की परिचालन लागत बढ़ जाएगी। जब परिवहन महंगा होता है तो फल, सब्जियां, दूध, अनाज, दवाइयां और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतें भी बढ़ने लगती हैं। यही कारण है कि तेल कीमतों में वृद्धि को अक्सर 'महंगाई की जननी' कहा जाता है। एक बार यदि ईंधन लागत बढ़ती है तो उसका असर अर्थव्यवस्था के लगभग हर क्षेत्र में सटीकता से दिखाई देता है।

साथियों, 7 जून 2026 से मृग लग गया है व खेती के कार्य शुरू हो चुके हैं,कृषि क्षेत्र भी इस संकट से अछूता नहीं रहेगा। भारत में सिंचाई, कृषि मशीनरी और खाद्य आपूर्ति श्रृंखला का बड़ा हिस्सा डीजल पर निर्भर है। डीजल महंगा होने से किसानों की लागत बढ़ेगी और इसका असर खाद्यान्न कीमतों पर पड़ सकता है। इसके अलावा उर्वरक उद्योग प्राकृतिक गैस और पेट्रोकेमिकल उत्पादों पर निर्भर है। यदि ऊर्जा लागत बढ़ती है तो उर्वरकों का उत्पादन भी महंगा हो सकता है।विमानन क्षेत्र पर भी दबाव बढ़ सकता है। विमान ईंधन की लागत एयरलाइंस के कुल खर्च का बड़ा हिस्सा होती है। यदि अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतें लगातार ऊंची बनी रहती हैं तो घरेलू और अंतरराष्ट्रीय हवाई किराए में वृद्धि संभव है। इससे पर्यटन उद्योग, व्यापारिक यात्राओं और विमानन क्षेत्र की मांग पर असर पड़ सकता है।

साथियों, भारत के लिए चिंता का एक और बड़ा विषय एलएनजी यानी तरल प्राकृतिक गैस की आपूर्ति है। भारत कतर सहित खाड़ी देशों से बड़ी मात्रा में एलएनजी आयात करता है और उसका महत्वपूर्ण हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर आता है। यदि इस मार्ग में लंबे समय तक व्यवधान रहता है तो सीएनजी और पीएनजी की उपलब्धता तथा कीमतों पर असर पड़ सकता है। इससे घरेलू उपभोक्ताओं के साथ- साथ बिजली उत्पादन, उर्वरक निर्माण और औद्योगिक इकाइयों की लागत भी बढ़ सकती है।हालांकि स्थिति गंभीर है, लेकिन भारत पूरी तरह असहाय नहीं है। पिछले वर्षों में भारत ने अपनी ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए हैं। देश के पास रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार मौजूद हैं जिनका उपयोग आपातकालीन परिस्थितियों में किया जा सकता है।विशाखापट्टनम मैंगलोर और पादुर जैसेस्थानों पर स्थापित भूमिगत भंडारण सुविधाएं सीमित अवधि के लिए देश को राहत प्रदान कर सकती हैं। ये भंडार किसी भी अचानक आपूर्ति संकट के दौरान महत्वपूर्ण सुरक्षा कवच साबित हो सकते हैं।इसके अतिरिक्त भारत नेऊर्जा आयात के स्रोतों में विविधता लाने की रणनीति अपनाई है। रूस से बढ़ते तेल आयात ने भारत को एक वैकल्पिक आपूर्ति स्रोत उपलब्ध कराया है। रूस से आने वाला तेल सामान्यतः अन्य समुद्री मार्गों से आता है, इसलिए होर्मुज संकट की स्थिति में यह भारत के लिए एक महत्वपूर्ण विकल्प बन सकता है। यदि आवश्यकता हुई तो भारत रूस तथा अन्य गैर-खाड़ी आपूर्ति कर्ताओं से आयात बढ़ाने की दिशा में सटिका से कदम उठा सकता है।

साथियों, सऊदी अरब,यूएई और अन्य खाड़ी देशों के पास भी कुछ वैकल्पिक पाइपलाइन मार्ग उपलब्ध हैं जिनके माध्यम से सीमित मात्रा में तेल निर्यात किया जा सकता है। हालांकि ये मार्ग होर्मुज के पूर्ण विकल्प नहीं हैं, फिर भी वे वैश्विक बाजार में आपूर्ति के पूर्ण ठहराव को रोकने में मदद कर सकते हैं। इसी कारण ऊर्जा बाजारों में अभी भी आशा बनी हुई है कि राजनयिक प्रयासों के माध्यम से स्थिति को नियंत्रित किया जा सकेगा।भू-राजनीतिक दृष्टि से यह संकट केवल तेल या गैस तक सीमित नहीं है। होर्मुज जलडमरूमध्य विश्व समुद्री व्यापार के सबसे संवेदनशील मार्गों में से एक है।

-संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए (एटीसी)

विकसित भारत का मार्ग : नीति आयोग की 11वीं शासी परिषद बैठक से निकला नया विकास मंत्र

विनोद कुमार सिंह 'तकियावाला'

नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में सम्पन्न नीति आयोग की 11वीं शासी परिषद की बैठक केवल एक प्रशासनिक औपचारिकता नहीं थी,बल्कि भारत के भविष्य की विकास दिशा तय करने वाला एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय विमर्श था। विकसित राज्य से विकसित भारत की थीम पर आयोजित इस बैठक में विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने अपने- अपने प्रदेशों की आवश्यकताओं, चुनौतियों और विकास संबंधी सुझावों को केंद्र सरकार के समक्ष रखा।सर्वविदित रहे यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। वर्तमान में देश की अर्थव्यवस्था लगभग 4.3 ट्रिलियन डॉलर के स्तर पर पहुंच चुकी है और अगले दशक में इसे 10 ट्रिलियन डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है।ऐसे में राज्यों की भागीदारी और उनकी विकास क्षमता निर्णायक महत्व रखती है।बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट कहा कि विकसित भारत का सपना दिल्ली में बैठकर पूरा नहीं किया जा सकता।इसके लिए राज्यों को विकास का इंजन बनना होगा। उन्होंने राज्यों से निवेश आकर्षित करने, रोजगार सृजन,कृषि आधुनिकीकरण,कौशल विकास और डिजिटल प्रशासन को बढ़ावा देने का आह्वान किया।इस बैठक का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों द्वारा रखे गए सुझाव और मांगें रहीं।इन सुझावों ने यह स्पष्ट कर दिया कि राज्यों की प्राथमिकताएं अलग-अलग हो सकती हैं,लेकिन लक्ष्य एक ही है—तेज,समावेशी और सतत विकास। मोहन यादव ने मध्य प्रदेश को कृषि एवं औद्योगिक हब बनाने के लिए सिंचाई परियोजनाओं, लॉजिस्टिक कॉरिडोर और कृषि प्रसंस्करण उद्योगों के विस्तार पर बल दिया। उन्होंने केंद्र से अधोसंरचना परियोजनाओं के लिए अतिरिक्त सहयोग की माँग की।नबाब सिंह सैनी ने हरियाणा को विनिर्माण और निर्यात केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए औद्योगिक गलियारों, कौशल विकास और एमएसएमई क्षेत्र को और मजबूत बनाने की आवश्यकता बताई।उन्होंने कृषि में ड्रोन तकनीक तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग को बढ़ावा देने का सुझाव भी दिया।भजन लाल शर्मा ने जल संकट को राजस्थान की सबसे बड़ी चुनौती बताते हुए नदी जोड़ो परियोजनाओं और जल संरक्षण कार्यक्रमों में केंद्र के सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया।साथ ही उन्होंने नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में राजस्थान की भूमिका को और मजबूत करने की बात कही।योगी आदिनाथ ने उत्तर प्रदेश के तेजी से बढ़ते औद्योगिक निवेश,एक्सप्रेसवे नेटवर्क और डिफेंस कॉरिडोर का उल्लेख करते हुए राज्यों को अधिक वित्तीय लचीलापन देने की मांग रखी ताकि विकास परियोजनाओं को गति मिल सके।देवन्द्र फ्रडनवीस ने मुंबई महानगर क्षेत्र, सेमीकंडक्टर उद्योग और हरित ऊर्जा निवेश को राष्ट्रीय विकास का प्रमुख आधार बताते हुए वैश्विक निवेश आकर्षित करने के लिए राज्यों को अधिक नीति समर्थन देने की बात कही।पूर्वोत्तर राज्यों के प्रतिनिधियों ने सड़क,रेल और डिजिटल कनेक्टिविटी को अपनी प्रमुख प्राथमिकता बताया।उनका मत था कि बेहतर संपर्क व्यवस्था ही क्षेत्रीय विकास और राष्ट्रीय एकीकरण का आधार बनेगी।इस बैठक में कृषि क्षेत्र पर विशेष चर्चा हुई।आज भी लगभग 45 प्रतिशत भारतीय आबादी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कृषि पर निर्भर है। राज्यों ने प्राकृतिक खेती,सूक्ष्म सिंचाई,कृषि निर्यात और भंडारण सुविधाओं के विस्तार पर जोर दिया। कई मुख्यमंत्रियों ने कृषि मूल्य श्रृंखला को मजबूत बनाने के लिए केंद्र और राज्यों के संयुक्त प्रयासों की आवश्यकता बताई।स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र भी चर्चा के केंद्र में रहे। राज्यों ने चिकित्सा शिक्षा संस्थानों की संख्या बढ़ाने, जिला अस्पतालों को सुदृढ़ बनाने तथा नई शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए अतिरिक्त संसाधनों की आवश्यकता पर बल दिया।भारत की 65 प्रतिशत से अधिक आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है। इसलिए कौशल विकास और रोजगार सृजन को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाने पर व्यापक सहमति दिखाई दी। हरित ऊर्जा को लेकर भी महत्वपूर्ण विचार सामने आए। भारत ने वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य रखा है। राजस्थान,गुजरात,तमिलनाडु और महाराष्ट्र जैसे राज्यों ने सौर एवं पवन ऊर्जा परियोजनाओं में निवेश बढ़ाने के लिए केंद्र के साथ मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। डिजिटल इंडिया की उपलब्धियों का भी उल्लेख हुआ।आज भारत में 150 करोड़ से अधिक आधार प्रमाणीकरण प्रतिमाह हो रहे हैं और यूपीआई लेन-देन विश्व का सबसे बड़ा डिजिटल भुगतान नेटवर्क बन चुका है।

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु 'पुष्पेश'** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित। पंजीकृत कार्यालय- गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013. झारखंड। रांची कार्यालय- 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।
संपादक: Purnendu 'Pusshpesh'*; प्रबंध संपादक: राजेश मोहन सहाय; धनबाद ब्यूरोचीफ: राजीव रंजन। बिहार प्रभारी: संतोष श्रीवास्तव. Mob: 9288319159; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com *समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। • यहाँ प्रकाशित आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

औचक जांच में उजागर हुई आंगनबाड़ी केंद्र की अव्यवस्था, सेविका अनुपस्थित मिलने पर उठे सवाल

बरहरवा/साहिबगंज। बरहरवा प्रखंड के अँगूठिया गांव स्थित आंगनबाड़ी केंद्र (कोड संख्या- 20352020428) में महिला पर्यवेक्षिका द्वारा किए गए औचक निरीक्षण के दौरान केंद्र की सेविका कविता कुमारी अनुपस्थित पाई गईं। निरीक्षण के बाद ग्रामीणों द्वारा लगाए गए आरोपों ने केंद्र के संचालन और लाभुकों को मिलने वाली सुविधाओं पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार, महिला पर्यवेक्षिका जब केंद्र पहुंचीं तो सेविका अपने कार्यस्थल पर मौजूद नहीं थीं। इसके बाद स्थानीय ग्रामीणों से पूछताछ की गई। ग्रामीणों ने बताया कि चयन होने के बाद से ही सेविका गांव में नियमित रूप से नहीं रहती हैं और अधिकांश समय शहर में निवास करती हैं। उनका आरोप है कि केंद्र का संचालन भी अनियमित तरीके से किया जाता है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि सेविका के पति झारखंड पुलिस में सब - इंस्पेक्टर के पद पर कार्यरत हैं, जिसके कारण वह अपने प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए केंद्र के संचालन में मनमानी करती हैं। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार शिकायत के बावजूद स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। स्थानीय लोगों के अनुसार, सेविका की लगातार अनुपस्थिति का असर केंद्र से जुड़े बच्चों, गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं पर पड़ रहा है। उनका आरोप है कि पोषाहार वितरण एवं अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ नियमित रूप से नहीं मिल पा रहा है, जिससे लाभुकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कार्रवाई की मांग की है ताकि आंगनबाड़ी केंद्र का संचालन नियमों के अनुरूप हो सके और लाभुकों को योजनाओं का पूरा लाभ मिल सके।

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर चलाया जागरूकता अभियान

कसमार (बोकारो) : जिले में बाल अधिकारों की सुरक्षा के लिए काम कर रहे संगठन सहयोगिनी ने विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर प्रशासन के सहयोग से जागरूकता अभियान चलाया। सहयोगिनी कार्यालय बहादुरपुर में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सहयोगिनी के निदेशक गौतम सागर ने कहा कि बोकारो जिले को बाल मजदूरी से मुक्त करने के लिए सघन अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें प्रशासन का भी सहयोग मिल रहा है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार के विभिन्न विभागों और एजेंसियों की ओर से जून को बाल मजदूरी के खिलाफ कार्रवाई माह या एक्शन मंथ के रूप में मनाने के बाबत जारी अधिसूचना व निर्देशों के तहत की गई। इन निर्देशों में बाल मजदूरी की शिकायत वाले इलाकों में छानबीन करने व बच्चों को मुक्त कराने के लिए साझा अभियान चलाने के निर्देश दिए गए है। इस दौरान बोकारो रेलवे स्टेशन में रेलवे सुरक्षा बल के साथ मिलकर जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान कंचन रजवार, उतम कुमार राम, सुदीप रजवार, राजा कुमार, राजेश कुमार, मीणा भागवती, रवि कुमार राय, चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष संजय कुमार सिंह, अनिल कुमार हेंब्रम, सोनी कुमारी, सूर्यमणि देवी, मंजू देवी, विकास कुमार गोस्वामी, प्रकाश कुमार महतो व अन्य लोग उपस्थित थे।

रिम्स-2 के लिए चयनित भूमि पर निर्माण कार्य रोके सरकार : आप

रांची। आम आदमी पार्टी (आप) झारखंड ने रिम्स-2 के लिए चयनित विवादित भूमि पर निर्माण का विरोध करते हुए सरकार से अधिग्रहण प्रक्रिया पर पुनर्विचार करने की मांग की है। पार्टी की प्रदेश समन्वय समिति के सदस्य लक्ष्मण सिंह ने कहा कि यदि सरकार रैयतों की इच्छा के विरुद्ध जमीन अधिग्रहित करती है, तो वर्तमान सरकार और पूर्ववर्ती सरकारों की नीतियों में कोई अंतर नहीं रह जाएगा। रिम्स -2 में कराए जा रहे निर्माण कार्य सरकार अविलंब रोके।

लक्ष्मण शुक्रवार को रांची में आयोजित प्रेस वार्ता में कहा कि संबंधित रैयतों की सहमति के बिना उनकी जमीन का अधिग्रहण नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि चयनित भूमि रैयती एवं खातियानी प्रकृति की है, जिस पर किसी भी प्रकार का सरकारी या निजी निर्माण आदिवासी अधिकारों का उल्लंघन होगा।

मौके पर रांची ग्रामीण जिला अध्यक्ष शनि उरांव ने आरोप लगाया कि भूमि चयन प्रक्रिया में पर्याप्त पारदर्शिता नहीं बरती गई और स्थानीय लोगों की सहमति के बिना निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा कि छोटानागपुर काश्तकारी (सीएनटी) अधिनियम और संथाल परगना काश्तकारी (एसपीटी) अधिनियम आदिवासी भूमि की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं।

रांची जोन प्रभारी राजेश लिंडा ने कहा कि पार्टी बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं की पक्षधर है, लेकिन विकास कार्य आदिवासी समाज के अधिकारों की कीमत पर नहीं होना चाहिए। पार्टी ने चयनित भूमि की निष्पक्ष जांच, विवाद सुलझाने तक निर्माण कार्य पर रोक, आदिवासी समुदाय की सहमति सुनिश्चित करने तथा आवश्यकता पड़ने पर रिम्स-2 के लिए वैकल्पिक बंजर या गैर-मजरुआ सरकारी भूमि चयन करने की मांग की है। साथ ही सरकार से संवेदनशील मुद्दे का न्यायपूर्ण समाधान निकालने का आग्रह किया गया है। इस अवसर पर कई लोग मौजूद थे।

नदी को अतिक्रमण व प्रदूषण से बचाने को उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : दामोदर बचाओ आंदोलन, बोकारो का एक प्रतिनिधिमंडल जिला संयोजक सुरेंद्र प्र. सिन्हा के नेतृत्व में समाहरणालय सभागार में उपायुक्त (डीसी) से मिला। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त को गरगा नदी पर हो रहे अवैध अतिक्रमण को हटाने तथा आवासीय कॉलोनियों के जल-मल (सीवरेज) के गंदे पानी से नदी को शीघ्र मुक्त करने हेतु एक लिखित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से उपायुक्त को अवगत कराया गया कि लगातार चले जन आंदोलन और भारी जन दबाव के कारण दामोदर नदी को औद्योगिक प्रदूषण से लगभग मुक्त करा लिया गया है, लेकिन नगरीय जल-मल के प्रदूषण से मुक्त करने में अब तक अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकी है। प्रतिनिधिमंडल ने चिंता जताते हुए कहा कि दामोदर की सहायक नदियों में सबसे प्रदूषित गरगा नदी है, जो इस समय अतिक्रमण एवं गंदगी का दोहरा दंश झेल रही है। इस समस्या के समाधान के लिए वर्ष 2016 से जिला प्रशासन से लगातार आग्रह किया जा रहा है कि गरगा नदी को इस दुर्दशा से मुक्ति दिलाई जाए। उन्होंने प्रशासन को यह भी बताया कि गरगा नदी को प्रदूषित करने एवं इसके किनारे हो रहे अतिक्रमण को मौन संरक्षण देने में चास नगर निगम, चास अंचल कार्यालय एवं प्रो. बारी कोऑपरेटिव गृह निर्माण समिति मुख्य रूप से जवाबदेह हैं। उपायुक्त ने इस गंभीर पर्यावरणीय समस्या को ध्यान से सुनने के बाद प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि गरगा नदी की समस्या एवं उसके स्थाई समाधान हेतु शीघ्र ही एक उच्च स्तरीय बैठक बुलाई जाएगी, जिसमें आंदोलन के सदस्यों को भी आमंत्रित किया जाएगा। इस प्रतिनिधिमंडल में मुख्य रूप से ललित सिन्हा, प्रियरंजन, अंबुज मंडल और रामाधार यादव सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

कुजू में परमा एकादशी पर भावपूर्ण भजन कीर्तन का आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कुजू: कुजू मेन रोड गावा देती हनुमान मंदिर परिसर में परमा एकादशी पर श्री खाटू वाले श्याम प्रभु के भजन कीर्तन का आयोजन किया गया। इसका आयोजन गुरुवार को देर शाम में श्री श्याम परिवार कुजू ने किया। बलिहारी बलिहारी बाबा का भावपूर्ण कीर्तन है ताली श्री श्याम प्रभु के भजनों से पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। इस दौरान पंडित विक्की पांडेय, अंकित पांडेय व रोशन पांडेय ने यजमान बनी गुड़िया केशरी के हाथों पूजन संपन्न कराया। श्री श्याम प्रभु के फूलों से सजे दरबार में पूजन के बाद ज्योत जलाया गया। साथ ही प्रसाद का भोग लगाया गया। वहीं हवन के बाद आरती संपन्न कराया गया। बाद में कार्यक्रम में उपस्थित भक्तों ने बाबा के श्री चरणों में मत्था टेका। बाद में एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति से भजन गंगा में लोग गोते लगाते रहे। कार्यक्रम में श्री श्याम परिवार कुजू के सभी सदस्यों के अलावा कई एक धर्मप्रेमियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के समापन पर प्रसाद का वितरण लोगों के बीच किया गया।

स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में सीआईएसएफ जवानों ने किए रक्तदान

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल स्थित डीवीसी सीएसआर, स्थानीय अस्पताल एवं रांची मेदांता हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को स्थानीय डीवीसी अस्पताल परिसर में एक दिवसीय स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथि डीवीसी के एचओपी सुशील कुमार अरजरिया, जीएम (एचआर) एए कुजूर, जीएम सोमेन मंडल, सीआईएसएफ के सहायक कमांडेंट दिव्यांश, फायर के डिप्टी कमांडेंट अरुण कुमार गिरी, सीएसआर के वरीय प्रबंधक मनीष कुमार चौधरी, अस्पताल के डीजीएम (हेल्थ) डॉ. एसके झा और डॉ. संजय कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। शिविर को संबोधित करते हुए एचओपी सुशील कुमार अरजरिया ने रक्तदान के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि रक्तदान एक महादान है, जिससे न केवल किसी जरूरतमंद का जीवन बचाया जा सकता है, बल्कि यह रक्तदाता के स्वयं के स्वास्थ्य के लिए भी बेहद लाभकारी है। उन्होंने समाज के युवाओं और प्रबुद्ध नागरिकों से नियमित रूप से रक्तदान करने की अपील की। इस पुनीत कार्य में उत्साह दिखाते हुए सीआईएसएफ के जवानों और अस्पताल के चिकित्सा कर्मियों सहित कुल 22 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से सीआईएसएफ के निरीक्षक प्रशांत कुमार प्रसून, डॉ. एस साहा, डॉ. रितांकर, भैरव महतो, जीवाधन महतो, सिस्टर रोजमेरी, संगीता कुमारी, सुषमा खलको और सागर तुरी उपस्थित थे। शिविर को सफल बनाने में रांची मेदांता हॉस्पिटल की टीम से अंजलि श्रुति, आनंद कुमार, पिंकी, हम्माद, सोमनाथ और परवेज ने सराहनीय योगदान दिया।

अंधेरे में हजारों लोगों की आस्था का केन्द्र मां मंगलचंडी मंदिर

बिजली न होने से श्रद्धालु परेशान, हाईमास्ट लाइट लगाने की मांग

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : जिले के कसमार प्रखंड के बगियारी स्थित सुप्रसिद्ध मां मंगलचंडी मंदिर में अब तक बिजली की व्यवस्था नहीं होने के कारण यहां आने वाले श्रद्धालुओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बिजली न होने से शाम ढलते ही पूरे मंदिर परिसर में अंधेरा पसर जाता है। इस गंभीर समस्या को देखते हुए मंजूरा के युवा समाजसेवी प्रकाश प्रजापति ने स्थानीय सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी, स्थानीय विधायक सह मंत्री योगेंद्र प्रसाद एवं बोकारो जिला प्रशासन से अविलंब मंदिर परिसर में बिजली बहाल करने या सोलर पैनल युक्त हाईमास्ट लाइट लगाने की मांग की है।

उन्होंने बताया कि मां मंगलचंडी मंदिर न केवल कसमार प्रखंड, बल्कि बोकारो जिला समेत आसपास के कई जिलों और पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल के श्रद्धालुओं के लिए आस्था का बड़ा केंद्र है। हर मंगलवार को यहाँ हजारों की संख्या में श्रद्धालु मन्नत पूरी करने और मत्था टेकने पहुंचते हैं। मंगलवार के दिन पूजा-अर्चना के बाद महाप्रसाद बनाने और उसे ग्रहण करने में अक्सर शाम हो जाती है, जिससे बिजली न रहने पर श्रद्धालुओं, विशेषकर महिलाओं और बच्चों को भारी दिक्कत होती है। प्रकाश प्रजापति ने जनप्रतिनिधियों और जिला प्रशासन से मंदिर परिसर की चहारदीवारी का निर्माण कराने, 2 से 3 नए हैंडपंप लगवाने, बागवानी के नीचे बैठने की व्यवस्था करने तथा 3 से 4 खुले शेड का निर्माण कराने समेत सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की पुरजोर मांग की है।

होटल और जनरल स्टोर की आड़ में चल रहा था शराब का गोरखधंधा, पुलिस ने किया खुलासा

» बालीडीह में 365 बोतल विदेशी शराब जब्त; मैनेजर और मालिक गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो: बोकारो के औद्योगिक क्षेत्र बालीडीह थाना पुलिस को गुरुवार की रात अवैध शराब तस्करों और माफियाओं के खिलाफ एक बहुत बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। पुलिस की विशेष टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर रेलवे फाटक के पास स्थित अमर लाइन होटल और सुमित्रा जेनरल स्टोर में एक साथ संयुक्त छापेमारी की। इस औचक कार्रवाई के दौरान पुलिस ने दोनों परिसरों से कुल 365 बोतल अवैध शराब का भारी जखीरा बरामद किया है। पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए मौके से ही होटल के मैनेजर और दुकान के मालिक को अवैध रूप से शराब बेचते हुए रंगे हाथों धर दबोचा। बालीडीह थाना प्रभारी ने इस सफलता के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस को लंबे समय से गुप्त सूचना और शिकायतें मिल रही थीं कि इस इलाके में होटल और जेनरल स्टोर जैसी सामान्य दुकानों की आड़ में धड़ल्ले से अवैध शराब बेचने का धंधा फल-फूल रहा है।

इस अवैध धंधे को रोकने के लिए तुरंत एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया और जब दोनों ठिकानों पर अचानक पूरी ताकत के साथ दबिश दी गई, तो वहां भारी मात्रा में छिपाई गई शराब बरामद हुई। पुलिस द्वारा जब्त की गई इस खेप में विभिन्न नामी ब्रांडों की 264 बोतलें महंगी विदेशी अंग्रेजी शराब और 101 पीस बियर की बोतलें व केन शामिल हैं। छापेमारी के दौरान जब पुलिस ने आरोपियों से शराब रखने, खरीदने और बेचने से संबंधित वैध सरकारी कागजात मांगे, तो दोनों आरोपी कोई भी दस्तावेज या लाइसेंस पेश नहीं कर सके। इसके बाद पुलिस ने मौके से ही अमर लाइन होटल के मैनेजर अविनाश सिंह और 'सुमित्रा जेनरल स्टोर' के मालिक सूरज कुमार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ उत्पाद अधिनियम की विभिन्न सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर उन्हें सलाखों के पीछे भेज दिया है। अब पुलिस इस बात की गहराई से तफ्तीश कर रही है कि शराब की यह इतनी बड़ी खेप आखिर कहां से लाई गई थी और इस पूरे अवैध सिंडिकेट के मुख्य सप्लायर और किंगपिन कौन-कौन हैं।

नगर निगम ने होल्डिंग टैक्स के रूप में वसूले 32 करोड रूपये

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची। रांची नगर निगम की ओर से वित्तीय वर्ष 2026-27 में होल्डिंग टैक्स संग्रहण अभियान के तहत अबतक 32 करोड़ रुपये की राशि एकत्र की जा चुकी है। कर संग्रहण प्रक्रिया में तेजी लाने और प्रथम तिमाही के लक्ष्य की प्राप्ति सुनिश्चित करने के लिए शुक्रवार को उप नगर आयुक्त गौतम प्रसाद साहू की अध्यक्षता में राजस्व शाखा की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उप नगर आयुक्त ने बताया कि निगम ने 30 जून 2026 तक 50 करोड़ रुपये होल्डिंग टैक्स संग्रहण का लक्ष्य निर्धारित किया है। लक्ष्य प्राप्ति के लिए संबंधित अधिकारियों और कर्मियों को विशेष अभियान चलाकर करदाताओं से संपर्क बढ़ाने, जागरूकता अभियान चलाने और संग्रहण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए गए।

उन्होंने कहा कि करदाताओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से रांची नगर निगम की ओर से 30 जून 2026 तक होल्डिंग टैक्स के एकमुश्त भुगतान पर अधिकतम 10 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है। यह छूट वित्तीय वर्ष 2026-27 के देय होल्डिंग टैक्स पर लागू होगी। उप नगर आयुक्त ने शहरवासियों और करदाताओं से निर्धारित समय सीमा के भीतर कर भुगतान करने की अपील करते हुए कहा कि इससे उन्हें छूट का लाभ मिलेगा और शहर के विकास कार्यों और नागरिक सुविधाओं को सुदृढ़ करने में सहयोग मिलेगा।

बैठक में सहायक नगर आयुक्त, नगर प्रबंधक, कर संग्रहकर्ता और संबंधित एजेंसी के प्रतिनिधि मौजूद थे।

झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन की बैठक में राजमहल प्रखंड इकाई का हुआ गठन, भूदेव कुमार बने अध्यक्ष

राष्ट्रीय मुख्यधारा

राजमहल/साहिबगंज। शहर के डाक बंगला परिसर में शुक्रवार को झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन (जेजेए) की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह बैठक साहिबगंज के जिला प्रभारी शौकत खान के निर्देश पर और राजमहल के प्रभारी अमित चौधरी की उपस्थिति में संपन्न हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन को धरातल पर और अधिक मजबूत बनाना तथा इसके पुनर्गठन की रूपरेखा तैयार करना था। इस दौरान उपस्थित पत्रकारों ने संगठन की एकजुटता और भविष्य की योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की।

बैठक के दौरान सर्वसम्मति से निर्णय लेते हुए झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन की राजमहल प्रखंड इकाई का विधिवत गठन किया गया। नई कार्यकारिणी में भूदेव कुमार को सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना गया, जबकि राहुल कुमार साहा को उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके अलावा, राकेश रमण सरकार को सचिव, कृष्णाकांत स्वर्णकार को संयुक्त सचिव और दिनेश उपाध्याय को कोषाध्यक्ष पद के लिए सर्वसम्मति से चयनित किया गया। नवमनोनीत पदाधिकारियों ने संगठन के हितों की रक्षा और पत्रकारिता के मूल्यों को बनाए रखने का संकल्प लिया।

इस संगठनात्मक बैठक में क्षेत्र के कई गणमान्य पत्रकारों ने हिस्सा लिया, जिनमें मुख्य रूप से मनोज यादव, काशीनाथ यादव, संतोष चौरसिया, शत्रुघ्न हजारी, धनंजय हलदार, अमित कुमार साहा, संदीप कुमार हजारी, प्रदीप कुमार मंडल, उदित यादव, रुपेश मंडल और रतन कुमार सहित कई अन्य सदस्य मौजूद थे। विशेष बात यह रही कि नवनियुक्त अध्यक्ष भूदेव कुमार इस पूरी प्रक्रिया के दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक से जुड़े रहे। बैठक के समापन पर सभी सदस्यों ने नई टीम को बधाई देते हुए संगठन की मजबूती के लिए मिलकर कार्य करने की बात कही।

बोकारो थर्मल का ऐश पौंड छाई से लबालब, मानसून से पहले खाली करने की बड़ी चुनौती

3 कंपनियों में से 2 का काम बंद होने से उठाव आधा, बारिश में निचले इलाकों और नदी में छाई बहने की आशंका

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल के नूरीनगर स्थित डीवीसी के दोनों ऐश पौंड वर्तमान में फ्लाई ऐश (छाई) से पूरी तरह लबालब हो चुके हैं। आगामी मानसून को देखते हुए यहाँ स्थिति भयावह होने की आशंका गहरा गई है। दरअसल, पावर प्लांट से प्रतिदिन करीब 3 से साढ़े 3 हजार मीट्रिक टन छाई निकलकर पौंड में जमा हो रही है, जबकि उसकी तुलना में महज आधा (1500 से 2000 मीट्रिक टन) ही उठाव हो पा रहा है। संकट का मुख्य कारण छाई उठाने वाली 3 कंपनियों में से 2 (वी-टू-वी और जेडीएनएस) का काम बंद होना है। फिलहाल केवल सारण नामक कंपनी ही करीब 30 हाईवा के जरिए छाई का उठाव कर उसे हजारीबाग माइंस और तोपचांची में नेशनल हाईवे कार्यस्थल पर भेज रही है। इसके अलावा ऐश टैक कंपनी द्वारा रेलवे साइडिंग में छाई गिराने का काम किया जा रहा है।

निकासी धीमी होने के कारण 2 नंबर ऐश पौंड से भारी मात्रा में छाई बहकर 2 नंबर सेटलिंग पौंड में चली गई है, जिसे अब पोकलेन और हाईवा की मदद से निकालकर 1 नंबर पौंड में डंप किया जा रहा है। पौंडों में छाई की 10-15 फीट ऊंची दीवार जैसी स्थिति बन गई है। स्थानीय स्तर पर यह गंभीर चिंता जताई जा रही है कि यदि बरसात से पहले इस भारी जमाव को खाली नहीं किया गया, तो बारिश के पानी के साथ बहकर छाई निचले रिहायशी इलाकों और स्थानीय नदी में समा सकती है, जो पर्यावरण और जन स्वास्थ्य के लिहाज से बेहद नुकसानदेह होगा। इस गंभीर मसले पर डीवीसी के ऐश मैनेजमेंट सिस्टम के जीएम एए कुजूर ने प्रबंधन का पक्ष रखते हुए आश्वस्त किया है कि वर्तमान में रोजाना 2 हजार मीट्रिक टन छाई की निकासी जारी है और जल्द ही वाहनों की संख्या और बढ़ाई जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रबंधन पूरी तरह मुस्तैद है और बरसात की शुरुआत से पहले पौंड को तय सीमा तक खाली कर स्थिति को पूरी तरह नियंत्रित कर लिया जाएगा।

RNI : JHAHIN/2014/54374
Rashtria Mukhyadhara
हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

बॉयफ्रेंड ने गर्भपात के लिए डाला था दबाव, दवा लेने के बाद बिगड़ी हालत, मौत

गाजीपुर, एजेंसी। सारनाथ थाना क्षेत्र में 19 साल की नर्सिंग की छात्रा की मौत के मामले में पुलिस जांच कर रही है। हालांकि, मामले में पुलिस को पीड़ित पक्ष की ओर से अभी तहरीर नहीं दी गई, लेकिन हिरासत में लिए गए आरोपी बॉयफ्रेंड ने पूछताछ में जानकारी दी। जौनपुर निवासी आरोपी ने बताया कि छात्रा उसके लिए खाना लेकर सुबह नौ बजे पहुंची। इसके बाद दोनों ने बातचीत की। तीन महीने की प्रेगनेंट होने की बात पर आरोपी ने गर्भपात की दवा खाने का दबाव बनाया। छात्रा के इन्कार करने के बाद भी उसने जबरन दवा लेने को कहा। दबाव में आकर छात्रा ने दवा का सेवन किया। ठीक डेढ़ घंटे बाद छात्रा की हालत बिगड़ी असहनीय दर्द और खून निकलने की वजह से घबरा गई। अस्पताल जाने की तैयारी के बीच सीढ़ियों पर अचेत होकर गिरी। आरोपी के मुताबिक उसने गार्ड की मदद से पास के ही एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया।

- **पुलिस कर रही पड़ताल** – मौत होने के बाद वहां से भागकर जौनपुर चला गया। पूछताछ में ये भी सामने आया कि दोनों 18 महीने से एक-दूसरे के संपर्क में थे। सात महीने पहले भी गर्भपात की दवा दी थी। उसे लगा कि पहले की तरह इस बार भी सब ठीक हो जाएगा, लेकिन मामला बिगड़ गया।

आईएमएस बीएचयू स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. ममता का कहना है कि नौ सप्ताह की प्रेग्नेंसी के बाद किसी तरह की कोई गर्भपात की दवा नहीं खिलानी चाहिए। इससे महिला को जान का खतरा रहता है। बिना डॉक्टर की सलाह से दवाएं लेने जानलेवा हो सकता है पीड़ित परिवार की तरफ से तहरीर नहीं मिली है। आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। मामले से जुड़ी अन्य जानकारी भी जुटाई जा रही हैं। छात्रा किन परिस्थितियों में हॉस्टल पहुंची, इसकी भी जांच की जा रही है। तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

– डीसीपी प्रमोद कुमार

एक ही परिवार के तीन लोगों को नौकरी, कई के दस्तावेज पर भी सवाल

वाराणसी, एजेंसी। आईएमएस-बीएचयू में हाल ही में आउटसोर्सिंग के माध्यम से 22 पदों पर हुई नियुक्तियों पर सवाल उठने लगे हैं। भर्ती प्रक्रिया को लेकर कुलपति को भेजी गई छह पेज की शिकायत में कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं। शिकायत के अनुसार एक ही परिवार के तीन सदस्यों (एक भाई और दो बहनों) को नौकरी दी गई है। इसके अलावा तकनीकी कौशल से जुड़े कई पदों पर न्यूनतम योग्यता हाईस्कूल होने के बावजूद फेल अथवा ग्रेस अंक के आधार पर उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के चयन का भी आरोप लगाया गया है। शिकायत में चयनित अभ्यर्थियों के शैक्षणिक प्रमाणपत्रों की वैधता पर भी सवाल उठाए गए हैं। शिकायतकर्ता ने पूरे मामले की स्वतंत्र एजेंसी से उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। आईएमएस-बीएचयू में आउटसोर्सिंग मद से कंप्यूटर स्किल्ड वर्कर, कंप्यूटर प्रोफेशनल, एसी मैकेनिकल, बॉडी लिफ्टर, ऑडियोमेट्री एवं स्पीच थेरेपी, ओटी टेक्नीशियन सहित 22 पदों पर नियुक्तियां की गई हैं। गोरखपुर निवासी प्रदीप ने ईमेल के माध्यम से कुलपति को शिकायत भेजी है और उसकी प्रति भी संबंधित अधिकारियों को प्रेषित की है। शिकायत के अनुसार एक ही परिवार के एक बेटे को कंप्यूटर स्किल्ड वर्कर (कुशल) पद पर नियुक्त किया गया है, जबकि उसकी दो बहनों को कंप्यूटर प्रोफेशनल (कुशल) पद पर तैनाती दी गई है।

यूपी में आंधी और बारिश ने मचाई तबाही, पेड़ ओर खंभे गिरे, सात लोगों की मौत

बरेली में ब्लैकआउट जैसे हालात

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश में बुधवार रात आई आंधी और बारिश ने जमकर तबाही मचाई। कई जगहों पर खंभे और पेड़ गिरने से बिजली आपूर्ति ठप होने के साथ-साथ वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। बरेली में तो ब्लैकआउट जैसे हालात रहे। इस दौरान कौशाम्बी में दो, झांसी, बरेली, अलीगढ़, देवरिया और मेरठ में एक-एक व्यक्ति समेत सात लोगों की मौत हो गई। बरेली में आई आंधी के दौरान दो सौ खंभे गिरने से बिजली व्यवस्था बेपटरी हो गई। जिले में ब्लैकआउट जैसी स्थिति रही। यहां एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दरोगा सहित नौ घायल हो गए। अलीगढ़ में चीनी मिल के पास स्थित जेके सीमेंट फैक्टरी की चेक पोस्ट गिर गई। इसमें दबकर ड्यूटी पर तैनात गार्ड इंद्रजीत (35) की मौत हो गई। बारिश के बीच तेज आंधी से मुजफ्फरनगर में दीवार गिरने से एक मजदूर की मौत हो गई। मेरठ में करीब 70 पेड़ गिर गए। करीब सौ बिजली के खंभे उखड़ने से आपूर्ति बाधित हो गई। वहीं, हल्की बारिश होने से सहारनपुर, शामली, बिजनौर, बागपत में तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। बुलंदशहर में अहमदगढ़ क्षेत्र में घर की छत पर टावर गिर गया। जगह-जगह 300 से अधिक पेड़ टूट कर गिर गए। कई जगह होर्डिंग टूट गए । गोरखपुर में बुधवार रात से शुरू हुई झमाझम बारिश बृहस्पतिवार सुबह तक होती रही। छह घंटे तक कभी तेज तो कभी रिमझिम बारिश का असर तापमान पर भी पड़ा। मथुरा में बृहस्पतिवार रात आठ बजे 100 किमी. प्रति घंटे की रफ्तार से आए तूफान ने तबाही मचाई। दर्जनों पेड़-होर्डिंग और खंभे गिरने से सैकड़ों गांवों की बिजली गुल हो गई। पूर्वांचल में बलिया, जौनपुर और चंदौली में बिजली के खंभे और पेड़ गिर गए। मऊ में बारिश के बीच बिजली गिरने से मधुबन क्षेत्र के बिंदटोलिया गांव के संजय साहनी (40) झुलस गए।

पारा गिरने से राहत, आज भी बारिश के आसार

प्रदेश में बृहस्पतिवार को मौसम ने करवट लिया और कई जिलों में तेज रफ्तार हवाओं के साथ अच्छी बारिश देखने को मिली। इससे लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली गोरखपुर में सर्वाधिक 75 मिमी बारिश दर्ज हुई। वहीं बलिया में 64 मिमी, बाराबंकी और संत कबीर नगर में 48 मिमी बारिश हुई। पश्चिमी यूपी के कुछ जिलों में 70 से 90 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार वाली हवाएं चलीं। शुक्रवार के लिए प्रदेश के 19 जिलों में गरज चमक व आंधी का ऑरेंज अलर्ट है। वहीं 12 जिलों में ओलावृष्टि की आशंका जताई गई है।

पूर्वांचल की ताकत बढ़ी, पश्चिम की घटी, आंकड़ों में 11 जिलों में सबसे ज्यादा घटे मतदाता

लखनऊ, एजेंसी। यूपी के पंचायत मतदाताओं का नया भूगोल सामने आया है। त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचक नामावली-2025-26 के आंकड़े बताते हैं कि ग्रामीण वोट बैंक का संतुलन तेजी से बदल रहा है। एक तरफ पूर्वांचल के कई जिलों में पंचायत मतदाताओं की संख्या रिकॉर्ड स्तर पर बढ़ी है तो दूसरी तरफ शहरीकरण और पलायन की वजह से 11 जिलों में पंचायत वोट बैंक सिमट गया है। इनमें पश्चिम के पांच जिले शामिल हैं। सबसे चौंकाने वाली तस्वीर गाजीपुर की है, जहां पंचायत मतदाताओं की संख्या में 94,757 की कमी दर्ज हुई है। मैनपुरी में 93,207 और आजमगढ़ में 60,347 मतदाता घटे हैं। वाराणसी में 41,397, एटा में 23,429, आगरा में 23,294,

गौतमबुद्धनगर में मतदाताओं की संख्या सबसे कम

एनसीआर के जिले पंचायत व्यवस्था से सबसे तेजी से दूर होते नजर आ रहे हैं। गौतमबुद्धनगर में पंचायत मतदाताओं की कुल संख्या केवल 2.09 लाख रह गई है, जो पूरे प्रदेश में सबसे कम है। गाजियाबाद में यह संख्या 4.56 लाख है। दूसरी ओर जौनपुर में 36.97 लाख, आजमगढ़ में 35.76 लाख, प्रयागराज में 34.95 लाख और गोरखपुर में 29.63 लाख

ऊर्जा मंत्री व पावर कार्पोरेशन की अनबन सामने आई, मंत्री बोले- बदनाम करने वालों का तबादला करें

लखनऊ, एजेंसी। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा और पॉवर कॉर्पोरेशन के बीच अंदरखाने चल रही अनबन बृहस्पतिवार को खुलकर सामने आ गई। ऊर्जा मंत्री ने पॉवर कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष डा. आशीष कुमार गोयल पर पत्र लिखकर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं। मंत्री ने कहा है कि गर्मी में कई विद्युत कर्मियों ने निष्ठापूर्वक कार्य किया है, लेकिन कुछ कर्मियों ने लापरवाही कर सरकार को बदनाम किया। ऐसे कर्मियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए। वर्तमान ट्रांसफर सीजन में इनका यथायोग्य तबादला किया जाए। इस बारे में उन्हें भी जानकारी दें।

बिना बताए बाहर जाने पर जताई आपत्ति –पत्र में लिखा है कि मई में आंधी तूफान के कारण विद्युत अवसंरचना बुरी तरह प्रभावित हुई है। 30 मई की समीक्षा बैठक में पता चला कि ऐसी चुनौतीपूर्ण समय में आप मुख्यालय से बाहर हैं। आगे भी तीन दिन बाहर रहेंगे। आग्रह करने पर ऑनलाइन बैठक हुई। किसी भी उच्चअधिकारी का यह व्यवहार जनहित के विपरीत एवं गैरजिम्मेदाराना है। भविष्य में मुख्यालय छोड़ने से पहले मुझे अवगत कराया जाए।

जब प्रबंधन मंत्री की नहीं सुन रहा तो किसकी सुनेगा – वर्मा –राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने ईंधन अधिभार शुल्क वसूली पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। कहा, जब पॉवर कॉर्पोरेशन ऊर्जा मंत्री और नियामक आयोग का नहीं सुन रहा है तो किसकी सुनेगा? उन्होंने पूरे मामले में सीएम योगी से हस्तक्षेप करने और उपभोक्ताओं को राहत दिलाने की मांग की है। वर्मा ने कहा कि विद्युत नियामक आयोग पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि जून में 10 प्रतिशत ईंधन अधिभार शुल्क लगाना सीधे तौर पर कानून का उल्लंघन है। अब ऊर्जा मंत्री ने भी यह कहा जाना कि उन्हें इस निर्णय की जानकारी सोशल मीडिया मिली। इस विषय पर उनसे कोई राय नहीं ली गई यह अत्यंत गंभीर प्रश्न खड़े करता है। कहा कि उन्होंने गर्मी शुरू होने से पहले ही चेतावनी दी थी कि वर्टिकल व्यवस्था विफल हो रही है। संविदा कार्मिकों की कमी के कारण बिजली आपूर्ति एवं अनुरक्षण व्यवस्था प्रभावित होगी।

तीन साल से लंबित हैं मंत्री के निर्देश – समिति

लखनऊ। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने बृहस्पतिवार को पॉवर कॉर्पोरेशन अध्यक्ष डॉ. आशीष गोयल को ज्ञापन सौंपा। समिति ने मार्च 2023 के आंदोलन से संबंधित सभी उत्पीड़नात्मक कार्रवाइयां तत्काल वापस लेने की मांग की। ज्ञापन में बताया गया है कि ऊर्जा मंत्री के निर्देशों का तीन साल बाद भी पालन नहीं हुआ है।

अशरफिया मदरसे के प्रबंधक को परिषद ने जारी किया नोटिस, 15 दिन में मांगा जवाबः मान्यता को निरस्त कर दिया था

वाराणसी, एजेंसी। उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा परिषद ने मदरसा अशरफिया मिस्बाहुल उलूम, मुबारकपुर के प्रबंधक को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। परिषद ने 15 दिन में स्पष्टीकरण और अभिलेख तलब किए हैं। यह कार्रवाई इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन में की गई है। बता दें कि उच्च न्यायालय ने नौ जनवरी 2026 को मदरसे की निलंबित मान्यता को निरस्त कर दिया था। न्यायालय ने यह कहते हुए निलंबन रद किया था कि संबंधित पक्ष को जवाब देने का पर्याप्त समय नहीं मिला था। इसके बाद न्यायालय ने परिषद को मामले में नया और कारणयुक्त आदेश पारित करने के निर्देश दिए थे। परिषद ने मदरसा प्रबंधन से कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर स्पष्टीकरण मांगा है। परिषद ने मदरसा प्रबंधन को नोटिस प्राप्त होने के 15 दिनों के भीतर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। प्रबंधन को सभी आवश्यक अभिलेखों के साथ जवाब देना अनिवार्य है। निर्धारित अवधि में उत्तर न मिलने पर परिषद आगे की कार्रवाई करेगी। इस स्थिति में उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर एकपक्षीय निर्णय लिया जा सकता है। - वर्षा अग्रवाल, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी।

नोटिस के प्रमुख बिंदु

नोटिस में पूर्व शिक्षक शमशुल होदा खान के विदेश प्रवास से जुड़ी जानकारी मांगी गई है। उनकी इंग्लैंड की नागरिकता प्राप्त करने के संबंध में भी स्पष्टीकरण मांगा गया है। उनके दीर्घकालिक अवैतनिक अवकाश के अभिलेख तलब किए गए हैं। चिकित्सा अवकाश से संबंधित दस्तावेज मांगे गए हैं। परिषद ने उनके वेतन भुगतान और सेवा अभिलेखों से संबंधित तथ्यों की भी जानकारी मांगी है। यह सभी बिंदु मदरसे की मान्यता पर फिर से संकट खड़े कर रहे हैं।

सरकारी धन के दुरुपयोग की आशंका

परिषद ने प्रथम दृष्टया आशंका जताई है कि यदि किसी व्यक्ति ने विदेशी नागरिकता प्राप्त कर ली थी। उसे शिक्षक के रूप में दर्शाकर वेतन दिया गया, तो यह सरकारी धन का दुरुपयोग है। यह वित्तीय अनियमितता और अभिलेखीय कूटरचना जैसे गंभीर प्रश्न उत्पन्न होते हैं। नोटिस में आरोप है कि प्रबंधन ने वास्तविक अनुपस्थिति के बावजूद शिक्षक को कार्यरत दिखाया। इससे सार्वजनिक धन का भुगतान हुआ, जो प्रशासनिक कदाचार की श्रेणी में आता है।

निर्धारित समय पर अंक न भरने वाले परीक्षक होंगे निष्कासित

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी सहित प्रदेश के सभी पॉलीटेक्निक संस्थानों की डिप्लोमा इंजीनियरिंग की प्रयोगात्मक परीक्षा 20 जून तक आयोजित होगी। परीक्षा के साथ साथ निर्धारित समय पर अंक भरना जरूरी है। ऐसा न करने वाले परीक्षकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी और उन्हें आगामी परीक्षाओं से डिबार (निष्कासित) कर दिया जाएगा। प्राविधिक शिक्षा परिषद के सचिव डॉ. संतोष कुमार सिंह ने इस संबंध में सभी राजकीय, अनुदानित और पीपीपी मोड की निजी संस्थाओं के प्रधानाचार्यों व निदेशकों को सख्त निर्देश दिए हैं। परिषद ने स्पष्ट किया है कि सभी प्रयोगात्मक परीक्षाएं सीसीटीवी युक्त कमरों में संपन्न कराई जाएंगी। निजी क्षेत्र की संस्थाओं को परीक्षा पूरी होने के बाद पूरी रिकॉर्डिंग एक पेनड्राइव में सुरक्षित कर परिषद कार्यालय के अनुभाग-चार को सौंपनी होगी। यदि कोई छात्र परीक्षा से छूट जाता है तो इसकी पूरी जिम्मेदारी कॉलेज प्रशासन की होगी। परीक्षाएं परिषद की ओर से आवंटित परीक्षकों द्वारा ही कराई जाएंगी, जिन्हें इस सूचना को पूरी तरह गोपनीय रखना होगा।

ट्रेन में चढ़ते समय दंपति फिसले, पति की मौत, पत्नी गंभीर, बेसहारा हुईं ढाई माह, तीन व पांच साल की बेटियां

बाराबंकी, एजेंसी। बाराबंकी शहर के रेलवे स्टेशन पर बृहस्पतिवार देर शाम एक चलती ट्रेन में चढ़ने के दौरान युवक का पैर फिसल गया और वह ट्रेन के पहियों की चपेट में आ गया। उसे बचाने की कोशिश में उसकी पत्नी भी ट्रेन से नीचे गिर गई। हादसे में युवक की मौत हो गई जबकि उसकी पत्नी को चिंताजनक हालत में केजीएमयू रेफर किया गया है। घटना में दंपति के तीन मासूम बच्चे बच गए। वह स्टेशन पर बिलखते रहे, जिन्हें रेलवे सुरक्षा बल ने अपने संरक्षण में लिया। जीआरपी थाना प्रभारी के अनुसार, आजमगढ़ जिले के लाटघाट क्षेत्र के मुहम्मदपुर गांव निवासी मनोज कुमार (35) और उनकी पत्नी वंदना (34) लखनऊ के गोमतीनगर में रहकर काम करते हैं। दोनों अपने तीन बच्चों के साथ आजमगढ़ जाने के लिए बाराबंकी रेलवे स्टेशन पहुंचे थे। रात करीब नौ बजे उत्सर्ग एक्सप्रेस प्लेटफॉर्म नंबर दो पर पहुंची। भीड़ अधिक होने के कारण वंदना पांच साल की बेटी हिमांशी, चार साल की मीठी व ढाई माह के दुधमुंहे बच्चे को लेकर लेकर पहले ट्रेन में चढ़ गईं। इसी दौरान मनोज ट्रेन में चढ़ने का प्रयास कर रहे थे। उनकी पीठ पर भारी बैग था। तभी ट्रेन चल पड़ी और संतुलन बिगड़ने से उनका पैर फिसल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मनोज काफी दूर तक ट्रेन का हैंडल पकड़कर घिसटते रहे। पति को संकट में देख वंदना ने गोद से बच्चे को ट्रेन में एक यात्री के हवाले कर दरवाजे से उनका हाथ पकड़कर ऊपर खींचने की कोशिश की, लेकिन संतुलन बिगड़ने से वह भी नीचे गिर गईं। दोनों कुछ दूरी तक ट्रेन के साथ घिसटते चले गए। शोर-शराबा सुनकर लोको पायलट ने ट्रेन रोक दी। सूचना पर पहुंची रेलवे सुरक्षा बल और अन्य रेलकर्मियों ने तत्काल दोनों को बाहर निकाला। साथ ही ट्रेन में मौजूद तीनों बच्चों को सुरक्षित नीचे उतारा गया। गंभीर रूप से घायल दंपति को जिला अस्पताल भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने मनोज कुमार को मृत घोषित कर दिया। वंदना की हालत अत्यंत गंभीर होने पर उन्हें उपचार के लिए लखनऊ के केजीएमयू रेफर कर दिया गया। घटना से सभी अवाक रह गए।

ढाई माह की बहन को गोद में लिए पूछती रही हिमांशी.. पापा आ जाएंगे न

बाराबंकी रेलवे स्टेशन, रात 9:30 बजे...आरपीएफ पोस्ट के बाहर पांच साल की हिमांशी अपनी ढाई माह की बहन को गोद में लिए बार-बार एक ही सवाल पूछ रही थी ....मम्मी-पापा कब आएंगे...? उसे नहीं पता था कि कुछ ही मिनट पहले उसके सामने उसकी दुनिया बिखर चुकी है। पास ही चार साल की मीठी रोते-रोते इतनी थक गई कि आरपीएफ पोस्ट के फर्श पर ही सो गई। ढाई माह की मासूम बच्ची बुखार से तप रही थी और लगातार रो रही थी। उसे चुप कराने के लिए एक महिला पुलिसकर्मी उसे गोद में लेकर दुलार रही थी। वह कभी बच्चे को संभालती तो कभी हिमांशी को समझाने की कोशिश करती, लेकिन मासूम बच्ची की नजरें बार-बार स्टेशन की तरफ उठ जाती थीं। आरपीएफ पोस्ट पर मौजूद हर शख्स की आंखें नम थीं। बच्चों की बेबसी देखकर पुलिसकर्मी भी भावुक हो उठे। संवाद न्यूज एजेंसी के प्रतिनिधि ने बच्चों की हालत की जानकारी सीएमओ डॉ. रंजन गौतम को दी। बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण और जरूरी चिकित्सकीय सहायता की व्यवस्था के निर्देश दिए गए। रात गहराती जा रही थी, लेकिन हिमांशी का इंतजार खत्म नहीं हो रहा था। वह बार-बार कह रही थी.. मेरी मम्मी-पापा को बुला दो...।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

नेपाल में प्रचंड और बाबूराम भट्टराई के खिलाफ कानूनी कार्रवाई का परमादेश जारी

काठमांडू। पूर्व बाल सैनिकों से संबंधित मामले में नेपाल के उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को परमादेश जारी किया, जिससे देश के दो पूर्व प्रधानमंत्रियों और माओवादी नेताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई का रास्ता साफ हो गया है। माओवादी सशस्त्र सेना में रहे लेनिन बिष्ट और अन्य की ओर से दायर इस याचिका में पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहाल 'प्रचंड' और डॉ. बाबूराम भट्टराई को भी प्रतिवादी बनाया गया था। उच्चतम न्यायालय ने याचिकाकर्ताओं के पक्ष में फैसला सुनाते हुए रिट याचिका में उठाई गई मांगों के अनुरूप परमादेश जारी किया। लंबे समय से चल रहे इस कानूनी मामले में न्यायालय का यह फैसला एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है। इस फैसले को नेपाल के सशस्त्र संघर्ष के दौरान बाल सैनिकों की भर्ती से जुड़े आरोपों पर आगे कानूनी प्रक्रिया का मार्ग प्रशस्त करने वाले कदम के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि, इसके वास्तविक कानूनी प्रभावों का निर्धारण न्यायालय के पूर्ण फैसले की सामग्री सामने आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए लेनिन बिष्ट ने न्याय और पूर्व बाल सैनिकों की एकता के अभियान में सहयोग करने वाले सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में बिष्ट ने कहा, "पूर्व बाल सैनिकों के लिए न्याय और एकता की लड़ाई में योगदान देने वाले सभी लोगों को बधाई। आज हमने एक बड़ी लड़ाई जीत ली है। उच्चतम न्यायालय की पूर्ण पीठ ने परमादेश जारी किया है। आप सभी का एक बार फिर धन्यवाद।" उच्चतम न्यायालय ने अभी फैसले का पूर्ण पाठ सार्वजनिक नहीं किया है, जिसकी प्रतीक्षा है।

मप्र के कूनों में चीतों की निगरानी के लिए तैनात जर्मन शेफर्ड डॉग की मौत

श्योपुर। मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले में स्थित प्रसिद्ध कूनो राष्ट्रीय उद्यान में चीतों की निगरानी और ट्रैकिंग के लिए तैनात विशेष रूप से प्रशिक्षित जर्मन शेफर्ड डॉग की मौत हो गई है। कूनो के डीएफओ और डिप्टी डायरेक्टर आर. थिरुकुरल ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की। उन्होंने बताया कि कूनो का यह जर्मन शेफर्ड कोई साधारण डॉग नहीं था। जंगल में चीतों की हरकत पर नजर रखने में वन विभाग की मदद करना उसकी जिम्मेदारी थी। डॉग का काम चीतों की ट्रेकिंग, गश्त के साथ वन अमले की सहायता करना था। बुधवार की शाम को कूनो में ट्रैकिंग डॉग की मौत हुई है। मौत के स्पष्ट कारण अभी सामने नहीं आए हैं,

लेकिन चीता प्रबंधन की टीम द्वारा प्रारम्भिक तौर पर हार्टअटैक को मृत्यु का कारण मान रहे हैं, जबकि स्थानीय स्तर पर डॉग के किसी वाहन की चपेट में आने से मौत होने की बात कही जा रही है। कूनो में डॉग की देखरेख के लिए दो हैंडलर तैनात थे। ऐसे में उसकी मौत पर सवाल उठ रहे हैं। कूनो के डिप्टी डायरेक्टर आर. थिरुकुरल का कहना है कि डॉग की मौत के बाद गुरुवार को उसका पोस्टमार्टम कराया गया है। प्रारंभिक जांच में हार्ट अटैक की संभावना जताई जा रही है। उसकी मौत की असली वजह क्या है, यह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल सकेगा।

चुनावी भाषण को लेकर कोलकाता के हेयर स्ट्रीट थाने में ममता बनर्जी के खिलाफ एफआईआर

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी के खिलाफ चुनाव प्रचार के दौरान दिए गए एक विवादित बयान को लेकर राजधानी कोलकाता के हेयर स्ट्रीट थाने में प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की गई है। पुलिस ने लिखित शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान ममता बनर्जी ने एक विशेष समुदाय को लेकर टिप्पणी की थी। अपने भाषण में उन्होंने कहा था कि यदि एक समुदाय एकजुट हो जाए तो वह विरोधियों की "बारह बजा सकता है"। साथ ही उन्होंने लोगों से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ भी भड़काया था। इस बयान को लेकर उस समय भी राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया था। इसके पूर्व इस संबंध में नेताजी सुभाषचंद्र बोस रोड निवासी तुषारकांति दास ने 20 मई को नेताजीनगर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में उन्होंने ममता बनर्जी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की थी। उनका आरोप था कि भले ही किसी समुदाय का नाम सीधे तौर पर नहीं लिया गया हो, लेकिन इस प्रकार की टिप्पणी सांप्रदायिक सौहार्द को प्रभावित कर सकती है और विभिन्न

समुदायों के बीच तनाव पैदा कर सकती है। शिकायतकर्ता ने यह भी दावा किया है कि कोलकाता और आसपास के क्षेत्रों में चुनाव के बाद हुई हिंसा और सांप्रदायिक तनाव के लिए इस प्रकार के बयान जिम्मेदार हो सकते हैं। इसी शिकायत के आधार पर हेयर स्ट्रीट थाने ने मामला दर्ज किया है। एफआईआर में आरोप लगाया गया है कि पूर्व मुख्यमंत्री की टिप्पणी प्रथम दृष्टया उकसाने वाली, भड़काऊ और सांप्रदायिक प्रकृति की प्रतीत होती है। शिकायत में कहा गया है कि इस तरह के बयान से भय, घृणा और गलतफहमी का माहौल बन सकता है तथा विभिन्न समुदायों के बीच शांति और सौहार्द प्रभावित हो सकता है। शिकायतकर्ता का कहना है कि यदि इस प्रकार की टिप्पणियों को गंभीरता से नहीं लिया गया तो इससे राज्य में सांप्रदायिक सद्भाव और लोकतांत्रिक वातावरण को नुकसान पहुंच सकता है। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि चुनाव के दौरान दिया गया यह बयान आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन भी हो सकता है। शिकायतकर्ता ने मामले की निष्पक्ष, पारदर्शी और स्वतंत्र जांच की मांग की है। फिलहाल, पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। मामले में आगे की कार्रवाई जांच के निष्कर्षों के आधार पर की जाएगी।

छत्तीसगढ़ के कांकेर में आकाशीय बिजली गिरने से उपसरपंच सहित तीन की मौत, पांच घायल

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के अंतागढ़ ब्लॉक में आज शुक्रवार सुबह आकाशीय बिजली गिरने से एक उप-सरपंच सहित तीन लोगों की मौत हो गई जबकि पांच लोग घायल हो गए है। घायलों में एक महिला की हालत गंभीर बताई जा रही है। कांकेर जिले के अंतागढ़ ब्लॉक अंतर्गत ग्राम कलगांव में आज सुबह मनरेगा में काम करने के दौरान हुई बारिश से बचने के लिए ग्रामीण पेड़ के नीचे आ गए थे। इसी दौरान आकाशीय बिजली गिरने से एक उप-सरपंच सहित तीन लोगों की मौत हो गई और पांच लोग घायल हो गए है। घायलों में एक महिला की हालत गंभीर बताई जा रही है। मृतकों में संतोष पटेल, प्रकाश पटेल, मनराज पटेल (उपसरपंच) सभी कलगांव के निवासी है। सभी के शव

को पोस्टमार्टम लिए भेज दिया गया है। अंतागढ़ पुलिस के अनुसार ग्राम कलगांव में मनरेगा के तहत तालाब गहरी करण का कार्य किया जा रहा था। सभी ग्रामीण काम में लगे हुए थे। यहां पर करीब 70 ग्रामीण काम कर रहे थे। इस दौरान अचानक मौसम बदला और तेज आंधी के साथ बारिश होने लगी, बारिश से बचने के लिए सभी मजदूर पास के पेड़ के नीचे आ गये । तभी आकाशीय बिजली गिरी, जिसकी चपेट में आठ लोग आ गए। इसमें तीन पुरुषों की मौत हो गई और पांच महिला गंभीर रूप से घायल हो गईं। सभी को तत्काल इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अंतागढ़ में भर्ती कराया गया। एक महिला को जिसकी हालत गंभीर है, उसे इलाज के लिये कांकेर रेफर किया गया है।

मोदी सरकार के 12 वर्ष विकसित भारत की मजबूत नींव के स्वर्णिम वर्ष

एजेंसी, शिमला

केंद्रीय स्वास्थ्य, परिवार कल्याण, रसायन एवं उर्वरक मंत्री तथा भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष देश के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह अवधि केवल एक सरकार का कार्यकाल नहीं, बल्कि विकसित भारत की मजबूत आधारशिला रखने वाले परिवर्तनकारी वर्षों का प्रतीक है। भाजपा द्वारा आयोजित "12 साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के" अभियान के तहत शुक्रवार को शिमला में आयोजित बुद्धिजीवी सम्मेलन को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने राजनीति की दिशा और संस्कृति दोनों को बदला है। उन्होंने कहा कि पहले राजनीति जातिवाद, परिवारवाद, तुष्टिकरण और भ्रष्टाचार तक सीमित थी, लेकिन मोदी सरकार ने राजनीति को सेवा, सुशासन और जवाबदेही का माध्यम बनाया है। नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश ने कई ऐतिहासिक निर्णय देखे हैं। जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाना, अयोध्या में श्रीराम मंदिर का निर्माण, मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक से मुक्ति दिलाना और नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) लागू करना ऐसे फैसले हैं, जिन्होंने देश की दिशा और दशा बदलने का कार्य किया है।

उन्होंने कहा कि विकास और जनकल्याण की नीतियों के कारण भाजपा को लगातार तीसरी बार जनता का समर्थन मिला है। देश के अधिकांश नागरिक आज भाजपा और एनडीए शासित राज्यों में निवास कर रहे हैं, जो सरकार की नीतियों पर जनता के विश्वास को दर्शाता है। हिमाचल प्रदेश का उल्लेख करते हुए नड्डा ने कहा कि केंद्र सरकार ने प्रदेश को विकास की नई गति प्रदान की है। बिलासपुर में एम्स की स्थापना, चंबा, हमीरपुर और नाहन में मेडिकल कॉलेजों का निर्माण तथा राष्ट्रीय राजमार्गों और सड़क परियोजनाओं के विस्तार से प्रदेश की तस्वीर बदली है।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत हिमाचल में 14,400 किलोमीटर से अधिक ग्रामीण सड़क नेटवर्क विकसित किया गया है। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत हिमाचल में सभी घरों तक पेयजल सुविधा पहुंचाई गई है। उज्ज्वला योजना के माध्यम से लगभग डेढ़ लाख परिवारों को गैस कनेक्शन मिले हैं, जबकि प्रधानमंत्री आवास योजना से एक लाख से अधिक परिवार लाभान्वित हुए हैं।

महिंद्रा फाइनेंस ऑफिस सागर में युवक ने खुद को लगाई आग

एजेंसी, सागर

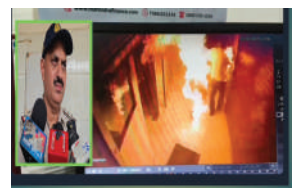

♦ बचाने की कोशिश में ब्रांच मैनेजर भी झुलसा

मध्य प्रदेश के सागर जिले में मकरोनिया थाना क्षेत्र में स्थित महिंद्रा फाइनेंस कंपनी के कार्यालय में शुक्रवार दोपहर एक युवक ने दफ्तर के अंदर ही खुद पर ज्वलनशील पदार्थ (पेट्रोल) डालकर आग लगा ली। देखते ही देखते युवक आग की लपटों से घिर गया। उसे बचाने की कोशिश में कंपनी के ब्रांच मैनेजर भी झुलस गए हैं। दोनों को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस पूरी वारदात का एक रोंगटे खड़े कर देने वाला सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है।

परिजन के अनुसार, राहतगढ़ के रहने वाले नीलेश कुमार जैन ने महिंद्रा फाइनेंस कंपनी से एक कार लोन पर ली थी। किन्हीं कारणों से कार की दो किस्तें बकाया थीं। किस्तें न चुकाने के कारण फाइनेंस कंपनी ने कुछ दिनों पहले दमोह से नीलेश की कार को जब्त कर लिया था। नीलेश कुमार जैन के परिजन (साले) नीलेश जैन ने बताया कि कंपनी के लोग घर पहुंच कर पैसा लाए थे। शुक्रवार को नीलेश इसी सिलसिले में अपनी कार वापस लेने और सेटलमेंट की बात करने मकरोनिया स्थित महिंद्रा फाइनेंस के दफ्तर पहुंचे थे।

प्रत्यक्षदर्शियों और ऑफिस में मौजूद लोगों के मुताबिक, कार्यालय के अंदर नीलेश और फाइनेंस कंपनी के कर्मचारियों के बीच किसी बात को लेकर तीखी बहस शुरू हो गई। विवाद इतना बढ़ गया कि गुस्से और अवसाद में आकर युवक ने अपने पास रखी बोतल से खुद पर पेट्रोल उड़ेल लिया और माचिस जला ली। पलक झपकते ही युवक के पूरे शरीर में आग लग गई, जिससे पूरे ऑफिस में अफरा-तफरी और हड़कंप मच गया।

रंगदारी नहीं देने पर व्यापारी के घर पहुंचे बदमाश, दी जान से मारने की धमकी

एजेंसी, बिजनौर

उत्तर प्रदेश के बिजनौर शहर के एक बड़े व्यापारी को कुछ बदमाशों ने जान से मारने की धमकी देकर रुपये देने की मांग की है । पीड़ित व्यापारी ने पुलिस को जानकारी देते हुए सुरक्षा और कार्यवाही की मांग की है |

बृहस्पतिवार की रात्रि को व्यापारी विनीत अग्रवाल उर्फ लालू निवासी नई बस्ती के घर पर दो पहिया वाहन से आये चार युवकों ने फोन करके बाहर आने व रुपये नहीं देने पर मारने की बात कही। गली में शोर शराबा सुनकर आसपास के कई लोग भी बाहर आ गये तो चारों युवक व्यापारी को मारने की धमकी देते हुए भाग गये| व्यापारी विनीत अग्रवाल ने 112 डायल पर फोन कर पुलिस को घटनाक्रम की जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने व्यापारी के बयान दर्ज किए हैं |

व्यापारी ने पुलिस क्षेत्राधिकारी को इस मामले की लिखित शिकायत करते हुए कहा है कि सत्यम चौधरी , अर्जुन कर्णवाल, गोलू सहित चार युवक मेरे घर आकर जान से मारने की धमकी देते हुए रुपये की मांग कर रहे थे। रुपए न देने पर मारने की धमकी देकर गए हैं। उन्होंने इन बदमाशों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है | थाना बिजनौर शहर कोतवाली प्रभारी अमर सिंह राठौड़ ने बताया की पुलिस क्षेत्राधिकारी को व्यापारी विनीत द्वारा दी गई तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है तथा मामले की जांच की जा रही है |

भारत आज दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है : शुभेंदु अधिकारी

एजेंसी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा है कि एक समय आधारभूत संरचना विकास के मामले में पिछड़ने वाला भारत आज दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। उन्होंने इस बदलाव का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार के पिछले 12 वर्षों के कार्यकाल को दिया। केंद्र में एनडीए सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के अवसर पर शुक्रवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन में मुख्यमंत्री ने देश में हुए आर्थिक और आधारभूत संरचना विकास का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत किया।

उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में देशभर में 1317 नए और आधुनिकीकृत रेलवे स्टेशन विकसित किए गए हैं। इसके अलावा देश के विभिन्न हिस्सों में 164 से अधिक वंदे भारत ट्रेनें संचालित हो रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक समय राजधानी एक्सप्रेस और शताब्दी एक्सप्रेस आधुनिक रेल सेवा की पहचान थीं, लेकिन आज वंदे भारत ट्रेनें नए भारत की आकांक्षाओं का प्रतीक बन चुकी हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के एक छोर से दूसरे छोर तक की दूरी और यात्रा का समय कम हुआ है, जिससे आर्थिक गतिविधियों की गति भी तेज हुई है।

नागरिक उड्डयन क्षेत्र में हुई प्रगति का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 में देश में 74 हवाई अड्डे थे, जबकि आज उनकी संख्या दोगुने से भी अधिक हो चुकी है। उन्होंने दावा किया कि पिछले 12 वर्षों में देश में 90 से अधिक नए हवाई अड्डों का निर्माण किया गया है। सड़क और परिवहन क्षेत्र का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अवधि में लगभग चार लाख किलोमीटर सड़कों का निर्माण हुआ है। राष्ट्रीय राजमार्गों का विस्तार किया गया है तथा सीमावर्ती और दूरदराज के क्षेत्रों में संपर्क व्यवस्था को मजबूत किया गया है।

उन्होंने कहा कि इन विकास कार्यों ने देश की आर्थिक संरचना को सकारात्मक रूप से बदल दिया है। विकास अब केवल महानगरों तक सीमित नहीं है, बल्कि गांवों और दूरस्थ क्षेत्रों तक भी पहुंच चुका है। पश्चिम बंगाल के संदर्भ में मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में नई सरकार के गठन के मात्र एक महीने के भीतर केंद्र और राज्य सरकार के बीच बेहतर समन्वय के कारण विकास कार्यों में तेजी आई है।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री लगातार पश्चिम बंगाल का दौरा कर रहे हैं और राज्य सरकार के प्रतिनिधि भी नियमित रूप से दिल्ली जा रहे हैं। इससे विभिन्न परियोजनाओं की स्वीकृति और क्रियान्वयन की प्रक्रिया तेज हुई है। मुख्यमंत्री ने यह भी पुष्टि की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस महीने के अंत में दो दिवसीय पश्चिम बंगाल दौरे पर आएंगे। उन्होंने बताया कि 20 जून को पहली बार मनाए जाने वाले 'बंगाल स्थापना दिवस' के अवसर पर प्रधानमंत्री हुगली जिले के तारकेश्वर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। इस दौरान वह राज्य के लिए कई विकास परियोजनाओं की घोषणा भी कर सकते हैं।

छत्तीसगढ़ में निवेश के लिए बिछा रेड कारपेट 9,580 करोड़ रुपये के मिले प्रस्ताव

एजेंसी, रायपुर

♦ इन्वेस्टर कनेक्ट में हैदराबाद के निवेशकों को मुख्यमंत्री साय का निमंत्रण, आईटी, टेक्सटाइल, डेटा सेंटर, फार्मा के क्षेत्र में खुली 7,800 रोजगार की राह

छत्तीसगढ़ ने निवेश आकर्षित करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। हैदराबाद में आयोजित 'छत्तीसगढ़ इन्वेस्टर कनेक्ट' कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों की सात प्रमुख कंपनियों ने 9,580 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव दिए हैं, जिनसे 7,800 से अधिक रोजगार सृजित होने की संभावना है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने देश के प्रमुख उद्योगपतियों और निवेशकों को छत्तीसगढ़ में निवेश के लिए आमंत्रित करते हुए कहा विकसित भारत के ग्रोथ इंजन के रूप में छत्तीसगढ़ तेजी से उभर रहा है और राज्य में निवेशकों के लिए 'रेड कारपेट' बिछा हुआ है। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन सहित दक्षिण भारत के कई बड़े उद्योगपति, निवेशक और कारोबारी प्रतिनिधि मौजूद रहे।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री साय ने बताया कि नई औद्योगिक नीति लागू होने के बाद दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु के साथ-साथ जापान और दक्षिण कोरिया में आयोजित इन्वेस्टर कनेक्ट कार्यक्रमों के माध्यम से राज्य को 8 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। राज्य सरकार इन प्रस्तावों को धरातल पर उतारने के लिए तेजी से कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ आज निवेश के लिए देश के सबसे बेहतर राज्यों में से एक बनकर उभर रहा है। राज्य में उद्योगों के लिए आसान प्रक्रियाएं, सिंगल विंडो व्यवस्था, बेहतर बुनियादी सुविधाएं और उद्योग अनुकूल नीतियां उपलब्ध हैं। उन्होंने निवेशकों को छत्तीसगढ़ में उद्योग स्थापित करने का आमंत्रण दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हैदराबाद ने आईटी, फार्मा, बायोटेक्नोलॉजी और एयरोस्पेस जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। छत्तीसगढ़ भी इन क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है और दोनों राज्यों के उद्योगपति एवं उद्यमी मिलकर नए अवसरों का लाभ उठा सकते हैं। उन्होंने कहा कि मध्य भारत में स्थित छत्तीसगढ़ देश का सबसे उपयुक्त लॉजिस्टिक हब बनने की क्षमता रखता है। छत्तीसगढ़ सात राज्यों से घिरा हुआ है और 60 करोड़ से अधिक उपभोक्ताओं तक सीधी पहुंच प्रदान करता है।

अपराध की जड़ है संस्कारों की कमीः कुमार रणविजय सिंह

एजेंसी, मुरादाबाद

संवेदना वेलफेयर सोसाइटी मुरादाबाद द्वारा आयोजित 10 दिवसीय संस्कार शिविर का समापन समारोह शुक्रवार को रंगारंग संस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक नगर कुमार रणविजय सिंह ने कहा कि एक पुलिस अधिकारी के रूप में मैं रोज़ देखता हूँ कि अपराध की जड़ संस्कारों की कमी से है। यदि हम बचपन से ही बच्चों को सही-गलत का भेद, अनुशासन और नैतिकता सिखा दें, तो समाज स्वतः सुरक्षित हो जाएगा।

पुलिस अधीक्षक नगर ने आगे कहा कि संवेदना वेलफेयर सोसाइटी का यह संस्कार शिविर समाज निर्माण की दिशा में एक सराहनीय कदम है साथ ही मैं इन बच्चों में कल का अनुशासित और जिम्मेदार भारत देख रहा हूं। विद्यालय की निर्देशिका मेजर डा. मीनू मेहरोत्रा ने कहा कि संस्कार शिविर केवल दस दिन का आयोजन नहीं, बल्कि जीवन भर की पूँजी है।

विशिष्ट अतिथि के रूप मे कर्मयोगी विद्यापीठ अहमदाबाद से आए स्वामी कृष्णदेव झा ने कहा कि मां बच्चे की पहली गुरु है और उसके दिए संस्कार जीवन की नींव बनाते हैं। विशिष्ट अतिथि प्रताप सिंह गर्ल्स इंटर कालेज की प्रधानाचार्या सीमा शर्मा ने रामचरितमानस के आदर्शों को जीवन में उतारने पर जोर दिया।

दो दिवसीय दौरे पर उत्तराखंड पहुंचीं राष्ट्रपति मुर्मु

एजेंसी, देहरादून

♦ आईएमए की पासिंग आउट परेड में होंगी मुख्य अतिथि
♦ जौलीग्रांट एयर पोर्ट पर राज्यपाल व मुख्यमंत्री की अगुवाई में स्वागत

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु दो दिवसीय दौरे पर शुक्रवार को उत्तराखंड पहुंच गईं। जौलीग्रांट एयरपोर्ट पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक, मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ ने पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, राष्ट्रपति आज देहरादून स्थित राष्ट्रपति निकेतन का दौरा करेंगी। यहां वे राष्ट्रपति आशियाना परिसर में 132 एकड़ के विशाल क्षेत्रफल में विकसित किए जा रहे अत्याधुनिक राष्ट्रपति उद्यान के निर्माण और विकास कार्यों का अवलोकन करेंगी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 13 जून को आईएमए की पासिंग आउट परेड में शामिल होंगी। देहरादून स्थित भारतीय सेना अकादमी में 13 जून को आयोजित होने वाली स्प्रिंग टर्म 2026 की पासिंग आउट परेड (पीओपी) में राष्ट्रपति मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। राष्ट्रपति परेड की समीक्षा करेंगी और नवप्रशिक्षित कैडेटों को सलामी देंगी। राष्ट्रपति के उत्तराखंड दौरे को देखते हुए देहरादून में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है व यातायात और ड्रोन प्रतिबंध संबंधी व्यवस्थाएं लागू की गई हैं।

मेट्टूर बांध से नहीं छोड़ा गया पानी, कावेरी डेल्टा के 16 लाख एकड़ कृषि क्षेत्र पर संकट, किसान निराश

एजेंसी, सेलम

तमिलनाडु के कावेरी डेल्टा क्षेत्र के लाखों किसानों को शुक्रवार को उस समय निराशा का सामना करना पड़ा, जब निर्धारित तिथि 12 जून को मेट्टूर बांध से कुरुवई (प्रारंभिक धान) फसल की सिंचाई के लिए पानी नहीं छोड़ा गया। बांध में जलस्तर और जल भंडारण अपेक्षित स्तर से कम होने के कारण इस वर्ष भी सिंचाई सत्र की शुरुआत समय पर नहीं हो सकी। मेट्टूर बांध कावेरी डेल्टा के 12 जिलों की लगभग 16.05 लाख एकड़ कृषि भूमि के लिए जीवनरेखा माना जाता है। परंपरा के अनुसार हर वर्ष 12 जून से 28 जनवरी तक डेल्टा क्षेत्र में सिंचाई के लिए बांध से पानी छोड़ा जाता है। इसके लिए बांध का जलस्तर कम से कम 90 फीट और जल प्रवाह पर्याप्त होना आवश्यक माना जाता है, ताकि कुरुवई धान की खेती समय पर शुरू हो सके।

हालांकि इस वर्ष 12 जून को मेट्टूर बांध का जलस्तर केवल 79.62 फीट दर्ज किया गया, जबकि जल प्रवाह महज 424 क्यूसेक रहा। जल भंडारण और आवक दोनों ही अपेक्षा से कम होने के कारण सिंचाई के लिए पानी छोड़ना संभव नहीं हो पाया। इस स्थिति ने कावेरी डेल्टा के किसानों की चिंताएं बढ़ा दी हैं। समय पर पानी नहीं मिलने से कुरुवई फसल की बुवाई प्रभावित हो सकती है, जिससे उत्पादन में कमी आने की आशंका है।

कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि यदि जल्द पर्याप्त जल उपलब्ध नहीं हुआ तो इसका असर केवल किसानों पर ही नहीं, बल्कि खेती से जुड़े हजारों कृषि मजदूरों के रोजगार पर भी पड़ेगा। आमतौर पर दक्षिण-पश्चिम मानसून के सक्रिय होने के बाद केरल और कर्नाटक के कावेरी जलग्रहण क्षेत्रों में अच्छी बारिश होती है। इसके परिणामस्वरूप कर्नाटक का कबिनी बांध भरता है और अतिरिक्त पानी कावेरी नदी के जरिए मेट्टूर बांध तक पहुंचता है। लेकिन इस वर्ष कावेरी बेसिन में अपेक्षित वर्षा नहीं होने से जलाशयों में पर्याप्त पानी नहीं जुट पाया है।

कर्नाटक के 65 फीट ऊंचे कबिनी बांध का वर्तमान जलस्तर 31.84 फीट दर्ज किया गया है। बांध में पानी की आवक 2,446 क्यूसेक है, जबकि कुल जल भंडारण 6.08 टीएमसी है। ऐसे में निकट भविष्य में मेट्टूर बांध को पर्याप्त जल मिलने की संभावना भी कम दिखाई दे रही है। पिछले वर्षों के आंकड़े स्थिति की गंभीरता को और स्पष्ट करते हैं। वर्ष 2023 में मेट्टूर बांध का जलस्तर 103.35 फीट होने के कारण 12 जून को ही कुरुवई खेती के लिए पानी छोड़ दिया गया था। हालांकि बाद में कमजोर मानसून के चलते जलस्तर तेजी से घट गया और 10 अक्टूबर को सिंचाई के लिए पानी की आपूर्ति रोकनी पड़ी थी।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

बांग्लादेश ने रचा इतिहास, ऑस्ट्रेलिया को हराकर पहली बार जीती वनडे द्विपक्षीय सीरीज

एजेंसी, नई दिल्ली

बांग्लादेश क्रिकेट के इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ गया है। ढाका के शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में खेले गए दूसरे वनडे मुकाबले में बांग्लादेश ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर पहली बार किसी द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला में कंगारू टीम पर विजय हासिल की। इस ऐतिहासिक जीत के साथ बांग्लादेश ने तीन मैचों की श्रृंखला में अजेय बढ़त बना ली और देशभर में जश्न का माहौल बन गया। कप्तान मेहदी हसन मिराज के विजयी छक्के ने इस यादगार सफलता पर मुहर लगा दी। बारिश से प्रभावित मुकाबले में बांग्लादेश को डकवर्थ-लुईस-स्टर्न पद्धति के तहत 41 ओवर में 192 रन का लक्ष्य मिला था। मैच के अंतिम चरण में कप्तान मेहदी हसन मिराज और तौहीद हृदॉय क्रीज पर मौजूद थे। 35वें ओवर की अंतिम गेंद पर मिराज ने राइली मेरेडिथ की गेंद को डीप

लॉन्ग लेग के ऊपर से शानदार छक्के के लिए भेज दिया। इस शॉट के साथ बांग्लादेश ने 35 ओवर में पांच विकेट खोकर 195 रन बनाते हुए ऐतिहासिक जीत दर्ज कर ली। इससे पहले टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। पारी के पहले ही ओवर में मैथ्यू शॉर्ट बिना खाता खोले आउट हो गए। इसके बाद कूपर कॉनोली और मैट रेनशॉ भी शून्य पर पवेलियन लौट गए। शुरुआती झटकों के बाद कप्तान जोश इंग्लिस ने 34 रन बनाकर पारी को संभालने का प्रयास किया, लेकिन वह भी बड़ी पारी नहीं खेल सके। एलेक्स कैरी 13 रन बनाकर आउट हुए और ऑस्ट्रेलिया का शीर्ष क्रम पूरी तरह लड़खड़ा गया। टीम संकट में थी तब मार्नस लाबुशेन और जेवियर बार्टलेट ने जिम्मेदारी संभाली। लाबुशेन ने 85 गेंदों पर नाबाद 55 रन बनाए, जबकि बार्टलेट ने 48 गेंदों में 52 रनों की तेजतर्रार पारी खेली। दोनों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया 42 ओवर में आठ विकेट पर 187 रन तक पहुंचने में सफल रहा। बांग्लादेश की ओर से तास्किन अहमद और मुस्तफिजुर रहमान ने तीन-तीन विकेट लिए, जबकि तनवीर इस्लाम ने दो बल्लेबाजों को आउट किया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही और तंजीद हसन तमीम बिना खाता खोले आउट हो गए। इसके बाद सौम्य सरकार और नजमुल हुसैन शांतो ने पारी को संभाला। सौम्य ने 42 और शांतो ने 41 रन बनाए। मध्यक्रम में लिटन दास ने 21 रन का योगदान दिया, जबकि तौहीद हृदॉय ने नाबाद 40 रन बनाकर जीत की नींव मजबूत की। अंत में मेहदी हसन मिराज ने 22 रन की उपयोगी पारी खेलते हुए टीम को ऐतिहासिक मंजिल तक पहुंचाया। यह जीत बांग्लादेश क्रिकेट के लिए केवल एक श्रृंखला विजय नहीं, बल्कि वर्षों की मेहनत और निरंतर प्रगति का प्रतीक मानी जा रही है। विश्व क्रिकेट की सबसे मजबूत टीमों में शामिल ऑस्ट्रेलिया को द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला में हराकर बांग्लादेश ने साबित कर दिया है कि वह अब बड़े मंचों पर किसी भी टीम को चुनौती देने की क्षमता रखता है।

तेज गेंदबाज आकाशदीप 24 जून को रचाएंगे शादी

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज आकाशदीप जल्द ही अपने जीवन की नई पारी की शुरुआत करने जा रहे हैं। मैदान पर अपनी तेज गेंदबाजी से बल्लेबाजों को परेशान करने वाले आकाशदीप अब विवाह बंधन में बंधने की तैयारी में हैं। जानकारी के अनुसार वह 24 जून को अपनी मंगेतर अक्षिता के साथ सात फेरे लेंगे। शादी समारोह बिहार के रोहतास जिले में पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ आयोजित किया जाएगा। आकाशदीप की होने वाली पत्नी अक्षिता डेहरी-ऑन-सोन के मानिकपुर गांव की निवासी हैं। दोनों परिवारों की सहमति से यह विवाह संपन्न होगा। शादी को लेकर दोनों परिवारों में तैयारियां जोरों पर चल रही हैं और रिश्तेदारों के आने का सिलसिला भी शुरू हो चुका है। विवाह समारोह को पारंपरिक और पारिवारिक माहौल में आयोजित करने की योजना बनाई गई है। सूत्रों के अनुसार शादी से पहले विभिन्न रस्में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संपन्न होंगी। 21 जून को तिलक समारोह आयोजित किया जाएगा, जबकि 22 जून को मेहंदी की रस्म होगी। इसके बाद 23 जून को हल्दी समारोह का आयोजन किया जाएगा। इन सभी कार्यक्रमों में परिवार के सदस्य, करीबी रिश्तेदार और मित्र शामिल होंगे। 24 जून को आकाशदीप बारात लेकर अक्षिता के घर पहुंचेंगे और विवाह की सभी परंपराओं का पालन करते हुए दोनों जीवनसाथी बनेंगे। आकाशदीप का पैतृक गांव रोहतास जिले का बड्डी गांव है, जहां विवाह से जुड़ी कई रस्में संपन्न की जाएंगी। स्थानीय लोगों में भी इस शादी को लेकर काफी उत्साह देखा जा रहा है। क्रिकेट के जरिए राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना चुके आकाशदीप की इस खुशखबरी से उनके प्रशंसकों में भी खुशी का माहौल है। भारतीय टीम के लिए खेलते हुए आकाशदीप ने अपनी तेज और सटीक गेंदबाजी से कई बड़े बल्लेबाजों को परेशानी में डाला है। घरेलू क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन के बाद उन्होंने राष्ट्रीय टीम में जगह बनाई और अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। क्रिकेट मैदान पर विपक्षी बल्लेबाजों को क्लीन बोल्ड करने वाले आकाशदीप अब अपने निजी जीवन की नई शुरुआत करने जा रहे हैं।

परिवार के करीबी लोगों का कहना है कि विवाह समारोह को सादगी और पारंपरिक मूल्यों के साथ आयोजित किया जाएगा। शादी में परिवार, रिश्तेदारों और मित्रों की मौजूदगी रहेगी। क्रिकेट जगत से जुड़े कुछ करीबी लोगों के भी समारोह में शामिल होने की संभावना जताई जा रही है।

ऑस्ट्रेलिया पर ऐतिहासिक सीरीज जीत के बीच बांग्लादेश को झटका

एजेंसी, नई दिल्ली। बांग्लादेश क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे क्रिकेट में नया इतिहास रचते हुए पहली बार किसी द्विपक्षीय श्रृंखला में कंगारू टीम को पराजित किया है। लगातार दो मुकाबले जीतकर बांग्लादेश ने तीन मैचों की श्रृंखला अपने नाम कर ली, लेकिन इस ऐतिहासिक सफलता के बीच टीम को अपने कप्तान मेहदी हसन मिराज की चोट को लेकर चिंता का सामना करना पड़ा। दूसरे वनडे के दौरान सिर में गंभीर चोट लगने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। मुकाबला ढाका में खेला गया, जहां बांग्लादेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। हालांकि मैच के दौरान एक ऐसा क्षण आया जिसने खिलाड़ियों और दर्शकों दोनों की चिंता बढ़ा दी। बांग्लादेशी पारी के 34वें ओवर में ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज राइली मेरेडिथ की एक तेज बाउंसर मेहदी हसन मिराज के हेलमेट पर जा लगी। गेंद लगते ही कप्तान दर्द से कराह उठे और घुटनों के बल मैदान पर बैठ गए। उनकी स्थिति को देखते हुए तुरंत मेडिकल टीम मैदान में पहुंची। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के नियमों के अनुसार मैदान पर ही उनका कंकशन परीक्षण किया गया।

अफगानिस्तान 'ए' से हार के बाद तिलक वर्मा निराश

एजेंसी, नई दिल्ली

दांबुला में खेली जा रही त्रिकोणीय एकदिवसीय श्रृंखला में अफगानिस्तान 'ए' ने बड़ा उलटफेर करते हुए भारत 'ए' को डकवर्थ-लुईस-स्टर्न नियम के आधार पर चार रन से हरा दिया। वर्षा से प्रभावित इस मुकाबले में भारत 'ए' ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 349 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया था, लेकिन बारिश के कारण बदले समीकरणों ने अंततः अफगानिस्तान 'ए' को जीत दिला दी। हार के बाद भारतीय कप्तान तिलक वर्मा ने निराशा जताते हुए कहा कि यदि मैच पूरा खेला जाता तो परिणाम कुछ और हो सकता था। मुकाबले में भारत 'ए' के बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया।

सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह ने 69 गेंदों पर 84 रन बनाए, जबकि उपकप्तान रुतुराज गायकवाड़ और कप्तान तिलक वर्मा ने 66-66 रन की महत्वपूर्ण पारियां खेलीं। युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने भी आक्रामक अंदाज में 22 गेंदों पर 44 रन बनाकर टीम को तेज शुरुआत दिलाई। बारिश के कारण मुकाबले को 50 के बजाय 49 ओवर का कर दिया गया था, लेकिन इसके बावजूद भारतीय बल्लेबाजों ने नौ विकेट पर 349 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। जवाब में अफगानिस्तान 'ए' ने भी आक्रामक शुरुआत की। कप्तान इमरान और हसन इसाखिल ने तेज रन बटोरते हुए टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। बाद में बहीर शाह और इमरान ने पारी को संभालते हुए स्कोर को 25.5 ओवर में दो विकेट पर 177 रन तक पहुंचा दिया। इसी दौरान एक बार फिर बारिश शुरू हो गई और खेल रोकना पड़ा। जब आगे खेल संभव नहीं हो सका तो डकवर्थ-लुईस-स्टर्न नियम के आधार पर परिणाम घोषित किया गया। उस समय अफगानिस्तान 'ए' की टीम निर्धारित पार-स्कोर से चार रन आगे थी, जिसके चलते उसे विजेता घोषित कर दिया गया। मैच के बाद तिलक वर्मा ने कहा कि उनकी टीम ने बल्लेबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया और इस पिच पर 349 रन का स्कोर प्रतिस्पर्धी माना जा सकता था। उन्होंने कहा कि बारिश और डकवर्थ-लुईस-स्टर्न नियम के कारण मुकाबले की दिशा बदल गई।

ऑस्ट्रेलियन ओपन बैडमिंटन

सिंधु सेमीफाइनल में, तान्वी का सफर समाप्त

एजेंसी, सिडनी

ऑस्ट्रेलियन ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने शानदार प्रदर्शन करते हुए महिला एकल के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। शुक्रवार को खेले गए क्वार्टरफाइनल मुकाबले में सिंधु ने चीनी ताइपे की चेन सू यू को एकतरफा अंदाज में 21-6, 21-9 से हराया। पूरे मुकाबले में सिंधु ने शुरुआत से अंत तक दबदबा बनाए रखा और प्रतिद्वंद्वी को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। हाल के महीनों में यह सिंधु की सबसे प्रभावशाली जीतों में से एक रही। अब सेमीफाइनल में सिंधु का मुकाबला जापान की शीर्ष वरीय खिलाड़ी अकाने यामागुची से होगा। दूसरी ओर भारत की युवा खिलाड़ी तान्वी शर्मा का शानदार अभियान क्वार्टरफाइनल में समाप्त हो गया। यामागुची ने तान्वी को 21-14, 21-14 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया। पूर्व विश्व चैंपियन यामागुची ने अपने अनुभव और लगातार सटीक खेल का प्रदर्शन करते हुए मुकाबले की शुरुआत से नियंत्रण बनाए रखा। तान्वी ने कई अच्छे रैलियां खेलीं, लेकिन यामागुची की मजबूत रक्षा और निरंतरता के सामने वह बढ़त नहीं बना सकीं। हालांकि हार के बावजूद तान्वी का क्वार्टरफाइनल तक पहुंचना भारतीय बैडमिंटन के लिए सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। युवा खिलाड़ी ने टूर्नामेंट के दौरान कई शानदार जीत दर्ज कर सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। सिंधु के लिए यह इस सत्र में खेले गए आठ बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर टूर्नामेंट में केवल दूसरा सेमीफाइनल है।

फीफा विश्व कप 2026 : 60 साल का इंतजार खत्म करने उतरेगा इंग्लैंड

एजेंसी, नई दिल्ली

फीफा विश्व कप 2026 में इंग्लैंड एक बार फिर उस खिताब की तलाश में उतरेगा जिसका इंतजार उसे 1966 के बाद से है। पिछली कई पीढ़ियों की तरह इस बार भी टीम प्रतिभा से भरपूर है, लेकिन फर्क इस बार नेतृत्व में दिखाई देता है। जर्मन कोच थॉमस ट्यूशेल के मार्गदर्शन में इंग्लैंड नई सोच और स्पष्ट रणनीति के साथ मैदान में उतरने जा रहा है। इंग्लैंड का फीफा विश्व कप में पहला मैच 18 जून को क्रोएशिया से होगा। ट्यूशेल की नियुक्ति शुरुआत में चर्चा और आलोचना का विषय रही, लेकिन उनके नेतृत्व में इंग्लैंड ने विश्व कप क्वालीफायर में प्रभावशाली प्रदर्शन किया। टीम ने आठ मुकाबले जीते और पूरे अभियान में एक भी गोल नहीं खाया। इससे खिलाड़ियों का आत्मविश्वास काफी बढ़ा है। इस बार इंग्लैंड की सबसे बड़ी ताकत उसका संतुलित आक्रमण माना जा रहा है। कप्तान हैरी केन अब भी टीम के प्रमुख गोल स्कोरर हैं, लेकिन उनके आसपास मार्कस रैशफोर्ड, बुकायो साका, एंथनी गॉर्डन और मॉर्गन रोजर्स जैसे तेज और रचनात्मक खिलाड़ी मौजूद हैं। टीम की रणनीति केन की फिनिशिंग और उनके खेल निर्माण दोनों गुणों का अधिकतम उपयोग करने पर आधारित होगी। मिडफील्ड में डेक्लान राइस पर बड़ी जिम्मेदारी होगी। उनके साथ युवा इलियट एंडरसन टीम को संतुलन देने की कोशिश करेंगे। वहीं जूड बेलिंघम से भी अहम भूमिका निभाने की उम्मीद रहेगी। हालांकि इंग्लैंड की चिंता रक्षा पंक्ति को लेकर बनी हुई है। जॉन स्टोन्स और रीस जेम्स चोटों से जूझते रहे हैं जबकि कई युवा खिलाड़ियों के पास बड़े टूर्नामेंट का सीमित अनुभव है। गोलकीपर जॉर्डन पिकफोर्ड टीम के सबसे भरोसेमंद खिलाड़ियों में बने हुए हैं।

फीफा विश्व कप : ह्वांग इन-बोम के ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत दक्षिण कोरिया ने चेक गणराज्य को 2-1 से हराया

एजेंसी, ग्वाडलाहारा

फीफा विश्व कप 2026 के मुकाबले में दक्षिण कोरिया ने शानदार वापसी करते हुए चेक गणराज्य को 2-1 से हराकर जीत दर्ज की। ग्वाडलाहारा स्टेडियम में भारतीय समयानुसार शुक्रवार सुबह खेले गए इस मुकाबले में ह्वांग इन-बोम एक गोल करने के साथ एक गोल में सहायता देकर जीत के नायक बने। पहले हाफ में दोनों टीमें अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर सकीं और दर्शकों ने निराशा भी जताई। गोलरहित पहले हाफ के बाद मुकाबले में जान दूसरे हिस्से में आई। 59वें मिनट में चेक गणराज्य ने बढ़त बनाई। कप्तान लादिस्लाव क्रेजी ने पेनल्टी क्षेत्र में मिले लंबे थ्रो को हेडर के जरिए गोल में बदलकर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि दक्षिण कोरिया ने जल्द ही वापसी की। 67वें मिनट में ह्वांग इन-बोम ने शानदार व्यक्तिगत कौशल का प्रदर्शन करते हुए दो रक्षकों को छकाया और शानदार गोल दागकर स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद 80वें मिनट में ह्वांग ने दाएं छोर से बेहतरीन क्रॉस दिया, जिस पर ओ ह्योन-ग्यू ने गोल कर दक्षिण कोरिया को निर्णायक बढ़त दिला दी। स्टार फॉरवर्ड सोन ह्युंग-मिन की अगुआई में दक्षिण कोरिया ने पूरे मैच में गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और चेक टीम पर लगातार दबाव बनाया। फीफा रैंकिंग में 25वें स्थान पर मौजूद कोरिया ने 38वीं रैंकिंग वाली चेक टीम की तुलना में अधिक मौके बनाए और अंततः जीत हासिल की। यह चेक गणराज्य का 2006 के बाद पहला विश्व कप मुकाबला था, लेकिन टीम वापसी नहीं कर सकी। स्टेडियम की क्षमता 45,664 होने के बावजूद आधिकारिक दर्शक संख्या 44,985 दर्ज की गई, हालांकि कई हिस्सों में सीटें खाली दिखाई दीं।

उद्घाटन मुकाबले में मेक्सिको ने दक्षिण अफ्रीका को 2-0 से हराया

एजेंसी, मेक्सिको सिटी । फीफा विश्व कप 2026 के उद्घाटन मुकाबले में मेक्सिको ने घरेलू दर्शकों के सामने दमदार प्रदर्शन करते हुए दक्षिण अफ्रीका को 2-0 से हराकर अभियान की विजयी शुरुआत की। एस्टाडियो एज़्टेका में गुरुवार को खेले गए इस मुकाबले में दूसरे हाफ में घटनाओं की भरमार रही और कुल तीन खिलाड़ियों को लाल कार्ड दिखाए गए। मेक्सिको ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और नौवें मिनट में विश्व कप 2026 का पहला गोल देखने को मिला। दक्षिण अफ्रीका की रक्षापंक्ति की गलती का फायदा उठाते हुए जूलियन क्विनोनेस ने करीब से गेंद को गोल में पहुंचाकर इतिहास रच दिया। इस गोल के बाद एज़्टेका स्टेडियम दर्शकों के उत्साह से गूंज उठा। दूसरे हाफ की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका की मुश्किलें और बढ़ गईं। 49वें मिनट में याया सिथोले को सीधे लाल कार्ड दिखाकर मैदान से बाहर भेज दिया गया।

14 जून भारतीय महिला टीम करेगी पाकिस्तान के खिलाफ आगाज

एजेंसी, नई दिल्ली

आगामी महिला टी20 विश्व कप 2026 का विस्तृत शेड्यूल पहले ही जारी कर दिया गया था, लेकिन भारतीय क्रिकेट प्रेमियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण जानकारी यह है कि वे इन रोमांचक मुकाबलों को किस समय देख पाएंगे। इंग्लैंड की मेजबानी में होने वाले इस टूर्नामेंट के मैचों का समय भारतीय समयानुसार अब स्पष्ट हो गया है, जिससे प्रशंसकों को अपने पसंदीदा मैचों का आनंद लेने में सुविधा होगी। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट आज शुक्रवार, 12 जून, 2026 से शुरू होकर रविवार, 5 जुलाई, 2026 को फाइनल मुकाबले के साथ समाप्त होगा। उद्घाटन मैच मेजबान इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच खेला जाएगा। भारतीय महिला टीम, जो ग्रुप ए का हिस्सा है, अपना पहला मुकाबला रविवार, 14 जून को खेलेगी। भारतीय टीम के ग्रुप में पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका, नीदरलैंड और बांग्लादेश जैसी मजबूत टीमें शामिल हैं।

भारत और इंग्लैंड के स्थानीय समय में लगभग साढ़े चार घंटे का अंतर है। जब इंग्लैंड में शाम के साढ़े छह बजते हैं, तब भारत में रात के ग्यारह बज चुके होते हैं। इसका मतलब है कि कई शुरुआती मुकाबले, जो इंग्लैंड के स्थानीय समय के अनुसार शाम को 6:30 बजे शुरू होंगे, भारतीय दर्शकों के लिए रात 11:00 बजे से लाइव उपलब्ध होंगे। हालांकि, भारतीय प्रशंसकों के लिए एक सुखद खबर यह है कि भारतीय महिला टीम के मैचों का समय भारतीय समयानुसार शाम को रखा गया है। इंग्लैंड के स्थानीय समय के अनुसार ये मैच दोपहर 2:30 बजे शुरू होंगे, जिसका अर्थ है कि भारतीय समयानुसार आप इन्हें शाम 7:00 बजे से देख पाएंगे। सेमीफाइनल और फाइनल मैच भी स्थानीय समय के अनुसार दोपहर में ही खेले जाएंगे, ताकि भारतीय दर्शकों को ये मुकाबले शाम 7:00 बजे से देखने को मिलें। यह ध्यान रखना दिलचस्प होगा कि अगर आप रात 10:00 बजे भारत में मैच देख रहे हों और आपको स्क्रीन पर धूप दिख रही हो, तो चौंकने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि उस समय इंग्लैंड में दोपहर का समय होगा। प्रशंसकों को इन महत्वपूर्ण तिथियों और समय को अभी से नोट कर लेना चाहिए।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, शनिवार, 13 जून, 2026

इस खास रत्न को पहनने के दौरान जरूर करें इन नियमों का पालन, हो सकता है भाग्योदय

रत्न शास्त्र में 09 रत्नों के महत्व के बारे में विस्तार से बताया गया है और सभी रत्नों के अलग-अलग महत्व भी हैं। अब ऐसे में अगर आप लहसूनिया रत्न पहनते हैं तो इस पहनने के भी नियम बताए गए हैं।
लहसुनिया रत्न जिसे कैट्स आई भी कहा जाता है। रत्न शास्त्र में इस रत्न का विशेष महत्व बताया गया है। आम भाषा में कहें तो यह रत्न बिल्ली की आंख की तरह दिखती है। रत्न शास्त्र के अनुसार, लहसुनिया केतु ग्रह का प्रतिनिधित्व करता है। केतु एक छाया ग्रह है जिसका ज्योतिष में विशेष महत्व है। ऐसा माना जाता है कि लहसुनिया धारण करने से केतु के नकारात्मक प्रभावों को कम किया जा सकता है और सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाया जा सकता है। ऐसा कहा जाता है जो जातक लहसुनिया रत्न पहनते हैं उन्हें सभी परेशानियों से छुटकारा मिल सकता है और भाग्योदय हो सकता है। इसके अलावा अगर किसी जातक के व्यापार में कोई परेशानी आ रही है तो इससे भी छुटकारा मिल सकता है। अब ऐसे में जो जातक लहसुनिया रत्न पहनने की सोच रहे हैं उन्हें किन नियमों का पालन करने से लाभ हो सकता है।

- लहसुनिया रत्न धारण करने के लिए गुरुवार या शनिवार का दिन शुभ माना जाता है। आप इस रत्न को मंगलवार के दिन भी पहन सकते हैं।
- लहसुनिया रत्न को चांदी की अंगूठी में जड़वाकर पहनना चाहिए।
- लहसुनिया रत्न मध्यमा उंगली में पहनना शुभ माना जाता है। आप इसे रिंग फिंगर में भी पहन सकते हैं। आपको बता दें, रत्न कम से कम 3, 5 या 7 कैरेट का होना चाहिए। 2, 4, 11 और 13 रत्ती का लहसुनिया पहनने से बचना चाहिए।
- लहसुनिया रत्न धारण करने से पहले रत्न को गंगाजल और गाय के कच्चे दूध से धोकर शुद्ध करें।
- ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, जिन लोगों की कुंडली में केतु ग्रह कमजोर स्थिति में है, उन्हें लहसुनिया धारण करना फायदेमंद होता है।
- वृषभ, मिथुन, तुला, मकर और कुंभ राशि वालों के लिए यह रत्न विशेष रूप से शुभ माना जाता है।
- इस बात का विशेष ध्यान रखें कि अगर किसी जातक की कुंडली में कालसर्प दोष है तो लहसुनिया रत्न पहनने से बचना चाहिए।
- लहसुनिया रत्न को विशेष समय के लिए ही पहना जाता है, यह रत्न हमेशा के लिए पहनने से बचें।

नोट - रत्न धारण करने से पहले किसी योग्य ज्योतिषी से सलाह अवश्य लें। वे आपकी कुंडली में स्थित दोषों को जानकर बताएंगे कि यह रत्न आपके लिए उपयुक्त है या नहीं।

वास्तु में क्या होते हैं इंद्र, रज और यम

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर की संरचना में दिशाओं और ऊर्जा का संतुलन अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है। यह संतुलन न केवल भवन के वातावरण को प्रभावित करता है, बल्कि वहां रहने वाले लोगों की समृद्धि, स्वास्थ्य और शांति पर भी असर डालता है। इसी संदर्भ में इंद्र, रज और यम जैसे तत्वों का घर की विभिन्न संरचनाओं पर गहरा प्रभाव पड़ता है जिनमें से घर में बनी हुई सीढ़ियों का स्थान भी विशेष महत्व रखता है। वास्तु के नियमों के अनुसार इन तीनों में से एक तत्व का स्थान घर की सीढ़ियों में रखना अत्यंत अशुभ माना जाता है जो घर में नकारात्मक प्रभाव उत्पन्न कर सकता है। इंद्र, रज और यम का वास्तु में क्या महत्व है और किन कारणों से सीढ़ियों में यम का स्थान नहीं होना चाहिए, इसकी जानकारी सभी को होनी चाहिए। जिससे घर में किसी तरह का वास्तु दोष न हो। वास्तु शास्त्र प्राचीन भारतीय विज्ञान है, जो दिशाओं, ऊर्जा और भवन निर्माण के सिद्धांतों पर आधारित है।

यह विज्ञान इस बात पर जोर देता है कि घर की संरचना, दिशाओं और स्थानों का सही संतुलन न केवल भवन की सुंदरता को बढ़ाता है, बल्कि वहां रहने वाले लोगों की समृद्धि, सुख-शांति और स्वास्थ्य को भी प्रभावित करता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, कुछ विशेष तत्व और देवता ऐसे होते हैं जिनका घर की विभिन्न दिशाओं और संरचनाओं पर गहरा प्रभाव होता है, जैसे इंद्र, रज, और यम। इनमें से यम का स्थान सीढ़ियों में रखना अत्यंत अशुभ माना जाता है। आइए वास्तु एक्सपर्ट डॉ मधु कोटिया से जानें इंद्र, रज, और यम का वास्तु शास्त्र में क्या महत्व है और किन कारणों से सीढ़ियों में यम का स्थान नहीं होना चाहिए।

वास्तु के अनुसार क्या होता है इंद्र का स्थान

इंद्र को हिंदू धर्म के देवताओं के राजा के रूप में पूजा जाता है। इन्हें शक्ति, समृद्धि और शांति का प्रतीक भी माना जाता है। वास्तु शास्त्र में इंद्र का स्थान पूर्व दिशा में होता है। पूर्व दिशा को हमेशा शुभ और सकारात्मक दिशा माना जाता है, क्योंकि यह सूर्योदय की दिशा होती है और इससे सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।
ऐसा माना जाता है कि घर में इंद्र की दिशा यानी कि पूर्व दिशा में घर का मुख्य द्वार या खिड़कियां होनी चाहिए जिससे घर में सकारात्मक ऊर्जा प्रवेश कर सके। इंद्र की दिशा स्वच्छता, समृद्धि और शांति की दिशा मानी जाती है। यह दिशा घर के सदस्यों की मानसिक शांति और आर्थिक उन्नति के लिए महत्वपूर्ण मानी जाती है।

सीढ़ियों में इंद्र का स्थान क्यों नहीं रखना चाहिए?

सीढ़ियों को वास्तु शास्त्र में एक महत्वपूर्ण संरचना माना गया है, क्योंकि इनसे घर के विभिन्न हिस्सों में ऊर्जा का प्रवाह होता है।
इंद्र की दिशा पूर्व में होने के कारण यदि सीढ़ियों को इस स्थान पर रखा जाए तो घर की समृद्धि और शांति बाधित हो सकती है। सीढ़ियों को हमेशा उस दिशा में रखा जाना चाहिए जो स्थिरता और स्थायित्व का प्रतीक हो, जबकि इंद्र की ऊर्जा का स्थान किसी अन्य हिस्से में होना चाहिए जो समृद्धि को प्रोत्साहित करे।

वास्तु के अनुसार क्या होता है रज का स्थान?

रज शब्द संस्कृत के 'राजस' से लिया गया है, जिसका अर्थ होता है परिवर्तन, गति और क्रियाशीलता। वास्तु शास्त्र में रज को घर की गतिविधियों, जीवनशैली और गतिशीलता से जोड़ा जाता है। यह ऊर्जा घर के सदस्यों की गतिविधियों को नियंत्रित करती है और उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। रज का स्थान ऊर्जा का सही संतुलन घर के सामंजस्य और प्रगति को बनाए रखने में सहायक होता है। रज का स्थान घर के उन हिस्सों में होना चाहिए जहां घर के लोग सबसे ज्यादा समय बिताते हैं जैसे कि घर का लिविंग रूम। रज ऊर्जा क्रियाशीलता और बदलाव का प्रतीक है, जिससे घर में नवीनता और तरक्की की भावना बनी रहती है।

सीढ़ियों में रज का स्थान क्यों नहीं रखना चाहिए?

सीढ़ियां घर में स्थिरता और सामंजस्य का प्रतीक होती हैं, जबकि रज ऊर्जा परिवर्तन और गति को बढ़ावा देती है। यदि सीढ़ियों में रज ऊर्जा का स्थान होता है, तो घर में असंतुलन और बेचैनी उत्पन्न हो सकती है। इससे घर के सदस्यों में मानसिक अस्थिरता और असंतोष का भाव बढ़ सकता है। इसलिए, वास्तु शास्त्र में सीढ़ियों में रज का स्थान रखना भी अनुकूल नहीं माना गया है।

क्या होता है वास्तु में यम का स्थान?

यम यानी यमराज को हिंदू धर्म में मृत्यु और अनुशासन के देवता माना जाता है। इन्हें न्याय और अनुशासन का प्रतीक भी माना जाता है। वास्तु शास्त्र में यम का स्थान दक्षिण दिशा में होता है जो नकारात्मक ऊर्जा, अवरोध और समस्याओं से जुड़ी मानी जाती है। यम का संबंध न केवल मृत्यु से होता है, बल्कि जीवन के कठोर सत्य और अनुशासन से भी जुड़ा होता है। दक्षिण दिशा यम की दिशा मानी जाती है और इस दिशा को मुख्य द्वार, खिड़कियां, या सीढ़ियों के लिए उपयुक्त नहीं माना जाता। यम की ऊर्जा का प्रभाव घर के सदस्यों पर मानसिक, शारीरिक और आर्थिक दृष्टि से प्रतिकूल हो सकता है। यह दिशा बाधाओं और संघर्षों को जन्म दे सकती है, जिससे घर में अशांति और नकारात्मकता का प्रवेश हो सकता है।

आखिर क्यों यम के स्थान पर नहीं बनाई जाती हैं सीढ़ियां?

- वास्तु शास्त्र के अनुसार, सीढ़ियों में यम का स्थान रखना अत्यंत अशुभ माना जाता है। सीढ़ियों का स्थान घर में महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि यह उन संरचनाओं में से एक है जहां से घर के विभिन्न हिस्सों में ऊर्जा का प्रवाह होता है। यम की ऊर्जा, जो मृत्यु और अनुशासन का प्रतीक मानी जाती है, अगर सीढ़ियों में होती है, तो यह घर में नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है। आप घर के अन्य स्थानों पर भले ही सीढ़ियां बना लें, लेकिन आपको भूलकर भी यम के स्थान पर सीढ़ियां नहीं बनानी चाहिए। ऐसा माना जाता है सीढ़ियां घर में ऊपर और नीचे के हिस्सों को जोड़ती हैं, जो ऊर्जा के प्रवाह को नियंत्रित करती हैं।
- अगर सीढ़ियों में यम का स्थान रखा जाए, तो घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश हो सकता है। इससे घर के सदस्यों के जीवन में अवरोध, समस्याएं, और संघर्ष बढ़ सकते हैं। यम का संबंध मृत्यु और अनुशासन से होता है, जो जीवन में कठिनाइयां और बाधाएं उत्पन्न कर सकता है। यदि यम की ऊर्जा सीढ़ियों में होती है, तो घर के सदस्यों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। यह वास्तु दोष मानसिक तनाव, शारीरिक समस्याओं और दीर्घकालिक रोगों को जन्म दे सकता है।
- यम की दिशा में सीढ़ियां रखने से आर्थिक स्थिरता में कमी आ सकती है। यह वास्तु दोष घर के सदस्यों की आर्थिक स्थिति पर बुरा असर डाल सकता है, जिससे घर में धन की हानि और आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

कब और कैसे करना चाहिए विष्णु चालीसा का पाठ

भगवान विष्णु की पूजा से न सिर्फ घर में सुख-समृद्धि आती है बल्कि घर में मां लक्ष्मी का वास भी स्थापित होता है। ऐसे में भगवान विष्णु की पूजा करने के माध्यम हैं। आप भगवान विष्णु के नाम का जाप कर सकते हैं, उनके मंत्रों का उच्चारण कर सकते हैं या फिर उनके स्तोत्र का पाठ कर सकते हैं, लेकिन इन सबसे कहीं ज्यादा शीघ्र फलदायी माना जाता है उनकी चालीसा का पाठ। ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स ने हमें बताया कि विष्णु चालीसा का पाठ यूं तो कभी भी कर सकते हैं लेकिन गुरुवार के दिन शाम के समय आसन पर बैठकर जल से संकल्प लेते हुए भगवान विष्णु का ध्यान करने के बाद विष्णु चालीसा का पाठ शुरू करने से जीवन के संकटों का नाश होता है। श्री हरि नारायण का सानिध्य प्राप्त होता है और घर की आर्थिक स्थिति में भी सुधार होने लग जाता है।

दोहा

विष्णु सुनिए विनय सेवक की चितलाय ।
कीरत कुछ वर्णन करूं दीजै ज्ञान बताय ॥

विष्णु चालीसा

नमो विष्णु भगवान खरारी, कष्ट नशावन अखिल बिहारी ।
प्रबल जगत में शक्ति तुम्हारी, त्रिभुवन फैल रही उजियारी ॥
सुन्दर रूप मनोहर सूरत, सरल स्वभाव मोहनी मूरत ।
तन पर पीताम्बर अति सोहत, बैजन्ती माला मन मोहत ॥
शंख चक्र कर गदा विराजे, देखत दैत्य असुर दल भाजे ।
सत्य धर्म मद लोभ न गाजे, काम क्रोध मद लोभ न छाजे ॥
सन्तभक्त सज्जन मनरंजन, दनुज असुर दुष्टन दल गंजन ।
सुख उपजाय कष्ट सब भंजन, दोष मिटाय करत जन सज्जन ॥
पाप काट भव सिन्धु उतारण, कष्ट नाशकर भक्त उबारण ।
करत अनेक रूप प्रभु धारण, केवल आप भक्ति के कारण ॥
धरणि धेनु बन तुमहिं पुकारा, तब तुम रूप राम का धारा ।
भार उतार असुर दल मारा, रावण आदिक को संहारा ॥
आप वाराह रूप बनाया, हिरण्याक्ष को मार गिराया ।
धर मत्स्य तन सिन्धु बनाया, चौदह रतनन को निकलाया ॥
अमिलख असुरन द्वन्द मचाया, रूप मोहनी आप दिखाया ।
देवन को अमृत पान कराया, असुरन को छवि से बहलाया ॥
कूर्म रूप धर सिन्धु मझाया, मन्द्राचल गिरि तुरत उठाया ।
शंकर का तुम फन्द छुड़ाया, भस्मासुर को रूप दिखाया ॥
वेदन को जब असुर डुबाया, कर प्रबन्ध उन्हें ढुढवाया ।
मोहित बनकर खलहिं नचाया, उसही कर से भस्म कराया ॥
असुर जलन्धर अति बलदाई, शंकर से उन कीन्ह लड़ाई ।
हार पार शिव सकल बनाई, कीन सती से छल खल जाई ॥
सुमिरन कीन तुम्हें शिवरानी, बतलाई सब विपत कहानी ।
तब तुम बने मुनीश्वर ज्ञानी, वृन्दा की सब सुरति भुलानी ॥
देखत तीन दनुज शैतानी, वृन्दा आय तुम्हें लपटानी ।
हो स्पर्श धर्म क्षति मानी, हना असुर उर शिव शैतानी ॥
तुमने ध्रुव प्रहलाद उबारे, हिरणाकुश आदिक खल मारे ।
गणिका और अजामिल तारे, बहुत भक्त भव सिन्धु उतारे ॥
हरहु सकल संताप हमारे, कृपा करहु हरि सिरजन हारे ।
देखहुं मैं निज दरश तुम्हारे, दीन बन्धु भक्तन हितकारे ॥
चाहता आपका सेवक दर्शन, करहु दया अपनी मधुसूदन ।
जानूं नहीं योग्य जब पूजन, होय यज्ञ स्तुति अनुमोदन ॥
शीलदया सन्तोष सुलक्षण, विदित नहीं व्रतबोध विलक्षण ।
करहुं आपका किस विधि पूजन, कुमति विलोक होत दुख भीषण ॥
करहुं प्रणाम कौन विधिसुमिरण, कौन भांति मैं करहु समर्पण ।
सुर मुनि करत सदा सेवकाई, हर्षित रहत परम गति पाई ॥
दीन दुखिन पर सदा सहाई, निज जन जान लेव अपनाई ।
पाप दोष संताप नशाओ, भव बन्धन से मुक्त कराओ ॥
सुत सम्पति दे सुख उपजाओ, निज चरनन का दास बनाओ ।
निगम सदा ये विनय सुनावै, पढ़ै सुनै सो जन सुख पावै ॥

॥ इति श्री विष्णु चालीसा ॥

पूजा के बाद बची हुई सामग्री का क्या करना चाहिए?

हिंदू धर्म में किसी भी पूजा-पाठ का विशेष महत्व है और पूजा के लिए विभिन्न सामग्रियों का इस्तेमाल किया जाता है। पूजा में कई तरह की चीजों का उपयोग किया जाता है और इन सभी चीजों का महत्व भी बहुत ज्यादा होता है। किसी भी पूजन के दौरान हम जिन चीजों का इस्तेमाल करते हैं उसे ईश्वर के लिए अनुकूल माना जाता है। इन चीजों के इस्तेमाल से भगवान का ध्यान किया जाता है और उन्हें प्रसन्न किया जाता है। ऐसे में एक सवाल यह भी उठता है कि पूजा-पाठ में इस्तेमाल होने वाली हर सामग्री का पूजन के बाद क्या करना चाहिए? क्या यह पूजन सामग्री दोबारा किसी भी पूजा में इस्तेमाल की जा सकती है?

पूजा में इस्तेमाल होने वाली सामग्रियों में कुमकुम,रोली,सिंदूर,पुष्प, अक्षत, फल आदि शामिल होते हैं। इन सभी सामग्रियों को पूजा की सम्पन्नता और शुभता के लिए इस्तेमाल किया जाता है। आइए जानें पूजा के बाद बची हुई सामाग्री का आपको क्या करना चाहिए, जिससे किसी भी तरह के नकारात्मक प्रभाव न पड़ें।

पूजा के बाद बची हुई सामग्री का महत्व

पूजा के बाद बची हुई सामग्री का भी विशेष महत्व होता है क्योंकि क्योंकि इसमें देवताओं की ऊर्जा और आशीर्वाद होता है। ऐसी मान्यता है कि यदि हम इसे सही तरीके से उपयोग नहीं करते हैं, तो इसका नकारात्मक प्रभाव भी हमारे जीवन में पड़ सकता है। इसलिए, यह जरूरी है कि हम पूजा के बाद बची हुई सामग्री का सही उपयोग करें और इन सामग्रियों को कूड़े या कचरे में डालने से बचें। किसी भी पूजा पाठ में अलग तरह की सामग्रियों का इस्तेमाल होता है और उनके बचने पर कई तरह से इसका उपयोग होता है। आइए आपको बताते हैं इसके बारे में-

पूजा में इस्तेमाल होने वाले सिंदूर का क्या करें

सिंदूर को किसी भी विवाहित स्त्री की सबसे खास सामग्री माना जाता है। जब आप इस सिंदूर का इस्तेमाल किसी भी पूजा में करती हैं या इसे भगवान को अर्पित करती हैं, तब यह और ज्यादा पवित्र हो जाता है। यदि पूजा के बाद सिंदूर या कुमकुम बच जाए तो आप उसको दोबारा पूजा-पाठ में इस्तेमाल कर सकती हैं। यही नहीं आप अपने लिए भी इस सिंदूर का इस्तेमाल कर सकती हैं। कुमकुम का इस्तेमाल किसी भी नई चीज पर, दरवाजे पर स्वास्तिक बनाने के लिए और कोई भी शुभ चिह्न बनाने के लिए किया जाता है। ऐसे में आप इसी कुमकुम को उपयोग में ला सकती हैं।

पूजा के बाद बचे हुए फूलों का क्या करें

घर में किसी भी पूजा के बाद अगर फूल बच जाएं तो आप उन्हें फेंकें नहीं बल्कि इन फूलों का इस्तेमाल आपको घर के गार्डन या फिर गमले में करना चाहिए। कुछ समय के बाद ये फूल गमले में खाद बन जाते हैं और इसका इस्तेमाल पौधों के लिए भी लाभकारी हो सकता है।
आपको कभी भी इन फूलों को कचरे में नहीं डालना चाहिए। इसके साथ ही यदि पूजा की थाली में अक्षत, गेहूं या अन्य कोई भी अनाज बचते हैं तो आप इसे भी गार्डन में डाल सकते हैं या फिर इसे पक्षियों को भी खिला सकते हैं।

पूजा में इस्तेमाल होने वाले जल का क्या करें

जब किसी भी पूजा-पाठ में जल का इस्तेमाल किया जाता है तो काफी जल बच भी जाता है। ऐसे में आपको पूजा के समापन के बाद इस जल को पूरे घर में और हर में रहने वाले सदस्यों के ऊपर छिड़क देना चाहिए, उसके बाद बचे जल को किसी भी गमले में डाल सकते हैं। इससे उस जल का उपयोग भी हो जाता है और पूजा की सामग्री का अपमान भी नहीं होता है।यदि आप पूजा के बाद बची हुई सामग्रियों का इस्तेमाल यहां बताए तरीके से करती हैं तो आपके जीवन में कोई भी नकारात्मक प्रभाव नहीं होता है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
Rashtria Mukhyadhara
हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

कंगना ने बताया कि 'भारत भाग्य विधाता' में क्यों निभाई नर्स की भूमिका

कंगना रनौत की फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के दौरान कामा अस्पताल में घटी सच्ची घटनाओं पर आधारित है। यह फिल्म नर्स की बहादुरी की अनसुनी कहानी को बताती है। इस फिल्म में कंगना ने एक नर्स की भूमिका निभाई है। अपनी फिल्म और अपने किरदार को लेकर कंगना ने कई बातों का खुलासा किया है।

कंगना रनौत ने फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' में एक नर्स की भूमिका निभाई है। एएनआई से बातचीत के दौरान इस फिल्म में नर्स की ड्रेस को लेकर कंगना ने कहा, 'नर्सों की वर्दी बहुत ब्रिटिश लगती है, उन्हें नर्सों की अपनी पसंद के अनुसार भारतीय रूप दिया जाना चाहिए।' कंगना रनौत ने बताया कि उन्होंने 'भारत भाग्य विधाता' में एक नर्स की भूमिका क्यों निभाई है। कंगना ने कहा, 'अस्पताल के कर्मचारियों ने देश के लिए दृढ़ता दिखाई। एक नर्स अजमल कसाब की पहचान करने में महत्वपूर्ण गवाह बनकर उभरीं।' इसके साथ ही कंगना ने पीएम मोदी की 'भारत भाग्य विधाता' की योजना के बारे में भी खास बात बताई है।

कंगना रनौत ने कहा, 'भारत भाग्य विधाता 26/11 हमलों की एक अनकही वीरता की कहानी है।' इसके साथ ही कंगना ने बताया कि उस दौरान गोलियों और अफरा-तफरी के बीच, नर्सों ने 20 बच्चों को जन्म देने में मदद की थी।'

फिल्म में कंगना रनौत ने एक नर्स की भूमिका निभाई है। उनके साथ गिरिजा ओक भी एक नर्स के किरदार में हैं। इस फिल्म को मनोज तापड़िया ने लिखा और निर्देशित किया है। 'भारत भाग्य विधाता' एक पैन-इंडिया फिल्म है। कंगना इस फिल्म की निर्माता भी हैं। कंगना और गिरिजा के अलावा फिल्म में स्मिता तांबे, सुहिता थाटे, आशा शेलार, प्रिया बेर्डे, ईशा डे, रसिका अघासे, अमृता नामदेव, आदित्य मिश्रा और जाहिद खान भी अहम किरदारों में हैं।

डेली सोप में काम करना आसान नहीं, लेकिन यही संघर्ष मुझे मजबूत बनाता है

मुंबई टीवी शो में हर रोज नए एपिसोड लाने के लिए कलाकारों और पूरी टीम को कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। कई बार घंटों शूटिंग करनी पड़ती है, कम समय में डायलॉग्स याद करने पड़ते हैं और अलग-अलग इमोशन्स वाले सीन्स को तुरंत निभाना पड़ता है। ऐसे माहौल में काम करना किसी चुनौती से कम नहीं होता। इस पर बात करते हुए टीवी अभिनेत्री नेहा हरसोरा ने डेली सोप में काम करने के अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि यह सफर आसान नहीं है, लेकिन यही मुश्किलें उनके काम को खास बनाती हैं।

नेहा हरसोरा ने कहा, डेली सोप में काम करना बेहद चुनौतीपूर्ण होता है। यह काम कई बार शारीरिक और मानसिक रूप से थका देने वाला होता है। जिंदगी में जो चीजें आसानी से मिल जाती हैं, उनमें वह संतुष्टि नहीं होती, जो कड़ी मेहनत के बाद मिलने वाली सफलता में होती है। अभिनय का पेशा कभी भी आसान नहीं रहा है और शायद यही वजह है कि यह मुझे इतना पसंद है।

अपने अनुभवों को साझा करते हुए नेहा ने कहा, कई बार शूटिंग के दौरान कलाकारों को सीन शुरू होने से कुछ मिनट पहले ही लाइन्स दिए जाते हैं। ऐसे में उन्हें तुरंत याद करना और बिना गलती के कैमरे के सामने प्रस्तुत भी करना पड़ता है। कई बार ऐसा भी होता है कि एक सीन में कलाकार को रोना होता है और कुछ ही देर बाद दूसरे सीन में हंसना पड़ता है। इतनी जल्दी इमोशन्स बदलना आसान नहीं होता, लेकिन डेली सोप का हिस्सा होने के कारण कलाकारों को यह सब करना पड़ता है। नेहा ने कहा, डेली सोप का शूटिंग शेड्यूल इतना व्यस्त होता है कि कलाकार अपने घर से ज्यादा समय सेट पर बिताते हैं। सुबह से लेकर देर रात तक शूटिंग चलती रहती है। कई बार परिवार के साथ समय बिताने का मौका भी बहुत कम मिलता है। जब किसी ने अभिनेता बनने का सपना चुना है, तो उसे इस तरह की चुनौतियों के लिए भी तैयार रहना चाहिए।

अभिनेत्री ने कहा, मुझे सेट पर बिताया गया हर पल पसंद है। कैमरे के सामने खड़े होकर एक्टिंग करना, लाइन्स याद करना और सही इमोशन्स के साथ दर्शकों तक पहुंचाना मुझे खुशी देता है। एक्टिंग मेरे लिए सिर्फ रोजगार का जरिया नहीं है, बल्कि एक ऐसा जुनून है जिसे मैं पूरे दिल से जीती हूं। हर दिन का काम मुझे यह याद दिलाता है कि मैंने एक्टिंग की दुनिया में आने का फैसला क्यों किया था। नेहा ने फिल्मों और वेब सीरीज में काम करने वाले कलाकारों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, फिल्मों और वेब सीरीज में कलाकारों को किरदार समझने, भाषा पर काम करने और रिसर्च करने के लिए पर्याप्त समय मिल जाता है। कई बार वर्कशॉप भी आयोजित की जाती हैं, जिससे कलाकार अपने किरदार में और बेहतर ढंग से ढल सकें। लेकिन डेली सोप की दुनिया बिल्कुल अलग होती है।

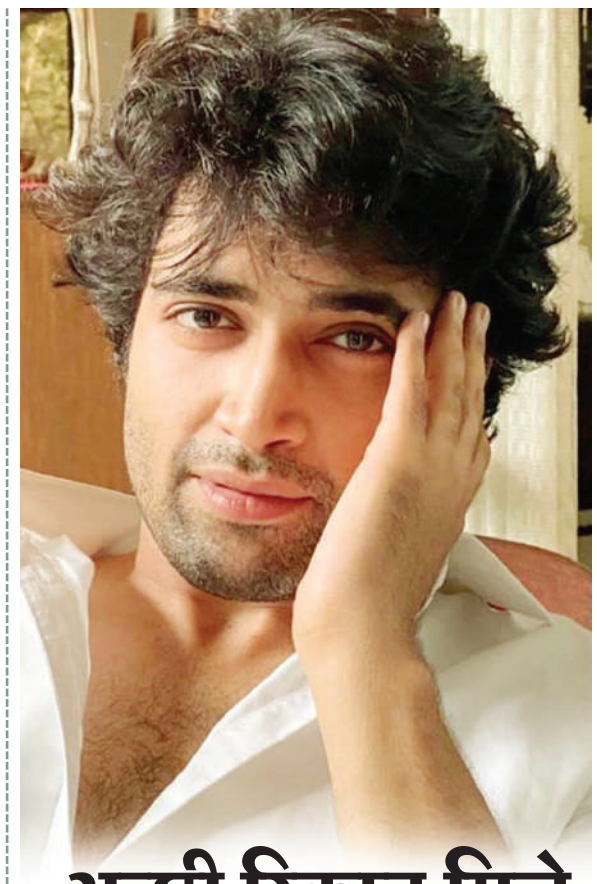

अच्छी स्क्रिप्ट मिले, तो मैं जर्मन भाषा में भी फिल्म कर लूंगा

अदिवि शेष इन दिनों अपनी एक्शन-ड्रामा फिल्म 'डकैत: एक प्रेम कथा' को लेकर चर्चा में हैं। 'क्षणम', 'गूढ़चारी' और 'मेजर' जैसी फिल्मों के जरिए अपनी अलग पहचान बना चुके शेष ने इस फिल्म के माध्यम से एक बार फिर दर्शकों के सामने नई कहानी पेश करने की तैयारी की है। बातचीत में अदिवि शेष ने अपनी आगामी से अपने जुड़ाव और इसके अन्य पहलुओं पर चर्चा की। मेरे लिए 'डकैत' का उद्देश्य केवल एक्शन दिखाना नहीं था 'डकैत' मूल रूप से सबसे पहले एक प्रेम कहानी है। मैं हमेशा इसे इसी तरह देखता हूं कि यह प्यार की कहानी में बुना गया एक्शन है, न कि एक्शन की कहानी में जोड़ा गया प्यार। अगर आपने फिल्म का गाना 'रूबरू' सुना है, जिसे फहीम अब्दुल्ला ने आवाज दी है, तो उसमें एक बेहद सादगी भरा, रूहानी और पुराने दौर के प्रेम का एहसास मिलता है। यह वैसी ही भावनाओं को दर्शाता है, जैसा कभी पुराने उपन्यासों या पिछली पीढ़ियों की प्रेम कहानियों में देखने को मिलता था। फिल्म का मूल विचार यही था कि जब इतने सरल, पवित्र और भावनात्मक प्रेम के बीच अचानक हिंसा और तीव्र एक्शन प्रवेश करता है, तो पूरा परिवेश किस तरह बदलता है। यही विरोधाभास इस कहानी की सबसे बड़ी ताकत है। मेरे लिए 'डकैत' का उद्देश्य केवल एक्शन दिखाना नहीं था, बल्कि यह दिखाना था कि भावनात्मक रूप से गहरे रिश्तों के बीच संघर्ष और हिंसा किस तरह असर डालते हैं। यही तत्व फिल्म को अलग, बड़े कैनवास वाली और विश्वसनीय बनाते हैं। मेरा नजरिया हमेशा से स्पष्ट रहा है। मैंने तब भी कहा था कि अगर मुझे अच्छी स्क्रिप्ट मिले, तो मैं जर्मन भाषा में भी फिल्म करने के लिए तैयार हूं। मेरे लिए भाषा नहीं, बल्कि कहानी महत्वपूर्ण है। 'मेजर' के बाद मुझे हिंदी और साउथ फिल्म इंडस्ट्री से 4-5 बड़ी वॉर फिल्में और बायोपिक्स ऑफर हुई थीं, लेकिन मेरे भीतर का लेखक मुझे बार-बार रोक रहा था। मुझे लगा कि मेजर संदीप उन्नीकृष्णन का किरदार निभाने के तुरंत बाद किसी दूसरी सैनिक-आधारित कहानी का हिस्सा बनना सही नहीं होगा। मैं उनके माता-पिता की भावनाओं और उनकी यादों के प्रति ईमानदार रहना चाहता था। मेरे लिए हमेशा वही कहानी मायने रखती है, जो भीतर तक प्रभावित करे।

विजय की फिल्म में दिखेंगी मालविका

मालविका मोहनन इन दिनों अपने करियर के सबसे व्यस्त दौर से गुजर रही हैं और एक साथ कई बड़ी फिल्मों पर काम कर रही हैं। हाल ही में मिली जानकारी के अनुसार वह इन दिनों चेन्नई में निर्देशक त्यागराजन कुमाराराजा की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'पॉकेट नॉवेल' की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसमें उनके साथ विजय सेतुपति मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। बताया जा रहा है कि मालविका केवल 'पॉकेट नॉवेल' की शूटिंग ही नहीं कर रही हैं, बल्कि इसके साथ-साथ एक अन्य अभी तक घोषित नहीं की गई फिल्म पर भी काम कर रही हैं। व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद वह अपने सभी प्रोजेक्ट्स को लेकर बेहद उत्साहित हैं और पूरी लगन के साथ शूटिंग में जुटी हुई हैं। सूत्रों के अनुसार चेन्नई में चल रहे लगातार फिल्मांकन के बीच मालविका दोनों फिल्मों के काम को संतुलित कर रही हैं, जो उनके पेशेवर समर्पण और मेहनत को दर्शाता है।

ओटीटी के बजाय थिएटर फिल्म करना चाहती हैं शिल्पा शेट्टी

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी इन दिनों अपने फिल्मी फैसलों को लेकर काफी साफ और सख्त नजर आ रही हैं। ओटीटी के बढ़ते दौर के बीच उन्होंने खुलकर बताया कि अब वो हर प्रोजेक्ट नहीं करतीं, बल्कि बहुत सोच-समझकर चुनती हैं।

काम में कोई 'कंप्रोमाइज' नहीं करना चाहती

इंटरव्यू में शिल्पा ने साफ शब्दों में कहा कि अब वो अपने काम में कोई 'कंप्रोमाइज' नहीं करना चाहतीं। उनका मानना है कि इतने साल इंडस्ट्री में काम करने के बाद अब वही करना चाहिए जो दिल से सही लगे और स्क्रीन पर दिखने का कोई मजबूत कारण हो।

थिएटर फिल्म करना चाहती हैं शिल्पा

उन्होंने यह भी माना कि आजकल फिल्म इंडस्ट्री में बड़ा बदलाव आया है। कई मेकर्स अब थिएटर के बजाय ओटीटी को सुरक्षित विकल्प मानते हैं, क्योंकि वहां रिस्क कम होता है। लेकिन शिल्पा का नजरिया थोड़ा अलग है। वो अब ऐसी फिल्म करना चाहती हैं, जो थिएटर्स में रिलीज हो। उन्होंने कहा, 'मेरे बच्चों ने मुझे थिएटर्स में नहीं देखा है। इसलिए मैं एक थिएटर फिल्म करना चाहती हूं। मेरे बेटे ने 2023 में सुखी देखी थी, लेकिन वो प्रीव्यू थिएटर में थी। मैं चाहती हूं कि मुझे ऐसी फिल्म मिले, जैसी हम पहले बनाया करते थे।

काफी सोचकर प्रोजेक्ट चुनती हैं शिल्पा

शिल्पा ने बताया कि उन्होंने कई बड़ी फिल्मों को भी मना किया है, लेकिन उन्हें अपने फैसलों का कोई पछतावा नहीं है। उन्होंने कहा उनके लिए पैसा या बड़ा प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि काम की क्वालिटी ज्यादा मायने रखती है।

शिल्पा शेट्टी ने इंडस्ट्री में खूब पहचान बनाई है। वे आज 51 वर्ष की हो गई हैं। अपनी फिटनेस के लिए भी वे खूब जानी जाती हैं। शिल्पा के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे कुकिंग रियलिटी शो 'मां है ना' होस्ट करती दिखेंगी।

तीन दशक से एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री पर है एकता कपूर का राज

भारतीय टेलीविजन की बात हो और एकता कपूर का नाम न आए, ऐसा शायद ही कभी हो। पिछले तीन दशकों में अगर किसी एक शख्स ने छोटे पर्दे की दुनिया को सबसे ज्यादा प्रभावित किया है, तो वह हैं एकता कपूर। उन्हें यूं ही 'कंटेंट क्वीन' नहीं कहा जाता। उन्होंने सिर्फ टीवी शो नहीं बनाए, बल्कि ऐसे किरदार, कहानियां और ट्रेंड्स गढ़े जो लोगों की जिंदगी और बातचीत का हिस्सा बन गए।

एकता कपूर ने उस दौर में टेलीविजन की दुनिया में कदम रखा, जब मनोरंजन के विकल्प बेहद सीमित थे लेकिन उन्होंने भारतीय दर्शकों की नब्ज को जिस तरह समझा, उसने उन्हें बाकी निर्माताओं से अलग खड़ा कर दिया। उनकी कंपनी बालाजी टेलीफिल्म्स ने भारतीय टेलीविजन को ऐसे शो दिए, जिन्होंने टीआरपी के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए और घर-घर में अपनी पहचान बनाई। एकता कपूर के धारावाहिकों के किरदार इतने लोकप्रिय हुए कि लोग उन्हें अपने परिवार का हिस्सा मानने लगे। इसका सबसे बड़ा उदाहरण था 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' में मिहिर विरानी की मौत। यह सिर्फ एक कहानी का मोड़ नहीं था, बल्कि एक राष्ट्रीय घटना बन गई थी। दर्शकों ने विरोध किया, भावुक हुए और आखिरकार शो के निर्माताओं को मिहिर को वापस लाना पड़ा। यह भारतीय टेलीविजन के इतिहास के सबसे चर्चित पलों में से एक बन गया।

इसी तरह 'कसौटी जिंदगी की' की कोमोलिका को कौन भूल सकता है? उर्वशी ढोलकिया का यह किरदार सिर्फ एक खलनायिका का नहीं था, बल्कि एक पॉप कल्चर आइकॉन बन गया। उनकी स्टाइलिश बिंदी, ड्रामैटिक एंट्री और बैकग्राउंड म्यूजिक ने ऐसा असर छोड़ा कि आज भी कोमोलिका का नाम लेते ही वह छवि आंखों के सामने आ जाती है।

एकता कपूर ने सिर्फ ड्रामा नहीं रचा, बल्कि ट्रेंड भी बनाए। 'कुटुंब' और 'कहीं तो होगा' जैसे शोज ने रोमांस को नए अंदाज में पेश किया। ऑफिस रोमांस की कहानियों ने युवाओं के बीच एक नया क्रेज पैदा किया। वहीं 'नागिन' के जरिए उन्होंने सुपरनेचुरल फिक्शन को मुख्यधारा में ला खड़ा किया। मौनी रॉय का इच्छाधारी नागिन वाला किरदार इतना लोकप्रिय हुआ कि यह शो भारतीय टेलीविजन की सबसे सफल फ्रेंचाइजी में शामिल हो गया।

एकता कपूर की सफलता सिर्फ उनके शोज तक सीमित नहीं है। उन्हें इंडस्ट्री की सबसे बेहतरीन 'टैलेंट स्पॉटर' भी माना जाता है। उन्होंने कई ऐसे कलाकारों को मौका दिया, जो आगे चलकर बड़े सितारे बने। विद्या बालन को शुरुआती पहचान 'हम पांच' से मिली। आज वही विद्या भारतीय सिनेमा की सबसे सम्मानित अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत को भी घर-घर तक पहुंचाने का श्रेय काफी हद तक एकता कपूर को जाता है। 'पवित्र रिश्ता' के मानव के रूप में उन्होंने करोड़ों दर्शकों का दिल जीता और यहीं से उनके फिल्मी करियर की मजबूत नींव पड़ी। इसी तरह मौनी रॉय, प्राची देसाई, अनीता हसनंदानी, राधिका मदान और कई अन्य कलाकारों को भी एकता कपूर के मंच से पहचान मिली। यही वजह है कि इंडस्ट्री में उन्हें सिर्फ निर्माता नहीं, बल्कि 'स्टारमेकर' भी कहा जाता है।

एकता कपूर की एक और खासियत यह रही कि उन्होंने समय के साथ खुद को लगातार बदला। जब टीवी का दौर चरम पर था, तब उन्होंने छोटे पर्दे पर राज किया और जब डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का दौर आया तो उन्होंने वेब कंटेंट की दुनिया में भी अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई। वह दर्शकों की बदलते पसंद को समझती रही और उसी के अनुसार कंटेंट तैयार करती रही।

उनकी मेहनत और योगदान को देश-दुनिया में कई बड़े सम्मान मिले हैं। पद्म श्री के साथ ही एकता कपूर को बिजनेस, मीडिया और मनोरंजन जगत के कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है।